@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

# कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 25 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 17 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

# एनडीए में अकाली दल की वापसी

## अमित शाह और राजनाथ सिंह ने जताई खुशी शांति और प्रगति को बताया प्राथमिकता

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** पंजाब चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की एनडीए में वापसी को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पर खुशी जताई। दरअसल, भाजपा और शिअद ने मंगलवार को 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले अपने गठबंधन को फिर से बहाल करने की घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में यह घोषणा की। उन्होंने पुष्टि की कि दोनों पार्टियां आगामी विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भाजपा और शिरोमणि




अकाली दल का गठबंधन केवल एक राजनीतिक गठबंधन नहीं है। यह एक स्वाभाविक गठबंधन है, जो हमारी साझा विरासत और साझा दृष्टिकोण पर आधारित है। इस गठबंधन ने हमेशा पंजाब में शांति और प्रगति को प्राथमिकता दी है। इन दोनों दलों का एक साथ आना पंजाब के लिए स्वाभाविक भी है और जरूरी भी। 'उन्होंने कहा, 'श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के पावन अवसर पर, मैं सरदार सुखबीर सिंह बादल और उनके सभी साथियों का एनडीए में वापस आने पर तहे दिल से स्वागत करता हूं। नशा-मुक्त पंजाब, गैंगस्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचा, राज्य का

**प्रधानमंत्री मोदी ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की एनडीए में वापसी पर खुशी जताई थी और कहा कि यह 'स्वाभाविक गठबंधन' यह सुनिश्चित करेगा कि पंजाब को 'जन-हितैषी शासन' मिले, जो राज्य में विकास को आगे बढ़ाए। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर इस गठबंधन का स्वागत किया और इसे 'पंजाब और पंजाबियों के कल्याण को सबसे ऊपर' रखने की दिशा में एक कदम बताया।**

आर्थिक विकास और किसानों की समस्याओं का समाधान, ये एनडीए की प्राथमिकताएं हैं। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के कार्यकर्ता एक विकसित, सुरक्षित और समृद्ध पंजाब बनाने का हमारा संदेश हर घर तक पहुंचाएंगे। हम पीएम मोदी के नेतृत्व में एक नशा-मुक्त पंजाब बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, 'गुरु पर्व के पावन अवसर पर, पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा और शिरोमणि अकाली दल का एक साथ आना विशेष रूप से सुखद है। विश्वास, साझा मूल्यों और एक गौरवशाली विरासत पर आधारित यह गठबंधन, पंजाब की प्रगति और समृद्धि के लिए एक स्वाभाविक शक्ति है। अटल, आडवाणी और सरदार प्रकाश सिंह बादल के विजन से प्रेरित, भाजपा-शिअद गठबंधन एक संकल्प के साथ एकजुट है- एक मजबूत, समृद्ध और जीवंत पंजाब। हम पंजाब की जनता से मिलने वाले निर्णायक जनादेश के भरोसे और नए संकल्प के साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं।'

## सुखबीर बादल ने कहा- 'अकाली दल-भाजपा के बीच एक भावनात्मक जुड़ाव'

**नई दिल्ली/चंडीगढ़।** शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने फिर से भाजपा नीत एनडीए में वापसी की है। इस अवसर पर पार्टी प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अकाली दल के बीच यह सिर्फ एक राजनीतिक गठबंधन नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सुखबीर सिंह बादल ने कहा, 'यह सिर्फ एक राजनीतिक गठबंधन नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है। जैसा कि मेरे स्वर्गीय पिता कहा करते थे, अकाली दल और भाजपा का रिश्ता अटूट है, जो बहुत गहराई से जुड़ा हुआ है।' उन्होंने कहा कि यह गठबंधन पंजाब, देश और सिख समुदाय के हित में है। बादल ने कहा, 'आपने देखा होगा कि यह गठबंधन कितने लंबे समय तक चला। इसके दौरान कितनी सरकारें बनीं और पंजाब ने तरक्की की। पंजाब में शांति और भाईचारा कायम हुआ।' सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल कोई नई पार्टी नहीं है, यह भारत के इतिहास की दूसरी सबसे पुरानी पार्टी है। देश की आजादी में शिरोमणि अकाली दल के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का सबसे बड़ा योगदान रहा है। आजादी के बाद भी चाहे गरीबों का मुद्दा हो, पंजाब का मुद्दा हो, मजदूरों का मुद्दा हो या फिर देश का मुद्दा, शिरोमणि अकाली दल ने हमेशा संघर्ष किया है। आपातकाल के खिलाफ सबसे पहला मोर्चा अकाली दल ने शुरू किया था।

**सार संक्षेप**

### भूकंप से कांपा उत्तर बंगाल, दो बार महसूस हुए झटके, नेपाल रहा केंद्र

**कोलकाता।** मंगलवार सुबह भूकंप के झटकों से उत्तर बंगाल कांप उठा। सुबह करीब सात बजे सिलीगुड़ी और इसके आसपास के इलाकों में दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र पड़ोसी देश नेपाल में था। खबर लिखे जाने तक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की ओर से भूकंप की आधिकारिक तीव्रता को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की गई। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक रिक्टर पैमाने पर कंपन की तीव्रता 5.4 मापी गई है। बताया जा रहा है कि इस भूकंप की उत्पत्ति नेपाल के कोशी क्षेत्र में जमीन से लगभग नौ किलोमीटर की गहराई में हुई थी।

### अब अपनी पसंदीदा भाषा में सुन सकेंगे काशी के 84 घाटों की कहानियां

**वाराणसी।** काशी आने वाले पर्यटक अब गंगा के घाटों की सैर के साथ उनकी सदियों पुरानी कहानियां भी अपनी पसंदीदा भाषा में सुन सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार काशी की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुंचाने की पहल कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने काशी के 84 घाटों के लिए जीपीएस आधारित डिजिटल ऑडियो टूर तैयार किया है। 'वाराणसी 84 घाट्स ऑडियोबुक ऑडियो टूर' के जरिए पर्यटक बिना गाइड के अपनी सुविधानुसार घाटों का भ्रमण कर सकेंगे।

### मप्र के ग्वालियर में मध्य रात्रि को खुले 417 साल पुराने कार्तिकेय मंदिर के पट

**ग्वालियर।** मध्य प्रदेश के ग्वालियर में जीवाजीगंज स्थित 417 साल पुराने ऐतिहासिक भगवान कार्तिकेय मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आस्था और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मंदिर परिसर में आधी रात से ही भक्तों की भीड़ जुटने लगी थी। मान्यता है कि साल में केवल एक बार खुलने वाले इस मंदिर में भगवान कार्तिकेय के दर्शन करने से हर मनोकामना पूरी होती है।

## कार्तिक पूर्णिमा पर उत्तराखंड में गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

### हर-हर गंगे से गूंजे तीर्थस्थल

**एजेंसी**

**हरिद्वार।** कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को उत्तराखंड में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हरिद्वार से लेकर ऋषिकेश और प्रदेश के अन्य पवित्र घाटों तक श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। हरिद्वार में ब्रह्म मुहूर्त से ही हरकी पौड़ी समेत गंगा के विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान, पूजा-अर्चना और दीपदान कर सुख-समृद्धि की कामना की। घाटों पर हर-हर गंगे



के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। हरिद्वार में हरकी पौड़ी के ब्रह्मकुंड समेत गंगा के तमाम घाटों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। परिवारों के साथ पहुंचे लोगों ने गंगा स्नान के बाद गंगा पूजन किया और सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट सहित अन्य गंगा घाटों पर भी श्रद्धालुओं ने स्नान और पूजा-अर्चना की। मंदिरों, आश्रमों और मठों में धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। देव दीपावली के अवसर पर घाटों पर दीपदान भी किया गया। गंगा के जयकारों, पूजा-अर्चना और दीपदान के बीच हरिद्वार सहित प्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर दिनभर धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा। कार्तिक पूर्णिमा का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन को देव दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध कर देवताओं को उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। इस विजय की खुशी में देवताओं ने दीपोत्सव मनाया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु ने इसी दिन मत्स्य अवतार धारण किया था। इस कारण कार्तिक पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है।

## सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी पर महादीपम जलाने की तैयारी तेज

### 7,000 पुलिसकर्मी तैनात

**पहाड़ी की चोटी पर विशेष रूप से 600 पुलिसकर्मियों को सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।**

**मंदिर में हर वर्ष कार्तिगई दीपोत्सव के मुख्य आयोजन के रूप में पहाड़ी की चोटी पर महादीपम प्रज्वलित किया जाता है।**

**एजेंसी**

**मदुरै।** तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरंकुंद्रम मुरुगन मंदिर में कार्तिगई दीपोत्सव के अवसर पर पहाड़ी की चोटी पर महादीपम प्रज्वलित करने की तैयारियां तेज हो गई हैं। दीप प्रज्वलन को लेकर जारी विवाद के बीच उच्चतम न्यायालय के अंतरिम आदेश के बाद मंगलवार शाम पहाड़ी के शिखर पर स्थित दीपस्तंभ में दीप जलाने की व्यवस्था की जा रही



है। इसके मद्देनजर राज्य सरकार ने इलाके में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। महादीपम प्रज्वलित करने के लिए इस्तेमाल होने वाले पारंपरिक तांबे के दीप पात्र, घी, बत्ती, कपूर और अन्य पूजा सामग्री को जिला प्रशासन की निगरानी में कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच पहाड़ी पर पहुंचाया गया है। पूरे क्षेत्र में करीब 7,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही निषेधाज्ञा लागू कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मदुरै शहर और उपनगरीय क्षेत्रों से करीब 3,000 पुलिसकर्मियों तथा अन्य जिलों से 4,000 से अधिक जवानों को बुलाया गया है। चेन्नई के आवडी, तांबरम, पूनमल्ली, ऊनमांचेरी, चेन्नई रेलवे, वीरपांडी, तोण्डी, नागपट्टिनम, कोयंबटूर, नीलगिरी, सेलम, तिरुचि और तंजावुर समेत विभिन्न क्षेत्रों से 16 पुलिस बटालियनों को तैनात किया गया है। दक्षिण, उत्तर और पश्चिम क्षेत्रों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। मंदिर परिसर, पहाड़ी की तलहटी तक जाने वाले रास्तों, आसपास के इलाकों, शिखर पर स्थित दीपस्तंभ और दरगाह सहित संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

## मुख्यमंत्री श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, श्री गुरुग्रन्थ साहिब के सामने मत्था टेका

**कौमी पत्रिका**

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी आज यहां डी0ए0वी0 कॉलेज, प्रांगण में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने श्री गुरुग्रन्थ साहिब के सामने मत्था टेका। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी को सरोपा एवं कृपाण भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम सभी इतनी भव्यता और उत्साहपूर्ण वातावरण में गुरु नानक देव जी महाराज के प्रकाश पर्व के आयोजन के साक्षी बन रहे हैं। गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन और संदेश के माध्यम से सम्पूर्ण मानवता को अज्ञान और अंधकार से निकालकर ज्ञान एवं प्रकाश की ओर ले जाने का मार्ग दिखाया। उनका संदेश था कि अज्ञान पर ज्ञान और अधर्म पर धर्म की विजय होनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज का दिन अत्यन्त पवित्र है। वह प्रातः चार बजे से ही प्रदेश के अलग-अलग स्थानों से व्यवस्थाओं एवं श्रद्धालुओं की संख्या की जानकारी प्राप्त कर रहे थे। मुजफ्फरनगर जनपद स्थित शुकतीर्थ में लाखों श्रद्धालु माँ गंगा में स्नान




कर रहे हैं। हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर में प्रातःकाल से अब तक लगभग 15 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। अमरोहा के तिगरी में भी 15 लाख से अधिक श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। प्रयागराज और फर्रुखाबाद में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। अयोध्या और काशी में भी लाखों श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर काशी की सुप्रसिद्ध देव दीपावली का आयोजन होना है, जिसमें लाखों दीपक प्रज्वलित किए जाएंगे। मान्यता है कि भगवान शिव ने आज ही के दिन त्रिपुरासुर का वध कर इस धरती को आतंक से मुक्त किया था। इसी परम्परा के अनुरूप गढ़मुक्तेश्वर, काशी तथा अन्य धार्मिक स्थलों पर कार्तिक पूर्णिमा के आयोजन हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ किए जाते हैं। कार्तिक पूर्णिमा का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि इसी पावन तिथि पर साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाश पर्व भी मनाया जाता है। हमें उस दौर को याद करना चाहिए, जब मानवता के इस महान प्रकाशपुंज ने अपने संदेश को लेकर विभिन्न स्थानों की यात्राएं की थीं। उस समय आवागमन के साधन और संसाधन भी उपलब्ध नहीं थे। समाज जाति, छुआछूत और अस्पृश्यता के नाम पर अनेक प्रकार के भेदभावों में बंटा हुआ था। एक ओर समाज में बिखराव था, तो दूसरी ओर बाहरी आक्रमण और विदेशी हमलों की चुनौतियां थीं। ऐसे कठिन समय में गुरु नानक देव जी महाराज ने सम्पूर्ण मानवता को 'एक ओंकार' का मंत्र दिया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने बताया कि ईश्वर एक है और हम सभी उसकी संतान हैं। इसलिए प्रत्येक मनुष्य समान सम्मान का अधिकारी है। विदेशी आक्रमणों और सामाजिक विभाजन की परिस्थितियों में समाज को एकजुट करने के लिए दिया गया।

शेष पृष्ठ 3 पर

## उप्र में सपा ने कांग्रेस को 26 विधानसभा सीटों का प्रस्ताव दिया

### 100 से 140 सीटों पर अड़ी कांग्रेस



**एजेंसी**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश विधानसभा के आगामी चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर कवायद शुरू हो गयी है। सपा ने शुरुआती बातचीत में कांग्रेस को 26 सीटों का प्रस्ताव दिया है और इनकी सूची भी सौंप दी है लेकिन कांग्रेस 100 से 140 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। राज्य में विधानसभा की 403 सीटें हैं। सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान 26 सीटों के इस प्रस्ताव का गणित समझाया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 26 सीटों में कांग्रेस की पिछली बार जीती गई दो सीटें और वे चार सीटें शामिल हैं, जहां पार्टी दूसरे स्थान पर रही थी। इसके अलावा 20 ऐसी सीटें दी जा रही हैं, जहां पिछले चुनाव में सपा को 60 से 70 हजार वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस को करीब दो हजार वोट ही मिले थे। सूत्रों के अनुसार, सपा ने सीटों के चयन में 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन को आधार बनाया है। पार्टी इस बार सीट बंटवारे को लेकर सतर्कता बरत रही है, क्योंकि 2022 के विधानसभा चुनाव में सहयोगी दलों को दी गई सीटों में से कई पर चुनाव लड़ने वाले दल बाद में गठबंधन से अलग हो गए थे।

## नितिन नवीन ने गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारा रकाबगंज में माथा टेका

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** गुरु नानक देव जी की 557वीं जयंती के अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को दिल्ली स्थित गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेका। उन्होंने गुरुद्वारे में अरदास की और कीर्तन भी सुना। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा भी उनके साथ मौजूद रहे। गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से सिख परंपरा के अनुसार नितिन नवीन को सम्मान स्वरूप सरोपा भेंट किया गया। गुरुद्वारा परिसर में उपस्थित संगत को संबोधित करते हुए नितिन



नवीन ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता को 'एक ओंकार, एक ज्योति' का संदेश दिया। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और भेदभाव को मिटाकर समाज को 'नाम जपो, कीरत करो, वंड छको' का मार्ग दिखाया। गुरुजी की शिक्षाएं आज भी मानवता, समानता, सेवा और परोपकार की प्रेरणा देती हैं।

**श्रद्धा** जब तक सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रहेगा : योगी आदित्यनाथ

## दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल बांका नहीं कर पाएगी : मुख्यमंत्री

**एजेंसी**

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब तक भारत सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव रखेगा, दुनिया की कोई ताकत उसका बाल बांका नहीं कर पाएगी। सिख गुरुओं का त्याग, तपस्या, बलिदान और उनकी आध्यात्मिक चेतना भारत की राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव की अमूल्य धरोहर है। गुरु नानक देव जी महाराज ने 'एक ओंकार' के माध्यम से संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में पिरोने का संदेश दिया।



**गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व पर मुख्यमंत्री योगी ने किया नमन**

**बोले- गुरु साहिब की शिक्षाएं मानवता को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान और अधर्म से धर्म की ओर ले जाने वाली हैं**

उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी उस समय थीं। हमें इन शिक्षाओं को केवल आयोजनों तक सीमित न रखकर अपने जीवन में आत्मसात करना होगा और नई पीढ़ी को भी इनसे निरंतर परिचित कराना होगा। मुख्यमंत्री मंगलवार को साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता और सौभाग्य का अवसर है कि हम सभी इतने भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाश पर्व मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कार्तिक पूर्णिमा के आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि आज का दिन पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत पवित्र है। वह प्रातः चार बजे से ही प्रदेश के विभिन्न धार्मिक स्थलों से श्रद्धालुओं की संख्या और व्यवस्थाओं की जानकारी ले रहे थे। मुजफ्फरनगर के शुकतीर्थ में लाखों श्रद्धालु मां गंगा में स्नान कर रहे हैं। हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर में प्रातःकाल से अब तक लगभग 15 लाख श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं, जबकि अमरोहा के तिगरी में भी 15 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई है।

# गुरु नानक देव जी का दर्शन पूरी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ: मुख्यमंत्री



- प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचकर मत्था टेका

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को श्री गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचकर मत्था टेका। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब में अरदास कर दिल्लीवासियों और देशवासियों के सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन और दर्शन संपूर्ण मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ के समान है। उन्होंने समाज को सत्य, प्रेम, समानता और मानव सेवा का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में वर्षभर आयोजित कार्यक्रमों का भव्य समापन 12 से 14 दिसंबर तक लालकिले में होगा। पिछले वर्ष नवंबर में लालकिले से ही इन आयोजनों की शुरुआत की गई थी। उन्होंने गुरु संगत, साध संगत और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को समापन समारोह में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और विधायक अशोक गोयल मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभी से गुरु साहिब की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने और भाईचारे व सद्भाव को बढ़ावा देने की अपील की।कन-

## नशीले इंजेक्शन और टैबलेट के साथ एक आरोपी दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी उत्तरी जिले की शाहबाद डेयरी थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों की खरीद-फरोख्त के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।आरोपी के कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन और नालोक्सोन की 92 टैबलेट (8.55 ग्राम) तथा फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन की 26 शीशियां बरामद हुई हैं। पुलिस आरोपी के खिलाफ मादक द्रव्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है। जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि 20 नवंबर को शाहबाद डेयरी थाने की टीम इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सेक्टर-26 रोहिणी में ग्राम सभा की पीछे खाली जमीन के पास एक युवक को बैग लेकर संदिग्ध हालात में जाते देखा। पुलिसकर्मियों को देखकर वह तेजी से वहां से निकलने लगा। पुलिस टीम ने उसे तुरंत पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम सुरेश बताया। पुलिस ने उसके बैग की तलाशी ली। उसमें टैबलेट और इंजेक्शन की शीशियां रखी थीं। जांच करने पर टैबलेट पर ब्यूप्रेनॉर्फिन और नालोक्सोन सबलिंगुअल टैबलेट आईपी (वर्नोर-एन) लिखा मिला, जबकि इंजेक्शन की शीशियों पर फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन आईपी अंकित था। पुलिस ने सभी टैबलेट और इंजेक्शन की शीशियों को जब्त कर लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी के खिलाफ बेगमपुर थाने में चोरी का मामला दर्ज है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर बरामद दवाओं के स्रोत और उनकी सप्लाई कहां की जानी थी, इसका पता लगा रही है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

## जामा मस्जिद थाने की सुरक्षा सख्त, बिना पूछताछ के प्रवेश बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामा मस्जिद थाने के भीतर पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमले की घटना के बाद थाने की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। अब थाने के प्रवेश द्वार पर आने वाले लोगों से पूछताछ और उनके आने का कारण जानने के बाद ही अंदर जाने दिया जा रहा है। बिना जांच-पड़ताल किसी को भी थाने में प्रवेश नहीं मिल रहा है। घटना के बाद इलाके में तनाव और दहशत का माहौल देखते हुए आरएएफ की एक टुकड़ी भी तैनात की गई है। गौरतलब है कि सोमवार को जामा मस्जिद थाने में पारिवारिक विवाद के सिलसिले में काउंसलिंग के लिए बुलाए गए नबील ने अचानक पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया था। इस घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। इसके बाद आरोपी थाने से बाहर निकलकर स्कूटी लूटकर फरार हो गया था। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ने की कोशिश की तो उसने फिर पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

## कार को रास्ता देने के विवाद में श्रमिक पर तलवार से हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरि नगर इलाके में कार को रास्ता देने को लेकर हुए विवाद में एक श्रमिक पर तलवार से हमला किया गया। पीड़ित की पहचान 26 वर्षीय पंकज के रूप में हुई है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के जरिये आरोपी कार चालक की पहचान करने के बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक, 22 नवंबर की देर रात झील वाला पार्क के पास दिल्ली जल बोर्ड का काम चल रहा है। वहां तीन श्रमिक ट्रक से पाइप उतार रहे थे। इसी दौरान वहां एक कार वहां पहुंची। कार चालक और ट्रक चालक के बीच रास्ता देने को लेकर विवाद हो गया। दोनों में कहासुनी होने लगी। यह देखकर श्रमिक तिहाड़ गांव निवासी पंकज ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। आरोप है कि इससे नाराज कार चालक ने तलवार से पंकज पर हमला कर दिया। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

## डिलिवरी बॉय बनकर आया, पांच कारों की बैटरियां चुराईं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुखर्जी नगर में चोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें आरोपी ने डिलिवरी बॉय की पहचान की आड़ में रिहायशी इलाके में खड़ी कारों को निशाना बनाया। आरोपी एक घंटे के भीतर पांच कारों की बैटरियां चोरी कर भाग गया। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, गौरव मुखर्जी नगर इलाके में रहते हैं। मुखर्जी नगर थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी में उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह उन्होंने अपनी कार की बैटरी गायब पाई। उन्होंने इसकी सूचना आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों को दी। छानबीन करने पर पता चला कि पांच कारों की बैटरियां चोरी की गईं। गौरव ने वारदात की शिकायत पुलिस को दी। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान आसपास की सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला, जिसमें पता चला कि बदमाश ने डिलिवरी बॉय की पहचान का इस्तेमाल कर वारदात को अंजाम दिया है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने घटना की पुष्टि की है।

## घर से जेवरात चोरी करने वाला एक आरोपी धरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। शकरपुर में घर से सोने-चांदी के जेवरात और मोबाइल फोन चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान शास्त्री नगर निवासी राज हलदर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किए गए तीन हार और साढ़े तीन जोड़ी बालियां बरामद की हैं। आरोपी से पूछताछ कर पुलिस उसके साथी का पता लगाने की प्रयास कर रही है। पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि शकरपुर निवासी राहुल कुमार ने शिकायत दी थी कि आठ नवंबर की रात करीब दो से तीन बजे के बीच जब परिवार सो रहा था, तब घर में घुसे चोर जेवरात और मोबाइल चोरी कर ले गए। नौ नवंबर को शकरपुर थाने में ई-एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें दो संदिग्धों की पहचान हुई। सीसीटीवी फुटेज और सूचना के आधार पर पुलिस ने 20 नवंबर को राज हलदर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर चोरी करने की बात कबूल की। पुलिस ने एक दिन की रिमांड के दौरान उसकी निशानदेही पर चोरी के जेवरात बरामद किए।

## अवैध शराब के साथ पकड़ी गई महिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नंद नगरी थाना पुलिस ने अवैध शराब बेचने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नंद नगरी निवासी सरिका के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास और घर से शराब के 205 क्वार्टर और 42,400 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस सारिका से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अलवाल ने बताया कि 23 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे पुलिसकर्मी इलाके में गश्त कर रहे थे। इस दौरान उन्हें एक महिला सफेद थैला लेकर खड़ी दिखाई दी। पुलिस को देखकर वह घर में जाने लगी। शक होने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो थैले से शराब के 39 क्वार्टर मिले। इसके बाद घर की तलाशी में 166 क्वार्टर और 42 हजार रुपये बरामद हुए। आरोपी नंद नगरी थाने की बीसी है। उसके खिलाफ पहले से इसी तरह के 20 मामले दर्ज हैं।

## 'कॉकरोच क्लब' के जवाब में एलएचजेपी शुरू करेगी 'लाल हिट क्लब'

नई दिल्ली (एजेंसी)। लाल हिट जनता पार्टी (एलएचजेपी) ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के 'कॉकरोच क्लब' के जवाब में अपना 'लाल हिट क्लब' शुरू करने की घोषणा की है। यह हास्य और व्यंग्य पर आधारित मंच होगा। इसकी शुरुआत 25 नवंबर को रात नौ बजे यूट्यूब पर होगी। मंच की राष्ट्रीय सह-संयोजक आयुषी सिंह ने कहा कि यह पहल सीजेपी के कॉकरोच क्लब की प्रतिक्रिया के रूप में शुरू की गई है। यहां मीम, नाटक, स्टैंडअप कॉमेडी और अन्य कार्यक्रम होंगे। इसका उद्देश्य युवाओं को राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों से जोड़ना है। मंच के मुताबिक, इसके जरिए युवा सवाल उठा सकेंगे और अपनी बात रख सकेंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यक्रम भी होंगे। दर्शकों और प्रतिभागियों के लिए नकद पुरस्कार और उपहार भी रखे गए हैं। विजेताओं का चयन योग्यता के आधार पर होगा।यह पहल 'आंखें खोलो साथियों' कार्यक्रम के तहत चलेगी। एलएचजेपी ने स्पष्ट किया कि वह राजनीतिक दल नहीं, बल्कि नागरिक मंच है और चुनाव नहीं लड़ सकता।

## एमसीडी के दिवंगत कर्मचारियों के 65 आश्रितों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति



**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में कार्यरत दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों को राहत देते हुए महापौर प्रवेश वाही ने 65 आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के पद पर नियुक्ति की स्वीकृति प्रदान की है। इन सभी की नियुक्ति निगम के इंजीनियरिंग विभाग में की जाएगी।
महापौर ने कहा कि दिल्ली नगर निगम अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ हर परिस्थिति में खड़ा है। जिन कर्मचारियों ने दिल्ली की सेवा में अपना जीवन समर्पित किया, उनके परिवारों की देखभाल करना निगम का नैतिक कर्तव्य है। अनुकंपा के आधार पर दी जाने वाली यह नियुक्ति दिवंगत कर्मचारियों के परिवारों के प्रति निगम की जिम्मेदारी और सम्मान का प्रतीक है।
महापौर ने कहा कि इन 65 आश्रितों की नियुक्ति से उनके परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा। साथ ही निगम के इंजीनियरिंग विभाग में कर्मचारियों की कमी दूर करने में भी मदद मिलेगी। एमटीएस के रूप में नियुक्त होने वाले कर्मचारी सड़कों, नालों, भवनों और जनसुविधाओं के रखरखाव से जुड़े कार्यों में योगदान देंगे। उन्होंने बताया कि अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए निगम प्रशासन विशेष अभियान चला रहा है। पात्रता की जांच के बाद 65 मामलों को स्वीकृति दी गई है। शेष पात्र मामलों का भी नियमानुसार शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। महापौर ने सभी 65 आश्रितों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे अपने दिवंगत परिजनों की तरह ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ दिल्ली की सेवा करेंगे।

## दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के 32 में से 24 मानकों पर सरकार विफल : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की समीक्षा में प्रदूषण नियंत्रण के मामले में दिल्ली का पांच राज्यों में सबसे खराब प्रदर्शन रहने पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि 32 में से 24 मानकों पर दिल्ली का विफल रहना सरकार और भाजपा शासित नगर निगम की प्रशासनिक नाकामी का प्रमाण है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि वाहन, उद्योग, सड़क की धूल, कचरा प्रबंधन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। सरकार समाधान निकालने के बजाय बैठकें और विज्ञापन कर रही है, जबकि दिल्ली की जनता जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर है। उन्होंने नगर निगम की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि सफाई कर्मचारियों की संख्या घट रही है, स्वीपिंग मशीनें पर्याप्त नहीं हैं और जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। उन्होंने कहा कि सीएक्यूएम की ओर से जिला स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और प्रदूषण में 15 से 20 प्रतिशत कमी लाने का लक्ष्य देने से भी अब तक की व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से प्रदूषण के सभी स्रोतों पर ठोस कार्रवाई करने, सफाई कर्मचारियों के रिक्त पद भरने और कचरा प्रबंधन दुरुस्त करने की मांग की।

## गुरु नानक देव का समानता व सेवा का संदेश आज भी प्रासंगिक : विजेंद्र गुप्ता



**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की समानता, करुणा और निःस्वार्थ सेवा की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी सदियों पहले थीं। उनका संदेश हमें स्मरण कराता है कि मानवता जाति, पंथ और धर्म के सभी भेदभावों से ऊपर है तथा सच्ची आस्था का वास्तविक अर्थ दूसरों की सेवा में निहित है।
विजेंद्र गुप्ता ने गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के अवसर पर मंगलवार को गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में माथा टेका और दिल्ली तथा देश की जनता की शांति, समृद्धि एवं कल्याण के लिए अरदास की। गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव की शिक्षाओं ने सामाजिक भेदभाव को चुनौती दी और प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा एवं समानता को प्रतिष्ठित किया। उन्होंने नाम जपो, किरत करो और वंड छको के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सिद्धांत ईश्वर के स्मरण, ईमानदारी से आजीविका अर्जित करने और दूसरों के साथ मिल-बांटकर रहने की भावना पर बल देते हैं। ये सिद्धांत आज भी करुणा, आपसी सम्मान और सामूहिक उत्तरदायित्व पर आधारित समाज के निर्माण के लिए नैतिक आधार प्रदान करते हैं। अपने दौरे के दौरान अध्यक्ष ने गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब के ऐतिहासिक महत्व को भी स्मरण किया। यह पवित्र स्थल वर्ष 1675 में शहादत के बाद गुरु तेग बहादुर के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की स्मृति से जुड़ा है। नौवें सिख गुरु का अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धार्मिक आस्था की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान भारतीय इतिहास का एक अमिट अध्याय है। सिख गुरुओं की विरासत आज भी पीढ़ियों को न्याय, मानवीय गरिमा और धार्मिक सद्भाव के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है।
गुप्ता ने कहा कि गुरु नानक देव का 'सरबत दा भला' अर्थात सर्वजन कल्याण का संदेश सार्वभौमिक है और धार्मिक सीमाओं से परे समस्त मानवता को जोड़ता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे दया, ईमानदार आचरण और निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से गुरु जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें।

## गुरु पर्व पर केजरीवाल ने गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेका



नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को गुरु पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में माथा टेककर गुरु साहिब का आशीर्वाद लिया। इस दौरान तिलक नगर से विधायक जरनैल सिंह भी उनके साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर केजरीवाल ने कहा कि गुरु नानक देव जी का पूरा जीवन मानवता के लिए एक संदेश है। उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज में प्रेम, समानता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया जा सकता है। गुरु साहिब की शिक्षाएं कठिन परिस्थितियों में भी हमें सही रास्ते पर चलने की प्रेरणा देती हैं। गुरु पर्व के अवसर पर सभी को 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर देशवासियों और उनके अनुयायियों को शुभकामनाएं भी दीं। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने अपनी दिव्य वाणी और शिक्षाओं के माध्यम से पूरी मानवता को सत्य, प्रेम, समानता और भाईचारे का मार्ग दिखाया। उनके बताए तीन सिद्धांत आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करते हैं। ईमानदारी और मेहनत से आजीविका कमाना, ईश्वर का स्मरण करना तथा अपनी कमाई और खुशियों को दूसरों के साथ बांटना उनकी शिक्षाओं का मूल संदेश है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की शिक्षाएं मानवता की सेवा, सभी धर्मों के सम्मान, जाति-पाति से ऊपर उठकर समानता और आपसी प्रेम का संदेश देती हैं। इन आदर्शों को अपनाकर ही सुखी और समृद्ध समाज का निर्माण किया जा सकता है।

## प्रदूषण पर नियंत्रण करना सिर्फ दिल्ली की जिम्मेदारी नहीं : सुप्रीम कोर्ट

- वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को दी जानकारी

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि प्रदूषण को कम करने की जिम्मेदारी अकेले दिल्ली की नहीं है। शीर्ष अदालत ने प्रदूषण को कम करने के मुद्दे पर सुस्त रवैया अपनाने के लिए पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को फटकार लगाते हुए यह टिप्पणी की है। इस बीच, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर 23.6 लाख से ज्यादा ऐसी गाड़ियां चल रही हैं, जिनकी उम्र पूरी हो चुकी है। आयोग ने कहा है कि बीएस-6 मानकों को पूरा करने वाले वाहनों की तुलना में पुराने वाहनों से अधिक प्रदूषण फैलाती हैं।
देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और वी मोहना की पीठ ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की खिंचाई करते हुए इन राज्यों से प्रदूषण कम करने के लिए अधिक जिम्मेदारी लेने और सुनवाई के दौरान अपने-अपने महाधिवक्ता ?की मौजूदगी सुनिश्चित करने को कहा है। दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई करते हुए, सीजेआई ने जोर देकर 'प्रदूषण की समस्या से निपटने की जिम्मेदारी सिर्फ दिल्ली की नहीं हो सकती, पड़ोसी राज्यों को भी इसमें सक्रिय भूमिका निभाना चाहिए।'
सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पड़ोसी राज्य प्रदूषण नियंत्रित करने की इस प्रक्रिया में इतने निष्क्रिय क्यों हैं? वे इसमें सक्रिय रूप से शामिल क्यों नहीं हो रहे हैं? पीठ ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि मामले की सुनवाई पर उनके महाधिवक्ता अदालत में मौजूद रहना चाहिए। पीठ ने 'पड़ोसी राज्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा आप हमें हमेशा पीछे बैठने वालों यानी बैकबेंचर की तरह व्यवहार करते हैं। आप सभी जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते?
मामले की सुनवाई पर अपने महाधिवक्ता की मौजूदी सुनिश्चित करें।' इसके साथ ही, शीर्ष अदालत ने राज्यों को यह बताने के लिए विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया कि वे एनसीआर में प्रदूषण कम करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। पीठ ने इसका विस्तृत ब्यौरा देने को कहा है। पीठ ने राज्यों से उनके द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी सवाल किया और कहा कि एनसीआर में प्रदूषण को कम करने की जिम्मेदारी के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत है।

### बीएस-6 मानक के अनुपालन की शर्तों को पूरे एनसीआर में लागू करने का सुझाव

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान बीएस-6 मानक के अनुपालन की शर्तों को दिल्ली से आगे पूरे एनसीआर में क्षेत्र में लागू करने पर भी विस्तार से चर्चा की। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसा कदम प्रदूषण को कम करने में काफी मददगार साबित हो सकता है। पीठ ने मामले सुनवाई के दौरान सवाल किया कि 'क्या दिल्ली में कमर्शियल वाहनों के प्रवेश को पूरी तरह रोका जा सकता है? साथ ही कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि शहर के लिए जरूरी सामानों की आपूर्ति पर कोई असर न पड़े। पीठ ने माना कि दिल्ली सब्जियों, भोजन और रोजमर्रा की अन्य जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है।

## प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में 15 दिसंबर तक होंगे शहीदी समागम

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरु नानक देव के 557वें प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में मुख्य समागम हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में संगत ने पहुंचकर माथा टेका। उधर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता की सेवा, ईमानदारी और मेहनत से कमाई करने का संदेश दिया। गुरु साहिब की शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा दिखाती हैं। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के साथ ही गुरु तेग बहादुर साहिब के 350वें शहीदी दिवस के समापन समागमों की तैयारियां भी की जा रही हैं। कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत 27 नवंबर को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब में विशाल कवि दरबार आयोजित किया जाएगा, जबकि 29 नवंबर को आगरा स्थित गुरुद्वारा गुरु का ताल से नगर कीर्तन दिल्ली पहुंचेगा। 30 नवंबर से छह दिसंबर तक गुरु साहिब की चरण स्पर्श प्राप्त वस्तुओं के साथ दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में नगर कीर्तन सजाए जाएंगे। सात दिसंबर को वर्ल्ड सिख कॉन्क्लेव होगा, जिसमें विश्वभर में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले सिखों को सम्मानित किया जाएगा। 12, 13 और 14 दिसंबर को लाल किले पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें लाइट एंड साउंड शो भी शामिल होंगे। वहीं 14 दिसंबर को गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब तक नगर कीर्तन निकाला जाएगा, जबकि 15 दिसंबर को गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब में विशेष दीवान सजाए जाएंगे।

# दिल्ली में युवाओं व महिलाओं को मिलेगा अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
दिल्ली सरकार युवाओं और महिलाओं को कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने के लिए महत्वाकांक्षी परियोजना को आकार देने जा रही है। शालीमार बाग में अत्याधुनिक कौशल विकास केंद्र विकसित किया जाएगा, जहां युवाओं को आधुनिक तकनीक और उद्योग की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही, महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए तैयार किया जाएगा। विशेष रूप से 12वीं पास युवाओं के लिए आईटीआई की तर्ज पर रोजगारपरक तकनीकी पाठ्यक्रम और महिलाओं के लिए बेकरी, ब्यूटी, फैशन, सिलाई और अन्य व्यावहारिक कौशल से जुड़े शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य प्रशिक्षण को केवल प्रमाणपत्र तक सीमित न रखकर उसे रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाना है।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं में दिल्ली के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना शामिल है। शालीमार बाग में बनने वाला यह केंद्र इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां प्रशिक्षण को बाजार की मांग और उद्योगों की जरूरतों से जोड़ते हुए युवाओं को आधुनिक कार्यक्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा। महिलाओं को अपनी रुचि, क्षमता और पारिवारिक परिस्थितियों के अनुरूप कौशल सीखने तथा स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के अवसर मिलेंगे। केंद्र में लचीली समय-सारणी, सप्ताहांत बैच और ऑनलाइन-ऑफलाइन प्रशिक्षण की सुविधा भी प्रस्तावित है, जिससे घरेलू जिम्मेदारियों के कारण प्रशिक्षण से वंचित रहने वाली महिलाएं भी अपने हुनर को निखार सकेंगी। यह केंद्र न केवल युवाओं के लिए कौशल विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाकर मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर साबित होगा।
मुख्यमंत्री ने बताया कि इस केंद्र के आधुनिक भवन का निर्माण दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) लगभग आठ एकड़ क्षेत्र में करेगा। डेसू कॉलोनी के पास बनने वाले इस केंद्र में स्मार्ट क्लासरूम, 14 अत्याधुनिक लैब व प्रशिक्षण केंद्र, लाइब्रेरी और लर्निंग रिसोर्स सेंटर, 250 व्यक्तियों की क्षमता वाला मल्टीपर्पज ऑडिटोरियम, कॉन्फ्रेंस और प्लेसमेंट आदि से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रशिक्षण के लिए डिजिटल एवं आईटी लैब, फैशन और टेक्सटाइल लैब, सिलाई एवं हस्तशिल्प, ब्यूटी-वेलनेस, बेकरी एवं फूड प्रोसेसिंग, हेल्थकेयर आदि से संबंधित आधुनिक उपकरण उपलब्ध होंगे।
उन्होंने कहा कि परिसर से सटे लगभग दो एकड़ क्षेत्र में हॉर्टिकल्चर प्रशिक्षण मैदान भी विकसित किया जाएगा, जहां पौधों की देखभाल, पौध स्वास्थ्य और लैंडस्केपिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। दिल्ली के दूर-दराज के क्षेत्रों और बाहर से आने वाले छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वहां हॉस्टल एवं आधुनिक स्पोर्ट्स फैसिलिटी विकसित करने की योजना भी है ताकि प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं को एक संपूर्ण और सुलभ शैक्षणिक माहौल मिल सके।
मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में महिलाओं के लिए फैशन डिजाइन, सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीशियन, हेयर स्टाइलिंग, बेकरी, फूड प्रोसेसिंग और हस्तशिल्प जैसे पाठ्यक्रम विशेष रूप से उपयोगी होंगे। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं नौकरी करने के साथ अपना बुटीक, ब्यूटी सलून, बेकरी, टिफिन सेवा या अन्य व्यवसाय शुरू कर सकेंगी। महिला उद्यमिता एवं इनक्यूबेशन सुविधा के माध्यम से उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए मार्गदर्शन, मेंटरशिप, बाजार से जुड़ाव और वित्तीय सहायता के अवसरों से जोड़ने की व्यवस्था प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि कामकाजी माताओं की सुविधा के लिए परिसर में 25-25 बच्चों की क्षमता वाली दो क्रैच यूनिट तथा प्राथमिक चिकित्सा के लिए मेडिकल सिक-बे भी बनाया जाएगा। इससे महिलाओं को प्रशिक्षण के दौरान बच्चों की देखभाल की चिंता से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र का अकादमिक एवं तकनीकी संचालन सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत आने वाले डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र के माध्यम से किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे (एनएसक्यूएफ) और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के मानकों के अनुरूप उद्योग आधारित व्यावहारिक कौशल पर केंद्रित होंगे। युवाओं को डिजिटल सेवाओं, आईटी सपोर्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद रोजगार, अप्रेंटिसशिप अथवा स्वयं का उद्यम शुरू करने के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। इस केंद्र को स्किल इंडिया, मिशन शक्ति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और 'विकसित भारत-2047' जैसी प्राथमिकताओं से जोड़ते हुए प्रशिक्षुओं के लिए उच्च शिक्षा के आगे के रास्ते भी खोलने की योजना है। विशेष बात यह है कि यहां प्रशिक्षित युवाओं एवं महिलाओं को सरकार की ओर से सर्टिफिकेट भी प्रदान किए जाएंगे, ताकि दूसरी जगहों पर भी रोजगार मिलने में उन्हें आसानी रहे।

# सारनाथ के श्री गुरु हनुमान मंदिर शक्तिपीठ में होगा योगेश्वरी श्रीमद्भगवद्गीता अखंड पाठ एवं गिरिराज-गायत्री हवन का भव्य आयोजन

**चंद्रकान्त पाराशर,**
**वरिष्ठ पत्रकार**

वाराणसी, 25 नवंबर। धर्म नगरी काशी से लगभग 20 किलोमीटर दूर सारनाथ स्थित श्री गुरु हनुमान मंदिर शक्तिपीठ में आगामी 29 नवंबर 2026 को %योगेश्वरी श्रीमद्भगवद्गीता अखंड पाठ एवं गिरिराज-गायत्री हवन% का भव्य आयोजन होने जा रहा है। गोवर्धन श्मशान निवासी योगीराज श्री शैलेन्द्र शर्मा गुरुजी की सन 1993 में छह माह तक साधना एवं प्रवास स्थली रहे इस पावन स्थान में, उन्हीं की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में पहली बार इस विशेष आध्यात्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन समागम में सम्मिलित होने के लिए देश के विभिन्न राज्यों से योगीराज गुरुजी के शिष्यगण एवं श्रद्धालु सपरिवार सारनाथ पहुंच रहे हैं। आश्रम के संयोजक श्री गुप्तेश्वर शास्त्री जी ने बताया कि योगीराज गुरुजी की वाणी से प्रवाहित योग ज्ञानधारा से ओतप्रोत योगेश्वरी श्रीमद्भगवद्गीता के अखंड पाठ के माध्यम से श्रद्धालुओं को योग, भक्ति, ज्ञान एवं अध्यात्म की पावन अनुभूति प्राप्त होगी। एक दिवसीय आयोजन में विभिन्न आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा, साधना और भक्ति की भावना को विशेष रूप से अभिव्यक्त किया जाएगा।

**अध्यात्म के साथ सजेगी सुरों की महफिल =**

इस एक दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन में भक्ति और संगीत का अनूठा संगम भी देखने को मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान बॉलीवुड के प्रसिद्ध म्यूजिक डायरेक्टर एवं प्रोड्यूसर निर्भय शुक्ला अपनी मधुर आवाज और संगीत की विशेष प्रस्तुति देंगे। उनके सुरीले संगीत की विशेष प्रस्तुति से सारनाथ की पावन धरा पर अद्भुत वातावरण निर्मित होगा।

**सहेजी जाएंगी योगीराज गुरुजी के तत्कालीन प्रवास की स्मृतियां और साधना का इतिहास =**

इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि श्री गुरु हनुमान मंदिर शक्तिपीठ सारनाथ से जुड़े गौरवशाली आध्यात्मिक इतिहास एवं स्मृतियों को संरक्षित व संवर्धित करना भी है। इसके अंतर्गत योगीराज गुरुजी द्वारा इस पावन स्थल पर बिताए गए साधना-काल तथा उस समय उनके सान्निध्य में रहे वरिष्ठ साधकों के अनुभवों, संस्मरणों और महत्वपूर्ण प्रसंगों को परस्पर साझा किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से गुरुजी के साधना काल से जुड़ी अनमोल स्मृतियों एवं अनुभवों को संकलित कर भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का एक महत्वपूर्ण प्रयास किया जाएगा। आयोजन को लेकर श्री गुरु हनुमान मंदिर शक्तिपीठ सारनाथ परिसर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले शिष्यगण के स्वागत और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन के माध्यम से सारनाथ की पावन धरती पर धर्म, अध्यात्म, संगीत और गुरु परंपरा का विशेष संगम देखने को मिलेगा ।

# प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का करे इस्तेमाल

यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने वीरवार को सब्जी मंडी एसोसिएशन व मंडी आढ़तियों व विक्रेताओं की बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने के बारे में समझाया। उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे कचरा रखने के लिए कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल, कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल पॉलिथीन या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी को समझाया कि अभी नगर निगम हाथ जोड़कर सभी से प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने और खुले में कचरा न फैलाने की अपील कर रहा है। फिर भी जो नहीं मानेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के नुकसान बताते हुए सभी को इसका इस्तेमाल न करने के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि पॉलिथीन के इस्तेमाल से जहां कैंसर जैसी घातक बीमारी होती है, वहीं, इसे खाने से पशुओं की भी मौत हो सकती है। क्योंकि कुछ लोग खाने समेत पॉलिथीन को फेंक देते है। सब्जी विक्रेता भी सड़ी हुई सब्जी या उसके अवशेष पॉलिथीन में डालकर फेंक देते है। जिससे पशु खा लेते है। यह पॉलिथीन उसके पेट में पचती नहीं। जिससे पशु बीमार होते है। नाले व नालियां जाम होने का सबसे बड़ा कारण भी पॉलिथीन है। उन्होंने सभी सब्जी व फल विक्रेताओं, मंडी आढ़तियों व पॉलिथीन विक्रेताओं को पॉलिथीन बंद करने में अपना योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने थोड़े से लाभ के लिए इसका इस्तेमाल कर आमजन की जिंदगी से न खेले। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे प्रतिबंधित पॉलिथीन के स्थान पर सरकार द्वारा स्वीकृत 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल या कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल (मकई से बनी हुई) पॉलिथीन या कपड़े के थैले का इस्तेमाल करें। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे घर से सब्जी, फल या अन्य सामान खरीदने जाते समय कपड़े का थैला साथ लेकर जाए। खुले में गंदगी न फैलाएं।

# पूर्व डीएम के नाम पर फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाकर 50 हजार ठगे

गाजियाबाद। आईएएस व गौतमबुद्धनगर के पूर्व जिलाधिकारी की फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर घरेलू सामान कम कीमत पर बेचने के नाम पर 50 हजार रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ति ने वेव सिटी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि इकला गांव के रहने वाले नीरज नागर के मुताबिक साइबर ठगों ने आईएएस व गौतमबुद्धनगर के पूर्व जिलाधिकारी डॉ. ब्रजेश नारायण सिंह के नाम व पहचान का दुरुपयोग करते हुए एक फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाई।

# मुख्यमंत्री श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, श्री गुरुग्रन्थ साहिब के सामने मत्था टेका

**प्रथम पृष्ठ का शेष**

उनका यह संदेश उस समय भी प्रासंगिक था और आज भी इसकी सार्थकता बनी हुई है। 'एक ओंकार' का मंत्र सम्पूर्ण समाज को एकता, समानता और परस्पर सम्मान के सूत्र में बांधने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गुरु नानक देव जी महाराज अपने अनुयायियों और श्रद्धालुओं को तीन प्रमुख संदेश देते थे-'नाम जपो, किरत करो और वंड छको'। अर्थात ईश्वर का नाम स्मरण करो, ईमानदारी एवं परिश्रम से आजीविका अर्जित करो और मिल-बांटकर भोजन करो। नाम जपने और कीर्तन करने से व्यक्ति के भीतर आध्यात्मिक चेतना जागृत होती है तथा अज्ञानता दूर होती है। सामूहिक कीर्तन से समाज में एक शक्ति का संचार होता है। इससे व्यक्ति के मन में नकारात्मक अथवा नास्तिकता का भाव उत्पन्न नहीं होता और समाज में सामूहिकता की भावना मजबूत होती है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस में श्रद्धा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा है-'श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्' अर्थात श्रद्धावान को ही ज्ञान प्राप्त होता है। गुरु नानक देव जी महाराज भी कीर्तन के माध्यम से इसी आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का संदेश देते थे। सामूहिक रूप से कीर्तन करने से समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संचार होता है। उनका तीसरा संदेश 'वंड छको' अर्थात मिल-बांटकर खाने का है। इसका आशय है कि समाज में कोई भी व्यक्ति उपेक्षित न रहे और सभी एक-दूसरे के साथ मिलकर जीवन व्यतीत करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जब भी वह गुरुद्वारों में जाते हैं और वहां सभी लोगों को एक साथ लंगर छकते हुए देखते हैं, तो गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का जीवन्त स्वरूप सामने दिखाई देता है। लंगर में किसी व्यक्ति की जाति, मत या मजहब नहीं पूछा जाता। प्रत्येक व्यक्ति एक साथ पंगत में बैठकर पूरे सम्मान के साथ भोजन करता है। किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होता। लंगर की यह परम्परा सामाजिक समानता, सेवा, समरसता और भाईचारे का अत्यन्त पवित्र उदाहरण है, जो आज भी समाज को एकजुट करने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज ने आध्यात्मिकता के वास्तविक स्वरूप को समाज के सामने रखा। गुरु नानक देव ने बताया कि सच्ची आध्यात्मिकता अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर खड़े होने की प्रेरणा देती है। आध्यात्मिकता का अर्थ पलायन करना नहीं है। यदि कोई व्यक्ति सामने अन्याय और अत्याचार कर रहा है तो केवल अपने स्वार्थ में डूबकर मौन बने रहना आध्यात्मिकता नहीं हो सकती। सच्ची आध्यात्मिकता वह है, जो किसी भी अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता से खड़े होकर उसका मुकाबला करने का साहस प्रदान करे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कालांतर में सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान इसी आध्यात्मिक चेतना की मिसाल बना। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान, गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज और उनके चारों साहिबजादों का बलिदान तथा विदेशी आक्रांताओं से मुकाबला करते हुए सिख वीरों का संघर्ष इसी परम्परा का हिस्सा है। आजादी की लड़ाई में सिख वीरों और क्रान्तिकारियों का योगदान भी सिख गुरुओं की शिक्षाओं एवं प्रेरणा से उत्पन्न राष्ट्रभक्ति और त्याग की भावना का परिणाम था। जब हम गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज का स्मरण करते हैं, तो उनके चारों साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान की स्मृतियां भी हमारे सामने आती हैं। बाबा अजीत सिंह जी, बाबा जुझार सिंह जी, बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी ने अत्यन्त कम आयु में धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान स्वीकार किया। मुख्यमंत्री जी ने उनकी क्रमशः 14, 11, 9 और 7 वर्ष की आयु का उल्लेख करते हुए कहा कि इतनी कम आयु में भी उन्होंने विदेशी हुकूमत और आक्रांताओं के सामने अपना सिर नहीं झुकाया। उन्होंने भारत का सिर ऊंचा रखा और अपनी गुरु परम्परा के प्रति अडिग रहते हुए निर्भीकता के साथ धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। यह हम सभी के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सिख गुरुद्वारों के सहयोग से गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों के बलिदान की स्मृति को चिरस्थायी बनाने तथा नई पीढ़ी को उनके त्याग एवं शौर्य से परिचित कराने के उद्देश्य से 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में आयोजित करने की पहल की गई। मुख्यमंत्री आवास में विशेष रूप से दो प्रकार के आयोजन होते हैं। एक, सात वर्ष पूर्व साहिब श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व का आयोजन हुआ था और दूसरा, वीर बाल दिवस का कार्यक्रम। वीर बाल दिवस के आयोजन की पहली शुरुआत मुख्यमंत्री आवास से हुई थी।

# पशु चोरी करने वालों ने की थी कारोबारी से छिनैती की वारदात

कौशांबी। सीमांत विहार निवासी बेकरी कारोबारी राजेश को पिस्टल व चाकू दिखाकर चेन छिनैती करने वाले कार सवार आरोपियों को पुलिस ने रविवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया मामले का खुलासा किया। आरोपी दिल्ली के राजपार्क स्थित मंगोलपुरी निवासी सुजल, बेगमपुरी के कैलाश विहार का रहने वाले संदीप और विशाल हैं। मुठभेड़ में आरोपी सुजल के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने 25 अगस्त की सुबह बेकरी कारोबारी से छिनैती करने की बात स्वीकार की है। तीनों के पास से वारदात में इस्तेमाल हुई कार, चाकू, तमंचा व कुछ नकदी बरामद हुई है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सात सितंबर की सुबह 2/5 की पुलिया पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक कार को चेकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया था। कार चालक ने गाड़ी रोकने की जगह दूसरे रास्ते पर दौड़ा दिया लेकिन कुछ दूरी पर ही कार टकराने की वजह से रुक गई। तीनों आरोपी गाड़ी से निकलकर फायरिंग करते हुए भागे। जवाबी कार्रवाई में एक गोली आरोपी सुजल के पैर में लगी। इसके बाद पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तीनों मिलकर गाजियाबाद व दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लूट, छिनैती और चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। एसीपी ने बताया कि तीनों आरोपी मुख्यरूप से पशु चोर हैं। अधिकतर घरों के बाहर बंधे पशुओं को चुराकर उन्हें बेचने का काम करते हैं। पशु चोरी के कई मामले तीनों के खिलाफ दर्ज हैं। जिस कार में आरोपी घूम रहे थे वह कार आरोपी सुजल की थी, जिस पर नकली नंबर प्लेट लगाकर वारदातों को अंजाम देते थे। बताया कि सुजल के खिलाफ लूट, छिनैती व चोरी का माल बरामद होने व आर्म्स एक्ट में एक दर्जन मामले दर्ज हैं। आरोपी संदीप के खिलाफ आधा दर्जन और विशाल पर भी इन अपराधों में आधा दर्जन मुकदमे हैं।

### NAME CHANGE

I, NIHARIKA D/o DINESH UPADHAYAY R/o E 305 Near Noida Public Library Sector 15 Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201301, have changed my name and shall hereafter be known as NIHARIKA UPADHYAY.

### NAME CHANGE

I hitherto known as TAPATI BISWAS D/o DULAL BISWAS, permanent resident of Butiguda, MALKANGIRI COLONY, Malkangiri, Malkangiri, Odisha-764048, presently residing at Flat No. 2006, Tower 16, 3C Lotus Zing, Sector 168, Noida, Uttar Pradesh-201305, have changed my name and shall hereafter be known as MAYA BISWAS.

### NAME CHANGE

I Badailey S/o Abdul Hakim, R/o House,NO: E- 49/ B - 306,Gali No.2, Janata Majdoor Colony, Seelampur, PO:Seelampur, DIST: North East Delhi - 110053 have changed my name to Baddule for all future.

### NAME CHANGE

I, ABHIJEET R/o HOUSE NUMBER-8, 1ST FLOOR, SANJAY NAGAR, GULABI BAGH, MALKA GANJ, DELHI-110007 have changed my name to ABHIJEET KAPOOR.

### PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my **Mr. Satender Kumar** in respect of **Vacant Residential Plot No. 24, 25 and 26, area measuring 150 sq. yards i.e, 125.41 Sq. meter, out of area 0.0843 Hc. out of Khasra no. 2287, Situated in Narender Nagar Colony Nikat Shiv Vatika Colony Ward No. 7, Kasba Dadri Pargana & Tehsil Dadri, District Goutam Bhudh Nagar, U.P** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends to avail loan facility and in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

**Khaitan & Khaitan**
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

### LOST & FOUND

I,mrs. Annapoorny bala Subramanian resident of E-82, Seema Apartment plot- 7, sector 11, Dwarka, Delhi, has lost/misplaced the original relinquishment deed of property B-202 Yamuna Apartment Alaknanda New Delhi 110019. A complaint regarding the same has been lodged with Delhi Police vide LR No: 791617/2026. If found by anyone, please contact the undersigned. **Annapoorny**

### NAME CHANGE

I, REVANURU RAMANAMMA, mother of No. - 15431922K, Rank-HAV/ N ASST, Name- REVANURU VISWANATH, residing at VPO-C KOTHAPALLI, TEHSIL & PS-HAJIPET, DIST□KADAPA, ANDHRA PRADESH-516163, have changed my name from REVANURU RAMANAMMA to REVANURU RAVANAMMA for all future purposes vide Affidavit Dated 24/11/2026 before Notary Public, Delhi.

### NAME CHANGE

I, JAVED, S/O RIYAZUDDIN, R/o H NO-140, CHATTA LAL MIAN, DELHI GATE, DELHI-110002 have changed my name to MOHAMMAD JAVED QURESHI for all future purposes.

### NAME CHANGE

I, No-15746707P Rank-L/NK Name-RATHVA LAXMANBHAI DESHINGBHAI residing at VILL-JOGPURA (DUNGAR), PO-KADVAD, TEH-JETPUR PAVI, DIST-CHHOTAUDEPUR, GUJRAT-391160, have changed my wife□s name from RATHVA SUMITRABEN LAXMNBHAI to RATHVA SUMITRABEN LAXMANBHAI for all future purposes vide Affidavit dated 24/11/2026 before Notary Public Delhi.

### सार्वजनिक सूचना

मूल संपत्ति दस्तावेजों के खो जाने / गुम हो जाने के संबंध में मेरे मुवक्किल श्री दौलत राम ड्ड राकेश पुत्र स्वर्गीय श्री तेज राम, निवासी WZ-D-139, तृतीय तल, माया अपार्टमेंट, राज नगर-2, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 के निर्देशानुसार एवं उनकी ओर से, मैं अधोहस्ताक्षरी अधिवक्ता, आम जनता को इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सूचित करता हूँ कि मेरे मुवक्किल की संपत्ति, जो WZ-D-139, तृतीय तल, माया अपार्टमेंट, राज नगर-2, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली-110077 स्थित है, से संबंधित मूल विक्रय विलेख (Sale Deed) खो गया है / गुम हो गया है। अतः आम जनता को सावधान किया जाता है कि उक्त खोए हुए / गुम हुए मूल दस्तावेजों के आधार पर किसी भी प्रकार का लेन-देन, समझौता, करार, व्यवस्था अथवा अन्य कोई व्यवहार न करें। यदि कोई व्यक्ति उक्त दस्तावेजों के आधार पर किसी प्रकार का लेन-देन करता है अथवा उनका दुरुपयोग करने का प्रयास करता है, तो ऐसा वह अपने जोखिम, खर्च एवं परिणामों के लिए स्वयं पूर्णतः जिम्मेदार होगा। इस प्रकार के किसी भी अनधिकृत अथवा धोखाधड़ीपूर्ण लेन-देन के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे। यह सार्वजनिक सूचना आम जनता के हित में तथा उपरोक्त संपत्ति के संबंध में मेरे मुवक्किल के अधिकारों एवं हितों की सुरक्षा के उद्देश्य से प्रकाशित की जा रही है।

**प्रताप सिंह अधिवक्ता**
दिल्ली उच्च न्यायालय
चैंबर= K-84
नामांकन संख्या= ड/906/2020
निवास= H-306, राज
गेट नंबर 2 के निकट, तीस हजारी
मोबाइल= 9205424829

### NAME CHANGE

I SHAZMA BEGUM W/O MOHD NISAR R/O H NO-854 CHANDNI MAHAL DARYA GANJ CENTRAL DELHI-110002 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAZMA

### NAME CHANGE

I MUKEEM S/O ABDUL HAKEEM R/O A-187 GALI NO-4 MAHALAXMI ENCLAVE KARAWAL NAGAR DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD MUKIM

### NAME CHANGE

It is for general information, that I Amarpal S/o Devendra Singh R/o H.No. 50, Rauni, Distt. Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203202 declare that name of my father has been wrongly written as Davindra in some of my documents. The actual name of my father is Devendra Singh respectively which may be amended accordingly.

### NAME CHANGE

I hitherto know as Brajesh W/O Rajendra Singh R/O 9 Vikash Nagar Ailum,Ailum, District-Shamli, Uttar Pardesh, pin-247771 have changed my name and shall here after be known as Breshla Devi.

### NAME CHANGE

I hitherto know as Dinesh S/O Rohtesh R/O Village-Durganpur, PO-Biral, District-Muzaffarnagar, Uttar Pardesh, Pin-247771 have changed my name and shall here after be known as Parduman Singh.

### NAME CHANGE

I, KAMALA DEVI R/o HOUSE NUMBER-8, 1ST FLOOR, SANJAY NAGAR, GULABI BAGH, MALKA GANJ, DELHI-110007 have changed my name to KAMLA DEVI.

### NAME CHANGE

I, Ritesh, son of Suresh, resident of Bass Khurd (98), PO: Bass, Distt: Hisar, Haryana-125042, have changed my name to Ritesh Mor for all purposes

### सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि श्रीमती संजू देवी, श्री नरेंद्र सिंह से प्लॉट संख्या 44, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, खाता संख्या 00131, खसरा संख्या 517Mi में से, ग्राम तुस्याना, कॉलोनी श्याम विहार, परगना एवं तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित संपत्ति क्रय करने की इच्छुक हैं। यह कि श्री नरेंद्र सिंह ने उक्त संपत्ति श्रीमती रूबी से दिनांक 21.01.2026 के विक्रय विलेख के माध्यम से क्रय की थी, जो दस्तावेज संख्या 3681 के रूप में पंजीकृत है। तथापि, उक्त संपत्ति की पूर्व स्वामित्व श्रृंखला (Chain of Title) से संबंधित मूल विक्रय विलेख दिनांक 12.08.2024, जो उप-निबंधक कार्यालय, दादरी में दस्तावेज संख्या 41946, बही संख्या 1, जिल्द संख्या 28325, पृष्ठ संख्या 343 से 366 पर दिनांक 12.08.2024 को पंजीकृत है, खो गया है/गुम हो गया है तथा हर संभव प्रयास के बावजूद तलाश करने पर भी नहीं मिल रहा है। इस संबंध में उक्त मूल विक्रय विलेख के गुम होने के संबंध में दिनांक 13.11.2026 को पुलिस स्टेशन= पुलिस कंप्यूटर सेंटर, टेक्निकल सर्विसेज मुख्यालय, लखनऊ में ऑनलाइन एफआईआर संख्या रूक हश. 20260001212877 दर्ज कराई गई है। उक्त संपत्ति का प्रस्तावित क्रय आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा कौशाम्बी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 15 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

**[ अश्वनी कुमार ] अधिवक्ता**
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल=
kumarwfiwvashwani@gmail.com

### PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Satish alias Satish Wadhwani S/o Mr. Gopal Dass Wadhwani is the owner and in possession of a Freehold Residential Entire Third Floor, With Roof Rights, area measuring 50 Sq. yards, i.e., 41.8 Sq. Meters, out of Khasra No. 163, Built on Property Bearing Municipal No. L-261, situated at Shastri Nagar, in the Village of Neemri, Delhi., Our client acquired the said property by virtue of Relinquishment Deed Dated 18.11.2026 As Doc. No. 2026/78/I/1168, in Book No. 01, Vol. No. 110, Page No. 103-110, on Dated 18.11.2026, SR- Sadar Bazar.., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Late Mrs. Sonia W/o Late Mr. Satish Wadhwani, died on 22.02.2026., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property., and the said property to be financed/ mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Pitampura New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

### NAME CHANGE

I, ALSABA D/O MOHAMMAD SHAMSHAD R/o 726-A GALI NO-10 RAJIV GANDHI NAGAR NEW MUSTAFABAD GOKAL PURI DELHI-110094, have changed my name to ALSABA ANSARI for all future purposes.

### NAME CHANGE

I, MD ANAS S/O MD YUSUF R/o D 179 first floor back side old no-48 nale wala road new ashok nagar vasundhara enclave delhi-110096 have changed my name to MOHD ANAS for all future purposes.

### NAME CHANGE

I, No-15787924A, Rank-HAV (OCC), Name-ZAREKAR ADINATH NAVNATH residing at ZAREKAR VASTI, VTC-DONGARGAN, DIST-AHILYANAGAR, MAHARASHTRA-414601, have changed my mother's name from ZAREKAR PARIGA to PARIGA NAVNATH ZAREKAR for all future purposes vide Affidavit dated 24/11/2026 before Notary Public Delhi.

### NAME CHANGE

I, M HUSSAIN, S/O MD TALHA, R/o WARD NO-06, JALKAURA, KHAGARIA, BIHAR-851204 have changed my name to MOHD HUSSAIN for all future purposes

### NAME CHANGE

I hitherto known as SWEETY D/O VIJAY KUMAR R/O P-32, C/1, Near Dear Park, Dilshad Garden, Jhilmil, East Delhi, Delhi-110095 have changed my name and shall hereafter be known as RIDHI.

### NAME CHANGE

I, PRAMI KT mother of Army No □ 2619212K, Rank □NK, Name □ ARUN K, residing at HOUSE-KUZHIKKARAN KUZHIYIL, VPO-NANMINDA, TEHSIL & DIST-KOZHIKODE, KERALA-673613, have changed my name from PRAMI KT to PREMI for all future purposes vide Affidavit Dated 24/11/2026 before Notary Public, Delhi.

### PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mr. Satish alias Satish Wadhwani S/o Mr. Gopal Dass Wadhwani is the owner and in possession of a Freehold Residential Entire Third Floor, With Roof Rights, area measuring 50 Sq. yards, i.e., 41.8 Sq. Meters, out of Khasra No. 163, Built on Property Bearing Municipal No. L-261, situated at Shastri Nagar, in the Village of Neemri, Delhi., Our client acquired the said property by virtue of Relinquishment Deed Dated 18.11.2026 As Doc. No. 2026/78/I/1168, in Book No. 01, Vol. No. 110, Page No. 103-110, on Dated 18.11.2026, SR- Sadar Bazar.., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Late Mrs. Sonia W/o Late Mr. Satish Wadhwani, died on 22.02.2026., Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and same property sold to be Mrs. Mamta Devi W/o Mr. Dharam Vir Singh and the said property to be financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

### NAME CHANGE

I hitherto Known as VINAY RANI URF SONIA BASOYA W/O SUMIT VERMA R/O A 32, LAI Bagh Colony, Loni Ghaziabad, Loni, PO: Loni, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as VINAY RANI

### NAME CHANGE

I, Neha W/O Naveen Sharma R/O Harishah, Sikandrabad, PO: Sikandrabad, DIST: Bulandshahr, Uttar Pradesh - 203205, have changed the name of my minor daughter Divanshi Sharma aged 10 years and she shall hereafter be known as Divyanshi

### NAME CHANGE

I hitherto known as XMA D/o RAVINDRA SINGH residing at Samana, Po Samana, Dist Ghaziabad Uttar Pradesh-245301 have changed my name and shall hereafter be known as KSHAMA RANA.

### NAME CHANGE

I, Meenu alias Meenakshi Lamba D/o Raj Pal Singh W/o Manish Kumar R/o Hari Bhawan -6, Maliwara Chowk, nam yug Market, Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh - 201002 have changed my name and shall hereafter be known as Meenakshi Lamba

### NAME CHANGE

I, Virender Kumar Nirman S/o Prahlad Singh R/o Kothi No. 32A, Road No.5, Mela Ram Farmhouse Sewa Dham Ghaziabaad, Loni, PO: Loni, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as Virender Kumar

### PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client of Ms. Babita D/o Mr. Sitaram is the owner and in possession of a Freehold Residential Vacant Residential Plot No. 92, area measuring 73.15 Sq. Yds., i.e., 61.16 Sq. Mtrs., out of Khasra No. 849, Situated in the area of Village Chhapraula, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 27.09.2023, Vide Doc. No. 40277, in Book No. I, Vol. No. 24872, on Pages No. 85-106, in the office of SR- Dadri., In the chain of documents, (1) Original GPA executed by Mr. Ramanand Sharma S/o Mr. Harvansh in favour of Mr. Yashveer Yadav S/o Mr. Charan Singh Yadav in respect of entire property. & (2) Original Sale Deed dated 16.02.2015 executed by Mr. Yashveer Yadav as attorney Mr. Ramanand in favour of Mr. Surendra Singh duly regd. Vide Doc. No. 3330, in Book No. I, Vol. No. 7914, on Pages No. 393-412, in the office of SR- Dadri., Are not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and same property sold to be Mrs. Mamta Devi W/o Mr. Dharam Vir Singh and the said property to be financed / mortgaged with Tata Capital Housing Finance Ltd., Branch: Ghaziabad Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

**[NAVEEN KUMAR VERMA]**
Advocate
1/566-A, Ground Floor,
Sector-1, Vaishali,
Ghaziabad, Uttar
Pradesh-201010.
Contact at
09958871432

### NAME CHANGE

I, Kajal, daughter of Subhash, resident of House No.45/12A, VTC: Bahri (Part) (389), PO: Kurukshetra, Dist: Kurukshetra, Haryana-136118, have changed my name to Kajal Kashyap for all purposes

### NAME CHANGE

I, hitherto known as MOHD SHOAIB S/O ISLAMUDDIN R/O 1193, RAKAB GANJ ASAF ALI ROAD,BEHIND DELITE CINEMA,TURKMAN GATE-110002 have changed my name and shall hereafter be known as SHOAIB AHMED. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

### NAME CHANGE

I SADIQA PARVEEN DAUGHTER OF LATE HAMID ALI R/O.HOUSE NO-1, STREET NO-1, MAIN CHOWK KARDAMPURI, GOKALPURI, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME SADHIKA PARVEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE

### NAME CHANGE

I MARYOOB JAHAN WIFE OF LATE MOHD SYEDHAMID R/O.HOUSE NO-1, STREET NO-1, MAIN CHOWK KARDAMPURI, GOKALPURI, NORTH EAST, DELHI-110094 HAVE CHANGED MY NAME MARGUB JAHA FOR ALL FUTURE PURPOSE AND HAVE CHANGED MY HUSBAND NAME LATE HAMID ALI FOR ALL FUTURE PURPOSE

### NAME CHANGE

I, ANUJ BINDAL S/o Prem Chand R/o Ward No.8, Behind Shiv Mandir, Adarsh Colony, Hodal, Palwal, Haryana-121106, have changed my name from ANUJ BINDAL to ANUJ KUMAR BINDAL permanently.

### NAME CHANGE

I, RITU AGRAWAL W/o Anuj Kumar Bindal R/o Ward No.8, Behind Shiv Mandir, Adarsh Colony, Hodal, Palwal, Haryana-121106, have changed my name from RITU AGRAWAL to RITU AGGARWAL permanently.

### NAME CHANGE

I, hitherto known as

## संक्षिप्त डायरी

### नोएडा के सेक्टर-4 में प्लास्टिक फूल बनाने वाली कंपनी में लगी भीषण आग, 25 गाड़ियों ने पाया काबू

एजेंसी

**नोएडा।** थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-4 स्थित बी-134 में 23 नवंबर की देर रात एक बड़ी घटना सामने आई। यहां आर्टिफिशियल प्लास्टिक फूल बनाने वाली एक चार मंजिला कंपनी में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें इतनी तेज हो गईं कि उन्होंने पड़ोस में स्थित एक अन्य कंपनी को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत तथा बचाव कार्य शुरू किया गया। जिस समय कंपनी में आग लगी, उस वक्त इमारत के बेसमेंट के अंदर दो लोग सो रहे थे। आग की लपटें ऊपर की मंजिलों में तेजी से फैल रही थीं। दमकलकर्मियों और स्थानीय पुलिस ने मौके पर तुरंत कार्रवाई करते हुए बेसमेंट में सो रहे दोनों लोगों को बिना किसी नुकसान के सकुशल बाहर निकाल लिया। इस पूरी घटना में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने या जनहानि की खबर नहीं है, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। आग की भयावहता को देखते हुए दमकल विभाग ने एक के बाद एक कई गाड़ियां मौके पर रवाना कीं। आग पर पूरी तरह से काबू पाने के लिए दमकल की कुल 25 गाड़ियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद जब आग बुझ गई, तो दमकलकर्मियों ने तुरंत कूलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी, ताकि इमारत के किसी हिस्से में दोबारा आग भड़कने की आशंका न रहे। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे के अनुसार, रात करीब एक बजे कंपनी में अज्ञात कारणों की वजह से अचानक आग लग गई थी। आग फैलने के कारण पास की दूसरी कंपनी भी इसकी जद में आ गई, जिससे दोनों ही कंपनियों के अंदर रखा भारी मात्रा में सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने जानकारी दी कि फिलहाल मौके पर कूलिंग का काम चल रहा है। इसके साथ ही आग लगने के असली कारणों की जांच की जा रही है और दोनों कंपनियों में हुए कुल नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है।

### किसानों का धरना स्थगित हुआ

एजेंसी

**नोएडा।** एनटीपीसी दादरी परियोजना से प्रभावित 24 गांवों के किसानों ने एनटीपीसी गेट पर 25 नवंबर से प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना फिलहाल स्थगित कर दिया है। अधिकारियों से समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने यह फैसला लिया है। किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी मेधा रूपम और अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय सिंह से मुलाकात की और बढ़े हुए मुआवजे से संबंधित न्यायालय के आदेश उन्हें सौंपा। भारतीय किसान यूनियन मंच के जिला प्रभारी अजब सिंह भाटी ने कहा कि किसान अपने हक से पीछे नहीं हटेंगे। तय समय तक समाधान नहीं हुआ तो दोबारा आंदोलन शुरू किया जाएगा। किसान लंबे समय से अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इस अवसर पर सुखपाल भाटी, अन्नू सरपंच, विकास रूपवास, सत्यवीर फौजी, धूम सिंह, विजय भगत, भूपेंद्र मुखिया और प्रदीप कसाना आदि मौजूद रहे।

### पेंशनरों के लिए विशेष कैंप लगेंगे

एजेंसी

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश सरकार के पेंशनरों द्वारा वर्ष में एक बार किसी भी माह में जीवित प्रमाण पत्र कोषागार में प्रस्तुत किए जाने की व्यवस्था है, जो एक वर्ष तक प्रभावी रहता है। वर्तमान में पेंशनरों को कोषागार में उपस्थित हुए बिना भी जीवित प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा उपलब्ध है। पेंशनर अपनी बैंक शाखा या जीवन प्रमाण पोर्टल के माध्यम से अपने निवास स्थान से मोबाइल द्वारा अपना जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकते है। इसके लिए पेंशनर को अपने मोबाइल में आधार फेस आरडी ऐप एवं जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करना होता है। उत्तर प्रदेश शासन ने डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र के अधिकाधिक उपयोग के क्रियान्वयन के लिए 26 नवंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक दनकौर ब्लाक परिसर में एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कोषाधिकारी शिखा गुप्ता ने बताया कि दनकौर में निवास करने वाले सभी पेंशनरों से अपील है कि जिन पेंशनरों ने अबतक अपना जीवित प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया, वे शिविर में डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं। शिविर में आने वाले सभी पेंशनर अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं मोबाइल फोन अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं।

### जेवर में हुआ 125 मरीजों की आंखों का ऑपरेशन

एजेंसी

**नोएडा।** जेवर क्षेत्र में आंखों की बीमारी से जूझ रहे मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से निशुल्क ऑपरेशन की सुविधा मिल रही है। नवंबर 2025 से नवंबर 2026 तक जेवर ब्लॉक के 124 मरीज अपनी आंखों का ऑपरेशन करा चुके हैं। यह सुविधा जेवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और नोएडा के एक निजी आई केयर अस्पताल के बीच हुए आपसी समझौते के तहत उपलब्ध कराई जा रही है। जेवर सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ सर्फे जेया ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से मरीजों को ऑपरेशन के लिए संबंधित अस्पताल भेजा जाता है। मरीजों को निशुल्क ऑपरेशन के साथ दवाइयों, अस्पताल में ठहरने और आने-जाने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

### एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

**नोएडा।** बीआरसी कार्यालय जेवर में सोमवार को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्षों के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त मुद्गल ने की। इसमें विकासखंड के 113 विद्यालयों के एसएमसी अध्यक्षों ने प्रतिभाग किया। खंड शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त मुद्गल ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति स्कूल और समुदाय के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

### यातायात नियमों के उल्लंघन पर 6980 वाहनों के ई-चालान

एजेंसी

**नोएडा।** जिले में सोमवार को यातायात पुलिस ने जांच अभियान चलाया। इसमें यातायात नियमों के उल्लंघन पर कुल 6980 वाहनों के ई-चालान और आठ गाड़ियां सीज की गई। यातायात पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यातायात पुलिसकर्मियों ने 2883 चालान और आईएसटीएमएस कैमरों से 4097 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा बिना हेलमेट 2410 वाहनों के चालान किए गए। विशेष अभियान के तहत नो पार्किंग के कारण 726, बिना सीट बेल्ट 176, लाल बत्ती के उल्लंघन पर 298, बिना ड्राइविंग लाइसेंस 129, तेज गति में वाहन दौड़ाने की वजह से 361 और मोबाइल फोन पर बात करते हुए वाहन चलाने के कारण 67 वाहनों के चालान किए गए। वहीं, सेक्टर 128 स्थित ज्ञानश्री पब्लिक स्कूल में छात्र छात्राओं और शिक्षकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

### मरीज से गलत व्यवहार पर ईएमओ को नोटिस

एजेंसी

**नोएडा।**आपातकालीन विभाग में मरीज से गलत व्यवहार पर इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर (ईएमओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। वहीं एक अन्य मामले में सोमवार को स्वास्थ्यकर्मी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। आपातकालीन विभाग में मरीज की शिकायत पर ईएमओ को नोटिस जारी किया गया है। वहीं, एक स्वास्थ्यकर्मी ने गाड़ी सही स्थान पर खड़े करने के लिए कहने पर सुरक्षा गार्ड से बदसलूकी की। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. डॉ. अशोक कुमार झा ने बताया कि डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी का व्यवहार मरीजों के साथ अच्छा होना चाहिए। मरीज पहले से ही परेशान होते हैं। ऐसे समय में डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों को सही व्यवहार करना चाहिए। भविष्य में मरीजों के साथ गलत व्यवहार होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के खिलाफ किसान महापंचायत का ऐलान, बीकेयू ने नलगाड़ा में बनाई रणनीति

एजेंसी

**नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर जिले में किसानों की रुकी हुई मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन फिर से तेज होने जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के खिलाफ चरणबद्ध तरीके से किसान महापंचायत आयोजित करने का ऐलान किया है। संगठन ने जिले के इन तीनों विकास प्राधिकरणों के विरोध में बड़े स्तर पर महापंचायत की तैयारी की है। आंदोलन की ठोस रणनीति बनाने के उद्देश्य से रविवार को नोएडा स्थित नलगाड़ा कार्यालय पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में गौतमबुद्ध नगर जिले के अंतर्गत आने वाली सभी तहसीलों, ब्लॉकों और गांवों के किसान पदाधिकारियों ने भाग लिया। समीक्षा बैठक में किसानों की वर्तमान समस्याओं पर विचार किया गया। इसके




साथ ही महापंचायत की आगे की तैयारियों और अलग-अलग पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां तय की गईं। नोएडा के नलगाड़ा कार्यालय में संपन्न हुई इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता सवेरा मास्टर ने की। बैठक की कार्यवाही का संचालन जेवर के जिला अध्यक्ष रॉबिन नागर और संगठन के जिला मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने किया। बैठक समाप्त होने के पश्चात भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता पवन खटाना ने किसानों को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी। पवन खटाना ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिले का किसान अब सिर्फ अधिकारियों के आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होने वाला है। पवन खटाना ने कहा कि तीनों प्राधिकरण और शासन किसानों की अधिग्रहित जमीन पर लगातार विकास कार्य कर रहे हैं। इसके बावजूद जिन किसानों की जमीनें ली गई हैं, उन्हें उनका वाजिब हक नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 10 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड, जमीनों की बैकलीज, किसान परिवारों के लिए रोजगार और पारदर्शी मुआवजा किसानों का अधिकार है, यह कोई भीख नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि संगठन इस विषय पर पहले भी कई बार बातचीत कर चुका है और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपे जा चुके हैं। लेकिन जब तक मांगों पर लिखित फैसला नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि तीनों प्राधिकरणों के कार्यालयों पर महापंचायत आयोजित की जाएगी और जरूरत पड़ी तो इस आंदोलन को दिल्ली तक ले जाया जाएगा। उन्होंने जिले के सभी किसानों, युवाओं और पदाधिकारियों से एकजुट होकर महापंचायत में पहुंचने की अपील की। हालांकि, महापंचायत की तय तारीख और स्थान की घोषणा होना अभी बाकी है। बैठक के संबंध में जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने संगठन की रणनीति साझा की। सुनील प्रधान ने कहा कि समीक्षा बैठक में संगठन ने किसान महापंचायत को सफल बनाने के प्रति अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता जाहिर की है। इसके लिए संगठन की तरफ से गांव-गांव जाकर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। महापंचायत वाले दिन प्रत्येक गांव से किसान अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर सीधे महापंचायत स्थल की ओर कूच करेंगे। उन्होंने बताया कि महापंचायत आयोजित करने की सटीक तारीख और स्थान की घोषणा जल्द ही आधिकारिक रूप से कर दी जाएगी। किसानों की प्रमुख मांगें और बैठक में उपस्थित पदाधिकारी समीक्षा बैठक के दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी सुरेंद्र नागर ने किसानों की विभिन्न लंबित मांगों को प्रमुखता से रेखांकित किया। सुरेंद्र नागर ने मांग रखी कि किसानों को 10 प्रतिशत विकसित आबादी भूखंड का तत्काल आवंटन किया जाए। इसके अलावा उन्होंने बैकलीज तथा पुश्तैनी आबादी के मामलों का शीघ्र निस्तारण करने, भूमि अधिग्रहण के एवज में उचित मुआवजा देने और नए भूमि अधिग्रहण कानून का लाभ प्रदान करने की मांग की। उन्होंने प्रभावित किसान परिवारों के युवाओं को रोजगार देने और गांवों में सड़क, नाली, पीने का पानी तथा सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्यू नोएडा सहित तीनों प्राधिकरण क्षेत्रों के किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है।

## अधिसूचित जमीन पर काटी जा रही अवैध कॉलोनी



एजेंसी

**नोएडा।** यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र की जमीन पर कॉलोनाइजर अवैध कॉलोनी काट रहे हैं। जगनपुर-अफजलपुर की जिस जमीन पर कॉलोनी काटी जा रही है, वहां ग्रीन बेल्ट प्रस्तावित है। यीडा ने जिस किसान की जमीन का अधिग्रहण किया था, अब उस किसान ने जमीन वापस मांगी है। किसान का कहना है कि यदि प्राधिकरण उनसे खरीदी जमीन पर परियोजना में नहीं ला रही है तो उसे वापस किया जाना चाहिए। खेड़ा चौगानपुर गांव के निवासी संदीप भाटी ने इसको लेकर यमुना प्राधिकरण में शिकायत की है। जगनपुर अफजलपुर गांव में उसकी साढ़े 22 बीघा जमीन थी। यीडा ने साढ़े 21 बीघा जमीन का अधिग्रहण कर लिया। उसे मुआवजा मिल चुका है। बताया कि प्राधिकरण ने उसकी जमीन खरीदी थी, लेकिन वहां कॉलोनी काटी जा रही हैं। कई बार शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। कॉलोनाइजर भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर भूखंड बेच रहे हैं, जबकि यह जमीन यीडा की है। वैसे भी अधिसूचित एरिया में इस तरह की गतिविधियां नहीं हो सकती हैं। पिछले हफ्ते यीडा के सीईओ आरके सिंह से शिकायतकर्ता संदीप भाटी ने मुलाकात की थी। उन्हें पूरा मामला भी बताया था। संदीप ने सीईओ से मांग की यदि उसकी जमीन पर योजना नहीं है तो उसे वापस कर दी जाए। वह मुआवजा वापस कर देगा। संदीप ने बताया कि प्राधिकरण की जमीन पर प्लाटिंग की जा रही है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है।

## गांजा तस्करी समेत विभिन्न मामलों में 9 गिरफ्तार, 20.6 किलो गांजा और नकली मार्का के 227 पाइप बरामद

एजेंसी

**नोएडा।** गौतमबुद्धनगर पुलिस ने जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्करी, अवैध हथियार, शराब और नकली उत्पादों के मामलों में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सेक्टर-24 पुलिस और एंटी नारकोटिक्स सेल ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 20 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया। वहीं, अन्य थाना क्षेत्रों में अवैध चाकू, देशी शराब और नकली मार्का लगे पाइप बरामद किए गए हैं। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक उमेश नैथानी ने बताया कि स्थानीय खुफिया सूचना और बीट पुलिसिंग की मदद से गांजा तस्करी करने वाले अजय कुमार निवासी अलीगढ़ और राजेश साह निवासी खगड़िया, बिहार को आरटीओ कार्यालय के पीछे गंदे नाले के पास से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से एक सूटकेस में रखे बंडलों से 20 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत करीब 10




लाख रुपये बताई गई है। पुलिस को यात्रा से संबंधित टिकट की छायाप्रति भी मिली है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे दूसरे राज्यों से ट्रेन के जरिए गांजा लाकर नोएडा और एनसीआर में पुड़िया बनाकर ऊंचे दामों पर बेचते थे। थाना फेस-1 पुलिस ने सेक्टर-14 के पास राहुल निवासी पारस सिंह को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शुक्ला के अनुसार आरोपी के कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुआ है। पूछताछ में उसके चोरी की नीयत से घूमने की जानकारी सामने आई है। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की। प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र शंकर पांडे के अनुसार अनिल प्रजापति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 26 पव्वे देशी शराब बरामद की गई। वहीं, बरौला गांव के पास से ऋतिक पंडित को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से अवैध चाकू मिला। दादरी पुलिस ने भी अलग-अलग स्थानों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा के मुताबिक शमशाद अबासी, दीन मोहम्मद उर्फ गुड्डन और ब्रह्मजीत को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया। तीनों के कब्जे से अवैध चाकू बरामद हुए हैं। उधर, बादलपुर थाना क्षेत्र के बिसरख मोड़ के पास तिरुपति एन्क्लेव कॉलोनी में सैनिटरी की दुकान पर छापा मारकर पुलिस ने सुप्रीम कंपनी के नकली मार्का लगे 227 प्लास्टिक पाइप बरामद किए। थाना प्रभारी विजय कुमार गुप्ता ने बताया कि दिल्ली के न्यू अशोक नगर, वसुंधरा एन्क्लेव निवासी दीवान सिंह क्यूआईआईपी कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि हैं, जिन्हें कंपनी के असली और नकली उत्पादों की पहचान का अधिकार है।

## नोएडा सेक्टर 140ए में हुआ नई पुलिस चौकी का शुभारंभ

एजेंसी

**नोएडा।** सेक्टर-137 के समीप सेक्टर-140ए स्थित साइबरथ्म पुलिस चौकी का शुभारंभ क्षेत्र में कानून-व्यवस्था, पुलिस की सक्रिय मौजूदगी और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई पुलिस चौकी शुरू होने से सेक्टर-137 और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षा के लिहाज से बेहतर पुलिस व्यवस्था मिलने की उम्मीद है। पुलिस चौकी के उद्घाटन अवसर पर एनओएफएए के महासचिव सुरोजीत दासगुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने गौतमबुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह का स्वागत किया। इसके बाद पुलिस आयुक्त ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में नवनिर्मित पुलिस चौकी का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में एक्सोटिका फ्रेस्को एओए की अध्यक्ष कविता कुमार राजेश, पारस टिएरा के अध्यक्ष सुखपाल सिंह राणा, गुलशन



विवांते के अखिल अग्रवाल सहित विभिन्न सोसायटियों के प्रतिनिधि, गणमान्य अतिथि और सामुदायिक प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर एनओएफएए के महासचिव सुरोजीत दासगुप्ता ने कहा कि सेक्टर-137 के नजदीक एक और पुलिस चौकी की स्थापना स्वागत योग्य पहल है। इससे क्षेत्र में पुलिस की सक्रिय उपस्थिति बढ़ेगी और निगरानी व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि नई चौकी से सेक्टर-137 के साथ-साथ आसपास के सेक्टरों में रहने वाले लोगों के बीच सुरक्षा की भावना और मजबूत होगी। दासगुप्ता ने गौतमबुद्ध नगर पुलिस विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ने से क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नई पुलिस चौकी का शुभारंभ स्थानीय निवासियों और सामुदायिक प्रतिनिधियों के लिए महत्वपूर्ण कदम है।

## ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने छपरौला में 3 एकड़ जमीन कराई अतिक्रमण मुक्त, 24 करोड़ की संपत्ति से हटाया अवैध कब्जा

एजेंसी

**नोएडा।।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने सोमवार को छपरौला स्थित सहारा समतल में अवैध निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण अभियान चलाकर करीब तीन एकड़ (12 हजार वर्ग मीटर) जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई। मुक्त कराई गई जमीन की अनुमानित कीमत करीब 24 करोड़ रुपये है। सुबह 6:30 बजे से 9:30 बजे तक चली कार्रवाई में अवैध रूप से बने कई मकान, प्रॉपर्टी डीलरों की दुकानें और जमीन पर कब्जे के लिए बनाई गई बाउंड्री वॉल ध्वस्त कर दी गईं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. बलकार सिंह के निर्देश पर परियोजना विभाग की टीम जेसीबी और डंपर लेकर मौके पर पहुंची। कार्रवाई का नेतृत्व ओएसडी मुकेश कुमार सिंह ने किया। टीम में उप महाप्रबंधक परियोजना विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर, प्रबंधक नीतीश कुमार, सहायक प्रबंधक भूपेंद्र त्यागी सहित बादलपुर कोतवाली पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्तीकरण अभियान पूरा किया। इसके बाद परियोजना विभाग के वर्क सर्किल-1 की टीम वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर के नेतृत्व में शाहबेरी पहुंची, जहां एक जर्जर मकान को सील करने की प्रक्रिया पूरी की गई। पुलिस की मदद से सीलिंग की कार्रवाई पूरी की जाएगी। मौके पर चौकी प्रभारी



विपिन कुमार और पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि सहारा समतल क्षेत्र प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में आता है। यहां बिना अनुमति निर्माण करने की छूट नहीं है। अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह कार्रवाई जारी रहेगी। सीईओ डॉ. बलकार सिंह ने अधिसूचित क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। परियोजना विभाग के सभी वर्क सर्किल को अभियान चलाकर अवैध निर्माण ध्वस्त करने की हिदायत दी गई है। एसीईओ सुमित यादव ने लोगों से अपील की है कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर उसकी पूरी जानकारी लें और अवैध कॉलोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई निवेश करने से बचें।

# प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली कंपनी में भीषण आग

एजेंसी

**नोएडा।** सेक्टर-छह स्थित प्लास्टिक से सजावटी सामान बनाने वाली एक कंपनी में रविवार देर रात भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। प्लास्टिक सामग्री और अन्य ज्वलनशील वस्तुओं के कारण आग तेजी से फैल गई। सूचना पर पहुंची दमकल की 25 गाड़ियों ने करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे से इलाके में अफरातफरी मच गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-छह में स्थित निजी कंपनी में देर रात अचानक आग लग गई। शुरूआत में कंपनी के अंदर से धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। कुछ ही देर में आग ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले



लिया। आग की भयावहता को देखते हुए विभाग को तत्काल सूचना दी गई। इसके बाद दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए लगातार पानी की बौछार की गई। कंपनी में प्लास्टिक से सजावटी सामान तैयार किया जाता है। ऐसे में परिसर में प्लास्टिक से बनी सामग्री और अन्य ज्वलनशील वस्तुएं मौजूद होने के चलते आग तेजी से फैल गई। पूरी बिल्डिंग में आग फैलने के कारण दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब पांच घंटे तक अभियान चलाकर आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने के बाद भी किसी प्रकार की दोबारा आग लगने की आशंका को खत्म करने के लिए दमकल विभाग की ओर से कूलडाउन (कूलिंग) प्रक्रिया जारी रखी गई। देर रात हुई इस घटना के बाद आसपास के इलाके में अफरातफरी का माहौल बना रहा। आसपास की कंपनियों में काम करने वाले लोग बाहर निकल आए। हालांकि, रविवार का दिन होने के चलते आसपास की कंपनियों में काम करने वाले लोगों की संख्या अधिक नहीं थी। फेज-वन थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दमकलकर्मियों के लिए रास्तों को साफ कराया। आग बुझने तक पुलिस मौजूद रही। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। 25 दमकल गाड़ियों के साथ चलाया गया अभियान आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने बड़े स्तर पर संसाधन लगाए। आग बुझाने के लिए 25 गाड़ियों के अलावा वॉटर टावर, थर्मल इमेजिंग कैमरा, रिवॉल्विंग मॉनिटर और रोबोट जैसे आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया गया। दमकलकर्मियों ने अलग-अलग दिशाओं से आग बुझाने का अभियान चलाया। इस दौरान बगल की बिल्डिंग में फैली आग पर भी काबू पाया गया। आग बुझने के बाद सोमवार शाम तक तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर लगाया गया, ताकि दोबारा आग भड़कने की आशंका को खत्म किया जा सके। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका शुरूआती जानकारी में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। कंपनी में प्लास्टिक और सजावटी उत्पादों से जुड़ी सामग्री मौजूद होने के कारण आग तेजी से फैलने की आशंका जताई गई है। राहत की बात यह है कि घटना में फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग से कंपनी की इमारत और उसमें रखे सामान को कितना नुकसान पहुंचा है, इसका आकलन किया जाना बाकी है। औद्योगिक क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा पर फिर उठे सवाल सेक्टर-छह में हुई आग की इस घटना ने नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा की व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। औद्योगिक इकाइयों में बिजली के उपकरणों, वायरिंग और ज्वलनशील सामग्री की मौजूदगी को देखते हुए नियमित सुरक्षा जांच बेहद जरूरी है। इस घटना के बाद संबंधित विभागों की जांच में यह भी स्पष्ट होगा कि आग किन परिस्थितियों में लगी और कंपनी में अग्नि सुरक्षा के क्या इंतजाम थे।

## एटेरो खनिज कारोबार में 3,000 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

ई-कचरा पुनर्चक्रण कंपनी एटेरो की अपने खनिज निष्कर्षण क्षमता को बढ़ाने के लिए अगले पांच वर्षों में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। एटेरो के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी अगले चार वर्षों में अपनी कुल ई-कचरा पुनर्चक्रण क्षमता को चार गुना से अधिक बढ़ाकर 10 लाख टन करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा` कि हम खास तौर पर अगले पांच वर्षों में महत्वपूर्ण खनिज संयंत्र के विस्तार में करीब 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रहे हैं। इसका लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा लिथियम, निकेल में जाएगा। एटेरो का दावा है कि वह सोना, चांदी, तांबा, एल्युमीनियम, निकेल, लिथियम, कोबाल्ट और नियोडिमियम, डिस्प्रोसियम जैसे दुर्लभ पृथ्वी खनिजों सहित 22 से अधिक महत्वपूर्ण खनिज निकालती है। उन्होंने कहा` कि इलेक्ट्रॉनिक कचरा पुनर्चक्रण की हमारी मौजूदा क्षमता लगभग 2,25,000 टन सालाना है। हम अगले चार वर्षों में इसे बढ़ाकर 10 लाख टन करना चाहते हैं। हम अगले चार वर्षों में अपने लिथियम और बैटरी पुनर्चक्रण संयंत्र को भी लगभग पांच गुना बढ़ा रहे हैं।

## साइबर बीमा को स्मार्ट बनाए भारत-डेलॉयट इंडिया

**एआई हमलों से निपटने के लिए वास्तविक समय आधारित जोखिम आकलन जरूरी**

नई दिल्ली ।

भारत में बढ़ते डिजिटल जोखिमों के बीच डेलॉयट इंडिया ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट डिफेंडिंग द डिजिटल इंश्योरर में देश की साइबर बीमा कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव का आह्वान किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पारंपरिक तरीकों को छोड़ अब उन्हें वास्तविक समय की साइबर खतरे की खुफिया जानकारी पर आधारित जोखिम आकलन अपनाने की सख्त जरूरत है। डेलॉयट ने चेताया है कि साइबर हमलों के बढ़ते दायरे और डिजिटल तंत्र के तेजी से फैलने के कारण पारंपरिक जोखिम आकलन पुराने पड़ गए हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित हमलों की तीव्र गति का मुकाबला करने में मौजूदा तरीके अक्षम साबित हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सटीक प्रीमियम और बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीमा कंपनियों को अब साइबर खतरे की खुफिया जानकारी, व्यवहार संबंधी मानकों और विभिन्न आंकड़ों को शामिल करना होगा। एआई इस बदलाव को और तेज कर रहा है, जिससे स्वचालित धोखाधड़ी और एआई-संचालित हमलों में 1,200 फीसदी से अधिक की वृद्धि देखी गई है। डेलॉयट दक्षिण एशिया में बीमा क्षेत्र के एक अे धिकारी ने बताया कि भारत का साइबर बीमा बाजार देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था और बढ़ते साइबर जोखिम की तुलना में अभी भी छोटा है। हालांकि वर्तमान में मुख्य रूप से वित्तीय संस्थान और बड़े उद्यम इसे अपना रहे हैं, भविष्य में इसकी वृद्धि डिजिटल भुगतान, क्लाउड प्लेटफॉर्म और आपस में जुड़े तंत्र पर निर्भर छोटे-बड़े व्यवसायों से आने की प्रबल संभावना है।

## चाय उद्योग को मिलेगी नई गति, सरकार निर्यात व गुणवत्ता पर केंद्रित

**वाणिज्य मंत्री ने हितधारकों के साथ किया अहम मंथन**

नई दिल्ली ।

भारत, जो दुनिया में काली चाय का सबसे बड़ा उत्पादक और तीसरा सबसे बड़ा वैश्विक निर्यातक है, अपने चाय उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पश्चिम बंगाल के कुर्सेओंग में चाय उद्योग के हितधारकों के साथ एक अहम बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना, गुणवत्ता में सुधार करना और चाय श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करना रहा, जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत ने 988.13 मिलियन डॉलर मूल्य की 282.11 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया था।

यह क्षेत्र देश की कृषि अर्थव्यवस्था और निर्यात आय में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस उच्च स्तरीय बैठक में दार्जिलिंग चाय उद्योग के पुनरुद्धार, चाय नीलामी प्रणाली को और अधिक प्रभावी, तेज़ तथा पारदर्शी बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

वाणिज्य मंत्री ने चाय अनुसंधान को सुदृढ़ करने, गुणवत्ता में सुधार लाने और एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) के तहत निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। हितधारकों के साथ व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता बनाते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और दक्षता बढ़ाने पर भी सहमति बनी, जिसमें तकनीक-आधारित सुधारों और परिचालन दक्षता में वृद्धि पर बल दिया गया।

# शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद,निवेशकों के 6 लाख करोड़ डूबे

**सेंसेक्स 1483, निफ्टी 434 अंक गिरा**

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हाव होने से बाजार टूटा। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग शेयरों को जबरदस्त नुकसान हुआ। इसके अलावा मेटल और ऑयल व गैस शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,483.72 अंक टूटकर 82,435.99 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला, एनएसई निफ्टी 434.20 अंक की गिरावट के साथ ही 25,366.40 के स्तर के नीचे आ गया। बाजार की इस भारी गिरावट से बाजार पूंजीकरण में 6 लाख करोड़ से भी अधिक का नुकसान हुआ। बाजार के व्यापक रुझान पर नजर डालें तो गिरावट वाले शेयरों की संख्या तेजी वाले शेयरों से कहीं ज्यादा रही। एक्सचेंज पर कुल 2,687 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि केवल 1,450 शेयरों में तेजी देखी गई और 199 शेयर सपाट रहे। इसके अलावा, निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी 0.7-0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जो बताता है कि बिकवाली का दबाव सभी स्तरों पर था।




लगभग सभी प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। सबसे ज्यादा मार निफ्टी मेटल पर पड़ी। आज दिग्गज शेयरों में आई जबरदस्त बिकवाली ने निवेशकों को खासा नुकसान पहुंचाया। टाटा स्टील 8.43 फीसदी की भारी गिरावट के साथ सबसे अधिक नुकसान में रहा। इसके अतिरिक्त, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक , हिंडाल्को , एसबीआई , कोटक बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं इस बड़ी गिरावट के बीच कुछ खास शेयरों में खरीददारी हावी रही। टीसीएस 3.53 फीसदी की बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

## डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे टूटकर 92.85 पर खुला

**रुपया शुक्रवार को 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था**




मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को रुपया 93.47 पर खुला और 92.43 तक मजबूत होने के बाद पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ 92.85 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। रुपये ने शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में बढ़त जारी रखी थी और यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 70 पैसे मजबूत होकर 92.62 पर बंद हुआ था। रुपया 10 अप्रैल के बाद पहली बार 93 के स्तर से ऊपर पहुंचा था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत गिरकर 103.71 पर रहा।

## सोने की कीमत 1,38,460 प्र ति 10 ग्राम तक पहुंचने का अनुमान

**केंद्रीय बैंकों की खरीदारी देगी सहारा, ब्याज दरें बनेंगी चुनौती**

नई दिल्ली ।

वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सक्स ने 2027 के अंत तक सोने की कीमत 4,650 डॉलर प्रति औंस (लगभग 1,38,460 रुपए) तक पहुंचने का नया अनुमान जारी किया है। यह उनके पिछले 4,800 डॉलर के अनुमान से कम है, फिर भी निवेशकों के लिए सोने की चमक बरकरार रहने की उम्मीद है। 20 नवंबर को सोना 1,23,893 रुपए पर बंद हुआ था। बैंक का अनुमान है कि 2027 के अंत तक सोना 4,650 रुपए प्रति औंस तक पहुंचेगा। इसकी कीमतों को केंद्रीय बैंकों, खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं द्वारा लगातार की जा रही खरीदारी से मुख्य सहारा मिल रहा है। पश्चिमी देशों द्वारा रूस के भंडार फ्रीज होने के बाद यह रुझान बढ़ा है, जिससे अन्य देशों को भी अपनी संपत्ति रखने के तरीकों पर पुनर्विचार करना पड़ा। गोल्डमैन को उम्मीद है कि 2026-28 के दौरान केंद्रीय बैंक प्रति माह औसतन 60 टन सोना खरीदेंगे, जो पहले के 17 टन प्रे तिमाह से काफी अधिक है। हालांकि, अमेरिकी मौद्रिक नीति और ऊंची ब्याज दरें सोने के लिए जोखिम खड़ी कर सकती हैं। गोल्डमैन का मानना है कि फेडरल रिजर्व की संभावित दर वृद्धि से निजी निवेशकों की सोने में रुचि घटेगी, क्योंकि इस पर ब्याज नहीं मिलता।

# सेबी का एमआईआई प्रमुखों के कार्यकाल की सीमा तय करने का प्रस्ताव

**एमडी के लिए एक संस्थान में 8, कुल 12 साल की सीमा, मौजूदा अधिकारियों को 15 साल तक की छूट**

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने देश के प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों और डिपॉजिटरी कंपनियों जैसे मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) के शीर्ष अधिकारियों के कार्यकाल को लेकर बड़ा प्रस्ताव रखा है। इसके तहत, मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) के कार्यकाल की अधिकतम सीमा तय की जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक किसी एक एमआईआई में एमडी का अधिकतम कार्यकाल 8 साल होगा, जबकि अलग-अलग संस्थानों में एमडी के तौर पर काम करने की कुल सीमा 12 साल तय की गई है। हालांकि, पहले से इस पद पर काम कर रहे अधिकारियों को कुल 15 साल तक की छूट मिलेगी। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के लिए एक संस्थान में 8 साल और कुल 16 साल की सीमा प्रस्तावित है। वर्तमान में एमडी और ईडी एक संस्थान में अधिकतम 10 साल तक काम कर सकते हैं। इस प्रस्ताव का सीधा असर एनएसई और बीएसई जैसे प्रमुख संस्थानों के शीर्ष अधिकारियों पर पड़ सकता है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीषकुमार चौहान पहले ही विभिन्न एक्सचेंजों में करीब 14 साल इस पद पर रह चुके हैं। उनका मौजूदा कार्यकाल जुलाई 2027 में समाप्त होगा। यदि यह




प्रस्ताव लागू होता है, तो मौजूदा अधिकारियों के लिए प्रस्तावित 15 साल की कुल सीमा उनके भविष्य के कार्यकाल के लिए अहम होगी। बीएसई में भी नए सीईओ की तलाश जारी है, क्योंकि मौजूदा एमडी और सीईओ सुंदररमन राममूर्ति का कार्यकाल जून 2027 में खत्म हो रहा है। यह बदलाव सीडीएसएल और एमसीएक्स जैसे अन्य एमआईआई को भी प्रभावित करेगा।

## नवंबर में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 9 महीने के उच्च स्तर पर

मुंबई ।

भारत के घरेलू निजी क्षेत्र की कारोबारी गतिविधियों में नवंबर महीने में मामूली तेजी दर्ज की गई। एचएसबीसी के आंकड़ों के मुताबिक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने मजबूत प्रदर्शन किया और इसमें नौ महीने की सबसे तेज बढ़ोतरी देखी गई, जबकि सर्विस सेक्टर की ग्रोथ थोड़ी धीमी पड़ गई। कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अक्टूबर के 56.2 से बढ़कर नवंबर में 56.3 पर पहुंच गया, जो समग्र आर्थिक सेहत में सुधार का संकेत देता है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर मजबूत रहा, इसका पीएमआई अक्टूबर के 54.7 से बढ़कर नवंबर में 56.0 पर पहुंच गया, जो नौ महीनों का उच्चतम स्तर है। उत्पादन और नए ऑर्डर ने इस क्षेत्र को गति दी। इसके विपरीत, सर्विस सेक्टर का बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्टूबर के 55.8 से घटकर नवंबर में 55.3 पर आ गया, जिससे इसकी रफ्तार में कमी आई। नवंबर में कंपनियों को नए ऑर्डर मिलने की रफ्तार तेज हुई, खासकर मैन्युफैक्चरिंग में। निर्यात ऑर्डर भी चार महीनों में सबसे तेजी से बढ़े। रोजगार में कुल मामूली बढ़ोतरी हुई। मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों ने सात महीनों में सबसे तेजी से नियुक्तियां कीं, हालांकि, सर्विस सेक्टर में करीब एक साल बाद पहली बार कर्मचारियों की संख्या घटी।

# टाटा स्टील अपने दो कारोबार एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ में बेचेगी

**एपीएल अपोलो को नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर मिलेगा**

नई दिल्ली ।

स्टील सेक्टर से जुड़ी एक बड़ी खबर में दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने अपने दो प्रमुख कारोबारों को एपीएल अपोलो ट्यूब्स को 28,000 करोड़ रुपए के एक बड़े सौदे में बेचने की घोषणा की है। कंपनी बोर्ड ने हाल ही में इस रणनीतिक बिक्री को मंजूरी दी है, जिसके तहत ट्यूब्स कारोबार और कलर कोटेड स्टील से जुड़ी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को हस्तांतरित की जाएगी। यह सौदा टाटा स्टील के लिए अपने कारोबार को व्यवस्थित करने और निवेश का मूल्य प्राप्त करने में महत्वपूर्ण होगा, जबकि एपीएल अपोलो के लिए यह विस्तार का बड़ा अवसर है। इस सौदे के तहत, टाटा स्टील अपने ट्यूब्स कारोबार को अधिकतम 11,700 करोड़ रुपए में बेचेगी, जिसमें स्टील ट्यूब्स, पाइप बनाने, प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और बिक्री से जुड़े कार्य शामिल हैं। जमशेदपुर, होसुर, खोपोली और साहिबाबाद की मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां भी इस दायरे में आएंगी। दूसरा बड़ा सौदा 16,300 करोड़ रुपए का है, जिसमें टाटा स्टील अपनी सहायक कंपनी टाटा स्टील कलर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में टाटा ब्लूस्कोप स्टील) की पूरी हिस्सेदारी एपीएल अपोलो को बेचेगी।

इस तरह कुल सौदा 28,000 करोड़ रुपए का है। टाटा स्टील के मुताबिक, इस कदम का मुख्य उद्देश्य अपने डाउनस्ट्रीम कारोबार को व्यवस्थित करना और उसमें किए गए निवेश का मूल्य प्राप्त करना है।

वहीं, एपीएल अपोलो के लिए यह अपने कारोबार के विस्तार और नए क्षेत्रों में प्रवेश का एक बड़ा अवसर होगा, खासकर ट्यूब्स कारोबार को एपीएल अपोलो के बड़े डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का लाभ मिलेगा। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च 2028 तक पूरी होने की उम्मीद है, हालांकि इसके लिए आवश्यक नियामक मंजूरियां लेना बाकी है। इस बड़े अधिग्रहण के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी।

# दो बड़े आईपीओ के बीच बिटकॉइन में 23% की गिरावट

**क्रिप्टो बाजार से निवेशकों की दूरी**

**टेक शेयरों की ओर बढ़ रहा निवेश**

नईदिल्ली ।

दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में पिछले एक महीने के दौरान करीब 23 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। दो बड़ी कंपनियों एंथ्रोपिक और स्पेसएक्स के आईपीओ की तैयारियों के बीच क्रिप्टो बाजार में यह गिरावट चर्चा का विषय बनी हुई है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, निवेशक क्रिप्टोकरेंसी से पैसा निकालकर टेक्नोलॉजी कंपनियों के शेयरों में निवेश कर रहे हैं। समाचार रिपोर्ट के अनुसार, एंथ्रोपिक की 19 नवंबर को प्रस्तावित लिस्टिंग से पहले एक महीने में बिटकॉइन की कीमत 22.7 फीसदी तक गिर गई। इससे पहले स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले भी एक महीने में बिटकॉइन में 22.3 फीसदी की गिरावट आई थी। इथेरियम भी इस दौरान दबाव में रहा। इसी तरह इथेरियम में भी एंथ्रोपिक के आईपीओ से पहले 25.3 फीसदी और स्पेसएक्स की लिस्टिंग से पहले 28 फीसदी की गिरावट आई थी। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है, इसके पीछे केवल आईपीओ नहीं, बल्कि अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ से भारी निकासी, मुख्य कारण है। निवेशकों की अनिश्चितता, ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और बड़े पैमाने पर ट्रेडिंग पोजिशन का बंद होना भी इस गिरावट के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी बिटकॉइन ईटीएफ से नवंबर में करीब 3.5 अरब डॉलर की निकासी हुई है। आगे क्या होगा? विशेषज्ञों के मुताबिक, बिटकॉइन के लिए 60 हजार से 62 हजार डॉलर का स्तर बेहद महत्वपूर्ण है।

## दो का शेयर बना 368 ! क्यूपिड ने निवेशकों को बनाया करोड़पति

**पांच साल में 17,000 फीसदी से ज्यादा का बंपर रिटर्न**

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में किस्मत पलटने वाले शेयरों की कमी नहीं, क्यूपिड लिमिटेड उनमें से एक है। कंडोम और हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स बनाने वाली इस कंपनी के शेयर ने अपने निवेशकों को अप्रत्याशित रूप से मालामाल कर दिया है, एक समय महज 2 रुपये में मिलने वाला यह स्टॉक अब 368 रुपये के पार पहुंच गया है। क्यूपिड लिमिटेड का शेयर पिछले पांच सालों में मल्टीबैगर साबित हुआ है।

26 नवंबर 2021 को जहां इसकी कीमत मात्र 2.13 रुपये थी, वहीं अब यह 368 रुपये के स्तर को छू चुका है। इस दौरान इसने अपने निवेशकों को 17,059.62 फीसदी का अविश्वसनीय रिटर्न दिया है। यदि उस समय किसी निवेशक ने 1 लाख रुपये लगाए होते, तो आज उसकी यह रकम बढ़कर 1.71 करोड़ रुपये से भी अधिक होती। इस तूफानी उछाल से कंपनी का मार्केट कैप भी 49,160 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

यह स्टॉक केवल लंबी अवधि के लिए ही नहीं, बल्कि कम समय में भी निवेशकों को बड़ा मुनाफा दिया है।

पिछले एक साल में शेयर ने 441 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न देकर पैसा पांच गुना किया है। वहीं, छह महीने में ही इसमें 203 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों की रकम लगभग तीन गुनी हो गई।

## एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद बिसलेरी ने अपना पानी सुर क्षित बताया

**कंपनी ने कहा, मामला पुराना, बाद की जांच में ब्रोमेट सीमा के भीतर**

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुकदमा चलाने के आदेश के बाद, बिसलेरी इंटरनेशनल ने सोमवार को अपने पैक्ड पेयजल को सुरक्षित बताया है। यह प्रतिक्रिया एफएसएसएआई के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उसने एक नमूने को असुरक्षित बताकर कंपनी के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। बिसलेरी ने कहा कि उसे एफएसएसएआई से कोई औपचारिक नोटिस नहीं मिला है और वह नियामक के साथ सहयोग करेगी। बिसलेरी इंटरनेशनल ने स्पष्ट किया कि यह मामला लगभग 14 महीने पुराना है और सितंबर 2025 में उसके गोवा स्थित एक संयंत्र से तैयार बैच से जुड़ा है। एफएसएसएआई ने गोवा संयंत्र से छह नमूने लिए थे, जिनमें से एक में ब्रोमेट का स्तर निर्धारित सीमा (10




माइक्रोग्राम प्रति लीटर) से अधिक (12 माइक्रोग्राम) पाया गया था। हालांकि, कंपनी की अपील पर एफएसएसएआई द्वारा मान्यता प्राप्त एक रेफरल प्रयोगशाला ने उसी नमूने की दोबारा जांच की, जिसमें ब्रोमेट की मात्रा तय सीमा के भीतर पाई गई। नतीजों में अंतर आने के बाद, बिसलेरी ने स्वतंत्र रूप से भी जांच कराई, जिसमें भी ब्रोमेट का स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर निकला। कंपनी ने 2 फरवरी, 2026 को इन स्वतंत्र जांच रिपोर्टों को एफएसएसएआई को सौंप दिया था और तब से उसे कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली थी।

## त्योहारी सत्र में वाहनों की खुदरा बिक्री रिकॉर्ड 55.25 लाख इकाई पहुंची

**वर्ष 2024 के त्योहारी सत्र की तुलना में खुदरा बिक्री में 23.95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई**

नई दिल्ली ।

भारत में वाहनों की खुदरा बिक्री इस साल त्योहारी सत्र के दौरान सालाना आधार पर 2.21 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 55.25 लाख इकाई पर पहुंच गई। पिछले साल जीएसटी 2.0 के कारण मांग बढ़ने से ऊंचे आधार के बावजूद यह वृद्धि दर्ज की गई। वाहन डीलरों के संगठन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को यह जानकारी दी। फाडा के अनुसार 2026 में 42 दिन की त्योहारी अवधि के दौरान वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 55,25,490 इकाई रही, जो समान अवधि के लिए अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। वर्ष 2024 के त्योहारी सत्र की तुलना में वाहनों की खुदरा बिक्री में 23.95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाए जाने के बाद मांग की निरंतर रफ्तार को दर्शाती है। दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार 3.67 प्रतिशत बढ़कर 43,13,276 इकाई हो गई, जबकि तिपहिया वाहनों की बिक्री 5.32 प्रतिशत बढ़कर 1,93,576 इकाई रही। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री 7.13 प्रतिशत बढ़कर 1,55,761 इकाई, ट्रैक्टर की बिक्री 2.24 प्रतिशत बढ़कर 1,03,809 इकाई और निर्माण उपकरणों की बिक्री 26.06 प्रतिशत उछलकर 10,452 इकाई पर पहुंच गई।

हालांकि, यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 7.16 प्रतिशत घटकर 7,48,616 इकाई रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 8,06,322 इकाई थी। इस दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री 52.62 प्रतिशत उछलकर पांच लाख इकाई के पार निकल गई। इसमें इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों और इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों का मुख्य योगदान रहा।

# भारतीय अर्थव्यवस्था 'डेड' नहीं: वर्ष 2028 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था



प्रहलाद सबनानी

**भारत की आर्थिक विकास दर विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे अधिक (7 से 8 प्रतिशत के बीच) बनी हुई है परंतु इसे 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ऊपर ले जाने की आवश्यकता है, ताकि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाया जा सके। इसके लिए अभी भी कई क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रमों को द्रुत गति से लागू किए जाने की आवश्यकता है।**

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड अर्थव्यवस्था' कहा था। हालांकि, डॉनल्ड ट्रम्प ने अपने इस विचार पर यू टर्न लेते हुए अमेरिकी फेडरल रिजर्व को भारत की तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था से कुछ सीखने की सलाह दे डाली है। परंतु, भारत के विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी अभी भी भारतीय अर्थव्यवस्था को 'डेड अर्थव्यवस्था' की श्रेणी में बताते हुए इसे नाजुक दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था बता रहे हैं। हाल ही में आस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक 'लोई इंस्टीट्यूट' ने 'एशिया पावर इंडेक्स' जारी किया है। जिसमें, अमेरिका एवं चीन के बाद भारत को सबसे अधिक शक्तिशाली देश बताया गया है। अब, यदि भारत 'डेड अर्थव्यवस्था' एवं 'नाजुक दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था' की श्रेणी में आता है तो फिर भारत को तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश कैसा बताया जा सकता है। उक्त इंडेक्स किसी भारतीय संस्थान द्वारा नहीं बल्कि आस्ट्रेलिया के एक थिंक टैंक द्वारा जारी किया गया है और यह इंडेक्स वर्ष 2018 से लगातार जारी किया जा रहा है। उक्त एशिया पावर इंडेक्स में 27 देशों को स्थान दिया गया है, जिसमें अमेरिका को प्रथम स्थान पर बताया गया है एवं चीन को 73.6 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर बताया गया है और भारत को 40.5 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस इंडेक्स में भारत के बाद जापान, रूस एवं आस्ट्रेलिया को सबसे अधिक शक्तिशाली देश माना गया है। वर्ष 2024 में भारत (39.1 अंक) ने जापान (38.9 अंक) को पीछे छोड़ते हुए शक्तिशाली देशों की सूची में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। वर्ष 2025 में भारत ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए, 40 अंक प्राप्त किए थे एवं अपने आप को 'मेजर पावर देश' की सूची में शामिल कर लिया था। वर्ष 2026 में भारत को 40.5 अंक प्राप्त हुए हैं एवं भारत मेजर पावर देश की सूची में बना रहा है। जबकि अमेरिका एवं चीन 'सुपर पावर देशों' की सूची में शामिल रहे हैं। जापान, रूस एवं आस्ट्रेलिया 'मिडल पावर श्रेणी' में शामिल किए गए हैं। क्या 'डेड अर्थव्यवस्था' कभी मेजर पावर श्रेणी में शामिल हो सकती है? भारत ने इस दृष्टि जापान, रूस एवं आस्ट्रेलिया जैसे शक्तिशाली देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। एशिया पावर इंडेक्स के आंकलन में मुख्य रूप से चार मानकों पर 27 देशों की स्थिति को आंका गया है - (1) कूटनीतिक प्रभाव - इस मानक में भारत को 70.3 अंक प्राप्त हुए हैं। अर्थात, भारत का वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक प्रभाव उच्चतम स्तर का है। (2) भविष्य में संसाधनों की उपलब्धि - भारत को इस मानक में 56.2 अंक प्राप्त हुए हैं। अर्थात, भारत का भविष्य सुरक्षित है। (3) सांस्कृतिक प्रभाव - भारत को इस मानक में 43.8 अंक प्राप्त हुए हैं। अर्थात, भारत को वैश्विक स्तर पर अपने सांस्कृतिक प्रभाव को अभी और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। (4) आर्थिक सामर्थ्य - इस मानक में भारत को 26.4 अंक ही प्राप्त हो सके हैं। अर्थात, हालांकि भारत की आर्थिक विकास दर विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज बनी हुई है परंतु इस संदर्भ में भारत को अपने आर्थिक सामर्थ्य को अमेरिका एवं चीन की तुलना में और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है।




भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड अर्थव्यवस्था एवं भारतीय अर्थव्यवस्था को नाजुक दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था बताने वाले बयान की धज्जियां एक अन्य प्रतिवेदन में भी उड़ाई गई हैं। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (ASSOCHAM) ने हाल ही में एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत आज न केवल विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यस्था है बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत सबसे अधिक मजबूत अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में भी गिना जा रहा है। विश्व की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारत, आर्थिक क्षेत्र में, वृहद रूप में सबसे अधिक लचीली अर्थव्यवस्था मानी जा रही है। इस संदर्भ में, हाल ही में भारत ने चीन, अमेरिका, जापान, जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत की वृहद आर्थिक शक्ति अब पूरे विश्व के समक्ष दिखाई देने लगी है एवं इससे अब विश्व के कई देश भारत के साथ जुड़ना चाह रहे हैं तथा भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न करने हेतु लालायित हो रहे हैं।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल द्वारा सम्पन्न किए गए अपने अध्ययन प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2021-25 के दौरान भारत तीसरे स्थान पर था परंतु वर्ष 2026-30 के दौरान भारत 71 अंको के साथ प्रथम स्थान पर आ गया है। अर्थात, भारत ने इस दौरान लम्बी छलांग लगाई है। चीन को 66 अंको के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं जापान एवं रूस 60 अंको के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे हैं। जर्मनी को 59 अंक प्राप्त हुए हैं, इटली एवं ब्राजील को संयुक्त रूप से 53 अंक प्राप्त हुए हैं। इस प्रतिवेदन में कुल 10 मानकों पर विभिन्न देशों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन सम्पन्न किया गया है - (1) सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर; (2) प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर; (3) सकल राष्ट्रीय बचत दर; (4) सकल पूंजी निर्माण में वृद्धि दर; (5) निर्यात में वृद्धि दर; (6) ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत; (7) प्राइमरी शेष (बचत); (8) चालू खाता (करेंट अकाउंट) शेष (उत्पादों के आयात एवं निर्यात के बीच अंतर); (9) संरचनात्मक शेष; (10) राजकोषीय शेष (फिस्कल बैलेन्स)।

भारत की आर्थिक विकास दर चूंकि विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यस्थाओ के बीच सबसे अधिक है अतः भारत को इस मानक के अंतर्गत 10 में से 10 अंक प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के मानक पर भी भारत को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। सकल राष्ट्रीय बचत दर एवं सकल पूंजी निर्माण में वृद्धि दर के मानकों पर भारत को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। उत्पादों के निर्यात में वृद्धि दर एवं ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत के मानकों पर भारत को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। प्राइमरी शेष (बचत) के मानक पर भारत को 5वां स्थान प्राप्त हुआ है। चालू खाता शेष एवं संरचनात्मक शेष के मानकों पर भारत को 7वां स्थान प्राप्त हुआ है एवं राजकोषीय शेष के मानक पर भारत को 8वां स्थान प्राप्त हुआ है। हालांकि भारत की केंद्र सरकार के बजट घाटे में लगातार सुधार हो रहा है। कोविड महामारी के खंडकाल में बजट घाटा लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो अब घटकर 4.5 प्रतिशत से भी नीचे आ गया है।

ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत, अमेरिका में 121 प्रतिशत है, जापान में 236 प्रतिशत, फ्रान्स में 113 प्रतिशत, इटली में 135 प्रतिशत एवं भारत में 80 प्रतिशत है। सम्भवतः विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारत में यह अनुपात सबसे कम है एवं भारत सरकार द्वारा इस अनुपात में और अधिक सुधार करने के प्रयास लगातार किये जा रहे है। इसी प्रकार, भारत ने कई देशों के साथ हाल ही में मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए हैं, जिसके चलते अक्टोबर 2026 माह में भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। अप्रेल-अक्टोबर 2026 के 7 माह के दौरान भारत से, 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, 56,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात सम्भव हुआ है और सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान भारत के कुल निर्यात एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंच जाएंगे।

उक्त प्रतिवेदन में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ताजा जानकारी के आधार पर यह आंकलन भी किया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वर्ष 2028 में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। वर्ष 2030 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार बढ़कर 6 से 6.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा एवं वर्ष 2037 तक यह 16 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर को छू लेगा तथा वर्ष 2047 तक बढ़कर 34 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। प्रति व्यक्ति आय जो आज लगभग 2,900 अमेरिकी डॉलर है वह वर्ष 2047 में बढ़कर 18,000 से 20,000 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगी।

भारत ने पिछले 10 वर्षों के दौरान आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में बड़े स्तर पर सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं जिसका परिणाम अब विभिन्न मानकों में सुधार के रूप में सामने आ रहा है। परंतु, अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रम लागू किए जाने की आवश्यकता है। भारत में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक है, इसे कम करने की आवश्यकता है ताकि वैश्विक स्तर पर भारत में निर्मित उत्पाद प्रतिस्पर्धी बन सकें। इसी प्रकार कृषि के क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम लागू किए जाने की आवश्यकता है। दरअसल, भारत में अभी भी लगभग 60 प्रतिशत आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है, जो अपनी आय के लिए कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर हैं। यदि इस वर्ग की आय में वृद्धि होती है तो भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज होगी, इससे अंततः भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि और अधिक तेज होगी। भारत के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग में रोजगार के सबसे अधिक अवसर निर्मित करने की क्षमता है। अतः इस क्षेत्र में भी सुधार कार्यक्रमों को शीघ्रता से लागू किया जाना चाहिए ताकि भारत में बरोजगारी की दर को और अधिक कम किया जा सके।

कुल मिलाकर, हालांकि भारत की आर्थिक विकास दर विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे अधिक (7 से 8 प्रतिशत के बीच) बनी हुई है परंतु इसे 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ऊपर ले जाने की आवश्यकता है, ताकि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाया जा सके। इसके लिए अभी भी कई क्षेत्रों में सुधार कार्यक्रमों को द्रुत गति से लागू किए जाने की आवश्यकता है।

## संपादकीय

## बिना आस्था तीर्थयात्रा

पूरी दुनिया में भौतिकवाद से उपजी थकान और यांत्रिक जीवन से मुक्ति की चाह में युवा मन बेचैन है। वे शांति व नई ऊर्जा के लिए पवित्र रास्तों की शरण ले रहे हैं। भारत में आध्यात्मिक यात्राओं में 53 फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें वे युवा शामिल हैं, जो ये यात्राएं सिर्फ मन की शांति व सुकून के लिए कर रहे हैं। वैसे, बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो ईश्वर के अस्तित्व को लेकर निश्चित नहीं हैं। लेकिन वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ भारत में ही नहीं है, जो मूलतः गहरी धार्मिक आस्थाओं का देश है, बल्कि यूरोप व अमेरिका में भी है। वहां के युवा चर्च जा रहे हैं, मठों में जा रहे हैं और अन्य पवित्र रास्तों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे। बाबा नीम करोली की अनुपस्थिति के बावजूद उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को समझा। कालांतर में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी कैंची धाम पहुंचे। बताते हैं कि स्टीव जॉब्स ने उन्हें मुश्किल वक्त में मन की शांति के लिए भारत आने की सलाह दी थी। हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रिचर्ड गेरे अक्सर हिमाचल स्थित आध्यात्मिक नगरी धर्मशाला में दलाई लामा से मिलकर मानसिक शांति पाते हैं।

सवाल यह है कि जब न तो सभी युवाओं में आस्था प्राथमिकता है और न ही ईश्वर से जुड़ाव, फिर वे तीर्थयात्राएं क्यों कर रहे हैं? दरअसल, लगातार डिजिटल होती दुनिया में युवा खुद को बेहद थका हुआ और दिशाहीन महसूस कर रहे हैं। वे इन तीर्थस्थलों पर पहुंचकर अपने भीतर के शोर को शांत कर रहे हैं। पैसे की चमक-दमक, दिखावे का जीवन और घोर उपभोक्तावादी सोच मनुष्य को भीतर से अशांत कर रही है। मनुष्य भले ही कितना ही आधुनिक व समृद्ध हो जाए, वह अपनी मूलभूत मानवीय प्रवृत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऐसे में ये तीर्थयात्राएं युवाओं को मानसिक रूप से तरोताजा बनाती हैं। यह ट्रेंड केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। दरअसल, पूरे विश्व में व्याप्त आर्थिक विषमताएं और युवाओं को बड़े-बड़े सपने दिखाने वाला इंटरनेट व सोशल मीडिया उन्हें बेचैन कर रहा है। यथार्थ कठोर है। मनुष्य की क्षमताएं सीमित हैं। परिस्थितियां विकट हैं। ऐसे में सपनों और कठोर यथार्थ में साम्य स्थापित न हो पाना युवाओं को बेचैन कर देता है। कोरोना संकट ने युवाओं को भीतर तक हिलाया। अपनों की क्षति और आर्थिक स्थिति में गिरावट ने उन्हें उद्वेलित किया। फिर दुनिया के दो बड़े युद्धों और शक्तिशाली राष्ट्रों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने युवाओं को बेचैन किया। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सिमटे हैं। फलतः जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते। वे डिजिटल थकान व मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए समुद्र तटों की बजाय शांत तीर्थस्थलों को चुन रहे हैं, जहां उन्हें बिना किसी अपराधबोध के शांतिपूर्वक और आराम से रहने का मौका मिलता है। सही मायने में व्यक्ति के मन को शांति और सुकून प्रकृति के सान्निध्य में और अपने मूल स्वभाव में जीने से ही मिलता है।

### सूक्ति

अनुराग, यौवन, रूप या धन से उत्पन्न नहीं होता। अनुराग, अनुराग से उत्पन्न होता है। - प्रेमचंद

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं। - स्वामी विवेकानंद

# सोना और भारतीय अर्थव्यवस्था: सांस्कृतिक लगाव, सुरक्षित निवेश और गिरती कीमतों का आर्थिक सच



हिना भाटिया

सोने की कीमतों में गिरावट खरीदारों के लिए अवसर, लेकिन निवेशकों के लिए चेतावनी; एक ही धातु में अत्यधिक निवेश आर्थिक जोखिम बढ़ा सकता है...

भारत में सोना केवल एक बहुमूल्य धातु नहीं, बल्कि परंपरा, प्रतिष्ठा, सुरक्षा और पारिवारिक समृद्धि का प्रतीक है। विवाह, त्योहार और शुभ अवसरों पर सोना खरीदना भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। आर्थिक अनिश्चितता के समय इसे सुरक्षित निवेश भी माना जाता है। लेकिन जब सोने की कीमतों में तेजी के बाद गिरावट आने लगती है, तो एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है कि इसका भारतीय अर्थव्यवस्था, आम उपभोक्ता और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

**सोने की कीमतों में गिरावट के आर्थिक मायने**

सोने की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार, अमेरिकी डॉलर, ब्याज दरों, वैश्विक तनाव और निवेशकों की मांग से प्रभावित होती हैं। कीमतों में गिरावट आने पर आभूषण खरीदने वाले परिवारों को राहत मिल सकती है। विवाह के लिए सोना खरीदने वालों की लागत घटती है और आभूषण कारोबार में मांग बढ़ने की संभावना बनती है। दूसरी ओर, ऊंची कीमतों पर सोना खरीदने वाले निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ सकता है।

हालांकि सोने की कीमतों में गिरावट हमेशा आर्थिक कमजोरी का संकेत नहीं होती। कई बार वैश्विक अनिश्चितता कम होने और निवेशकों का रुझान शेयर बाजार जैसे दूसरे विकल्पों की ओर बढ़ने से भी सोना सस्ता होता है।

**सुरक्षित निवेश, लेकिन पूरी तरह जोखिममुक्त नहीं**

सोने को महंगाई और आर्थिक संकट के विरुद्ध सुरक्षा का माध्यम माना जाता है। लंबे समय में यह संपत्ति के मूल्य को सुरक्षित रखने में सहायक हो सकता है। लेकिन यह धारणा गलत है कि सोने की कीमत हमेशा बढ़ती ही रहेगी। यदि कोई परिवार अपनी अधिकांश बचत सोने में लगा देता है, तो कीमतों में अचानक गिरावट उसकी संपत्ति का बाजार मूल्य घटा सकती है। आभूषण खरीदने पर मेकिंग चार्ज और अन्य खर्च भी जुड़ते हैं। इसलिए सोना खरीदना और सोने में निवेश करना दो अलग आर्थिक निर्णय हैं।

**अत्यधिक सोना खरीदने से अर्थव्यवस्था पर दबाव**

भारत अपनी सोने की अधिकांश जरूरत आयात से पूरी करता है। अत्यधिक आयात से विदेशी मुद्रा की मांग बढ़ती है और व्यापार घाटे पर दबाव पड़ सकता है। सोने में लगाई गई बड़ी बचत यदि उद्योग, व्यवसाय और अन्य उत्पादक क्षेत्रों तक नहीं पहुंचती, तो रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों के अवसर भी सीमित हो सकते हैं।

**संतुलित निवेश ही आर्थिक समझदारी**

सोने की कीमतों में गिरावट को केवल खरीदारी का सुनहरा अवसर समझना उचित नहीं है। निवेशकों को अपनी आय, जरूरतों और जोखिम सहने की क्षमता के अनुसार निर्णय लेना चाहिए। बैंक जमा, शेयर, म्यूचुअल फंड और अन्य निवेश विकल्पों के बीच संतुलन रखना आवश्यक है।

**निष्कर्षतः** सोना भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत और आर्थिक सुरक्षा का एक माध्यम है, लेकिन संपूर्ण आर्थिक भविष्य को एक ही धातु के भरोसे छोड़ना समझदारी नहीं। वास्तविक समृद्धि सोना जमा करने में नहीं, बल्कि बचत, निवेश और उत्पादक पूंजी के संतुलित उपयोग में निहित है।

# महिलाओं की भय-हिंसा मुक्ति से ही विकसित भारत संभव



ललित गर्ग

महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम-महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुड़े अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है।

आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा। भारत में स्थिति जटिल भी है और परिवर्तनशील भी। एक ओर महिलाएं राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, शिक्षा, सेना, खेल, उद्योग और उद्यमिता में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, दूसरी ओर अनेक महिलाएं आज भी हिंसा, भेदभाव, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के घेरे में हैं। कानूनों की कमी से अधिक समस्या कई बार उनके प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को ही दोषी मानने वाली मानसिकता की होती है। महिला को यह समझाना आवश्यक है कि उसके साथ हुई हिंसा उसकी गलती नहीं है। अपराधी का अपराध अपराधी का ही है, पीड़िता को अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर करना दूसरी हिंसा है।

मीटू जैसे आंदोलनों और निर्भया कांड के बाद हुए कानूनी सुधारों ने समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव पैदा किया है। पहले जिस हिंसा को ÷घर की बात÷, ÷इज्जत का मामला÷ या ÷समझौते से सुलझाने÷ की सलाह देकर दबा दिया जाता था, उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस बढ़ा है। लेकिन आवाज उठाना पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। शिकायत करने वाली महिला को सुरक्षा, सम्मान, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहयोग और त्वरित न्याय मिले, तभी कानून पर उसका विश्वास मजबूत होगा। हमें यह भी समझना होगा कि हिंसा का वास्तविक अंत अदालत के फैसले से पहले मानसिकता के परिवर्तन से शुरू होता है। जिस घर में बेटे को अधिकार और बेटी को मर्यादा का पाठ अलग-अलग पढ़ाया जाता है, वहां समानता की नींव कमजोर रहती है। बेटे को यह सिखाना होगा कि स्त्री उसकी संपत्ति नहीं, स्वतंत्र व्यक्तित्व है, उसकी सहमति सर्वोपरि है। प्रेम अधिकार नहीं, सम्मान है और पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, संवेदनशीलता है।

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में ÷पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना÷ जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब उसकी आधी आबादी भय से मुक्त होकर अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ सके। हमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए केवल कैमरे, कानून और हेल्पलाइन नहीं, बल्कि सुरक्षित संस्कारों का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों में लैंगिक सम्मान और संवेदनशीलता की शिक्षा हो, परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले, कार्यस्थलों पर शिकायत तंत्र निष्पक्ष और प्रभावी हो तथा पुलिस और न्याय-व्यवस्था पीड़िता के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया और सोशल मीडिया को भी सनसनी के बजाय गरिमा और जिम्मेदारी का रास्ता चुनना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन पुरुष समाज में होना है। स्त्री के प्रति हिंसा की जड़ में केवल अपराधी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि वह सोच भी है जो स्त्री को कमजोर, भोग की वस्तु या पुरुष के नियंत्रण का विषय समझती है। पुरुषत्व को प्रभुत्व से करुणा, अधिकार से उत्तरदायित्व और शक्ति से संरक्षण की ओर मोड़ना होगा। पुरुष यदि महिला की स्वतंत्रता को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, उसकी मानवीय गरिमा का अधिकार समझेगा, तभी परिवर्तन स्थायी होगा।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस हमें एक बड़ा संकल्प देता है-ऐसा समाज बनाने का, जहां महिला को अपनी सुरक्षा के लिए हर समय संघर्ष न करना पड़े, जहां बेटी को जन्म लेने से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक भय के बजाय सम्मान मिले, जहां न्याय पाने के लिए उसे अपनी पीड़ा बार-बार सिद्ध न करनी पड़े और जहां बलात्कार, दहेज-हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न और स्त्री-अस्मिता के अपमान जैसे शब्द धीरे-धीरे इतिहास के शब्दकोश का हिस्सा बन जाएं। महिला हिंसा का अंत केवल महिलाओं को सुरक्षित करने का अभियान नहीं है, यह पुरुषों को अधिक मानवीय और समाज को अधिक सभ्य बनाने का अभियान है। जिस दिन किसी महिला को अपनी गरिमा बचाने के लिए आवाज उठाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि समाज स्वयं उसकी गरिमा का प्रहरी बन जाएगा, उस दिन इस दिवस की सार्थकता पूरी होगी। नारी को दया नहीं, न्याय चाहिए। संरक्षण मात्र नहीं, समान अवसर चाहिए। सहानुभूति नहीं, सम्मान चाहिए। क्योंकि जिस समाज में उसकी आधी आबादी भयमुक्त नहीं है, वह समाज वास्तव में विकसित नहीं हो सकता।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

## संक्षिप्त समाचार

### ब्रिटेन में गजब का नियम, बच्चों के लिए एआई पर रोक, शिक्षकों को चैटजीपीटी से कॉपियां जांचने की छूट; छिड़ी बहस

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन में शिक्षकों को अब परीक्षा के महत्वपूर्ण कोर्सवर्क (गृहकार्य व प्रोजेक्ट कार्य) की कॉपियां जांचने के लिए चैटजीपीटी जैसे एआई चैटबॉट्स का उपयोग करने की अनुमति मिल गई है। द मेल ऑन संडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस नए दिशानिर्देश की शिक्षाविदों ने कड़ी आलोचना करते हुए इसे बेहद शर्मनाक करार दिया है। शिक्षाविदों का कहना है कि एक तरफ छात्रों को चेतावनी दी जाती है कि यदि वे कोर्सवर्क तैयार करने के लिए एआई टूल्स का उपयोग करते हैं तो उन्हें सख्त सजा का सामना करना पड़ेगा। दूसरी तरफ, ब्रिटेन में परीक्षा बोर्डों की निगरानी करने वाली संस्था ज्वाइंट काउंसिल फॉर क्वालिफिकेशंस (जेसीक्यू) ने चुपचाप यह नियम बना दिया है कि शिक्षक कॉपियां जांचने के लिए एआई की मदद ले सकते हैं। लंदन के प्रतिष्ठित गर्ल्स स्कूल सेंट पॉल्स के इनोवेशन निदेशक डॉ. विल वैन रेक ने हाल ही में जारी इस दिशानिर्देश को बेतुका बताते हुए कहा कि यह एक ऐसी लक्ष्मण रेखा को पार करता है जिसे कभी पार नहीं किया जाना चाहिए था। डॉ. वैन रेक ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि फिलहाल इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है कि शिक्षक किन एआई टूल्स का उपयोग कर सकते हैं और न ही शिक्षकों को इनके इस्तेमाल का कोई प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि ये कोई विशेष रूप से तैयार किए गए चैटबॉट्स भी नहीं हैं, शिक्षक छात्रों का कोर्सवर्क चैटजीपीटी या माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट जैसे सामान्य बॉट्स में डालेंगे। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि मुख्यधारा का कोई एआई चैटबॉट कॉपी जांचने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

### सऊदी के अहम ठिकानों पर हूती का हमला जारी, यमन के समूह का दावा, ऑयल रिफाइनरी और रडार सिस्टम को बनाया निशाना

**सना, एजेंसी।** यमन के हूती समूह ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने सऊदी अरब के प्रतिष्ठानों पर हमला किया है। उनके मुताबिक, सऊदी अरब के लाल सागर तट पर स्थित एक तेल रिफाइनरी और राजधानी रियाद के दक्षिण में मौजूद एक रडार फैसिलिटी को निशाना बनाया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब सीमा पार शत्रुता बढ़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट किए बयान में, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने कहा कि दो अभियान चलाए गए थे। पहले ऑपरेशन में लाल सागर तट पर स्थित राबिघ तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया गया और दावा किया कि यह सीधा निशाना था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे ऑपरेशन में रियाद के दक्षिण में वादी अद-दवासिर स्थित एक रडार केंद्र को दो चरणों में निशाना बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि इस ऑपरेशन में काफी सफलता मिली। सरिया ने इस्तेमाल किए गए हथियारों या हुए नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। हाल के दिनों में, हूती लड़ाकों ने सऊदी हवाई अड्डों, तेल प्रतिष्ठानों और अन्य रणनीतिक ठिकानों पर लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। वहीं, हूती मीडिया ने यमन भर में सऊदी हवाई हमलों के तेज होने की खबर दी है।

### ब्रिटिश शाही परिवार में तनाव, राजा बनते ही हैरी की शाही उपाधियां छीन लेंगे विलियम; नई किताब में सनसनीखेज दावा

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटिश शाही परिवार में तनाव के बीच एक नई किताब ने दुनियाभर में हलचल मचा दी है। शाही परिवार के मामलों के जानकार और जाने-माने शाही लेखक टॉम साइक्स ने अपनी किताब ड्यूक्स ऑफ हैजर्ड में दावा किया है कि प्रिंस विलियम राजा बनते ही राजशाही में एक क्रांतिकारी बदलाव की योजना बना रहे हैं। नए नियम से उनके नाराज भाई प्रिंस हैरी, उनकी पत्नी मेगन मर्केल और दोनों बच्चों सात वर्षीय आर्ची और पांच वर्षीय लिलिबेट से प्रिंस और प्रिंसेस की उपाधियां छिन जाएंगी। यही नहीं प्रिंस हैरी और उनके परिवार तो एचआरएच (हिज या हर रॉयल हाइनेस) कहलाने का भी अधिकार नहीं रहेगा। योजना का असर प्रिंस विलियम के अपने बच्चों पर भी पड़ेगा। विलियम के दोनों छोटे बच्चों 11 वर्षीय प्रिंसेस शार्लट और आठ वर्षीय प्रिंस लुइस को भी बालिग होने पर यह चुनने की आजादी दी जाएगी कि वे राजशाही के अतिरिक्त सदस्यों के रूप में काम करना चाहते हैं या उपाधियां छोड़कर अपना स्वतंत्र करियर बनाना चाहते हैं। वैसे, भविष्य के राजा के रूप में प्रिंस जॉर्ज की भूमिका पहले से तय है, किताब के अनुसार, प्रिंस ऑफ वेल्स विलियम की इस सोच के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि शाही उपाधियों को जन्म से मिलने वाले किसी विशेषाधिकार के बजाय एक नौकरी वाले पद की तरह बनाया जाए।

# विधायक को कोई छिपकली तो कोई एलियन क्यों बताने लगा, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस; अब नेता ने दिया जवाब

**अल्बानी, एजेंसी।** न्यूयॉर्क में एक नेता को लेकर अजीब विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उन्हें छिपकली जैसा जीव बता दिया। इसकी वजह उनका एक वीडियो है। इसमें उनकी आंखों की हरकत देखकर लोगों ने साजिश की थ्योरी फैलानी शुरू कर दी। अब नेता ने इन आरोपों पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि वह साफ तौर पर एक इंसान हैं। उनके काम से भी उनकी इंसानियत साबित होती है।



यह मामला शुक्रवार का है। उस दिन न्यूयॉर्क के सिटी हॉल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी। इसमें राइकर्स आइलैंड जेल को बंद करने की योजना पर बात हो रही थी। इस दौरान न्यूयॉर्क के 70वें विधानसभा क्षेत्र से डेमोक्रेटिक पार्टी के विधायक जॉर्डन राइट (32 वर्षीय) भीड़ में खड़े थे। वह हार्लेम इलाके का प्रतिनिधित्व करते हैं। साजिश की थ्योरी फैलाने वाले लोगों ने इसी कार्यक्रम का वीडियो देखा। इसमें राइट पहले हल्का मुस्कुराते दिखाई दिए। इसके बाद उन्होंने पलकें झपकाईं। फिर उनकी आंखें ऊपर की ओर घूम गईं। उस समय मेयर जोहरान ममदानी पत्रकारों से बात कर रहे थे।

**वीडियो देखकर लोगों ने क्या दावा किया :** सोशल मीडिया पर एक साजिश की थ्योरी फैलाने वाले व्यक्ति ने राइट का वीडियो साझा किया। उसने कहा, छिपकलियां इसी तरह पलकें झपकाती हैं। मुझे पूरा यकीन है कि मेन इन ब्लैक वाले एलियन सचमुच हमारे बीच इंसानों के भेष में घूम रहे हैं। वे सबके सामने मौजूद हैं, लेकिन किसी को दिखाई नहीं देते। इस वीडियो के बाद राइट को लेकर तरह-तरह के दावे किए जाने लगे। कुछ लोगों ने उन्हें इंसान के भेष में छिपकली जैसा जीव बताया।

**जॉर्डन राइट ने क्या जवाब दिया :** राइट ने एक अखबार को दिए बयान में इन दावों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके विधायक के तौर पर किए गए काम से साफ है कि वह इंसान हैं। राइट ने कहा, मुझे बिल्कुल पता नहीं कि उस वीडियो में क्या हो रहा था। मैं सचमुच नहीं जानता। उन्होंने आगे कहा, जाहिर है कि मैं एक इंसान हूं। मेरी इंसानियत मेरे कानून बनाने के काम से दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, मैंने हार्लेम में वी एक्ट एनवायरनमेंटल जस्टिस सेंटर के लिए 40 लाख डॉलर दिलाए हैं। मैं किसी छिपकली या एलियन के बारे में कुछ नहीं कह सकता। दरअसल, राइट ने इस केंद्र के लिए 40 लाख डॉलर की राशि दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। यह रकम राज्य की विकास परियोजनाओं के लिए तय बजट से दी गई है। यह केंद्र पश्चिमी हार्लेम में बनाया जा रहा है। इसका निर्माण अभी जारी है।

**कौन हैं जॉर्डन राइट:** राइट मैनहट्टन डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष कीथ एलटी राइट के बेटे हैं। वह मौजूदा विधायक हैं। नवंबर में हुए चुनाव में उन्होंने दोबारा जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह 70वें विधानसभा क्षेत्र के विधायक बने रहे। इस क्षेत्र में मैनहट्टनविल, हैमिल्टन हाइट्स का कुछ हिस्सा और मध्य हार्लेम का ज्यादातर इलाका शामिल है।

जून में डेमोक्रेटिक पार्टी के भीतर हुए चुनाव में राइट ने डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट कॉनराड ब्लैकबर्न को हराया था। इसके बाद आम चुनाव में उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतरा। ऐसे में उन्होंने बिना मुकाबले जीत दर्ज की।

**राइकर्स आइलैंड जेल को लेकर क्या योजना बनी है :** शुक्रवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेयर जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क की जेलों में कैदियों की संख्या घटाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में कैदियों की संख्या 2,500 तक कम की जाएगी। उन्होंने राइकर्स आइलैंड जेल को 2032 तक बंद करने की बड़ी योजना भी पेश की। हालांकि, इस योजना के लिए नगर परिषद की मंजूरी जरूरी होगी। इसके तहत जेल बंद करने की समयसीमा पांच साल आगे बढ़ाई जाएगी। योजना के मुताबिक, 2032 तक जेलों का पूरा नेटवर्क बंद कर दिया जाएगा। तब तक छोटी जेलों का निर्माण पूरा होने की उम्मीद है।

**छिपकली बताने की साजिश की थ्योरी कहां से आई :** राजनेताओं के गुप्त रूप से छिपकली जैसे जीव होने की साजिश की थ्योरी नई नहीं है। 20वीं सदी में इसे साजिश की कहानियों पर यकीन करने वाले लोगों ने लोकप्रिय बनाया था। इस तरह की कहानियां लेखक रॉबर्ट ई. हॉवर्ड की कॉनन द बार्बेरियन कहानियों में भी मिलती हैं। इनमें छिपकली जैसे इंसानों को लोगों के दिमाग पर नियंत्रण करते दिखाया गया है। यह थ्योरी आज भी इंटरनेट पर फैल रही है।

# मिनेसोटा पर कब्जा कर लिया, 95 प्रतिशत लोग सरकारी मदद पर निर्भर, सोमाली समुदाय पर ट्रंप का आरोप; क्या कहा

**वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को सोमाली समुदाय पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समुदाय ने मिनेसोटा राज्य पर पूरी तरह कब्जा कर लिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि इस समुदाय का राज्य पर पूरी तरह नियंत्रण है। इसके करीब 95 फीसदी लोग किसी न किसी तरह की सरकारी मदद पर निर्भर हैं। ट्रंप ने लिखा, यह हैरान करने वाली बात है कि सोमाली लोग पहले कभी महान रहे मिनेसोटा राज्य पर पूरी तरह कब्जा करने में कामयाब रहे हैं। राज्य पूरी तरह उनके नियंत्रण में है। उनमें से करीब 95 फीसदी लोग किसी न किसी तरह की सरकारी मदद पर निर्भर हैं। अमेरिका को फिर से महान बनाओ! ट्रंप की ताजा टिप्पणियों का केंद्र सोमालिया से आए प्रवासी और उनके परिवार हैं। सोमालिया पूर्वी अफ्रीका का एक देश है। यहां लंबे समय से संघर्ष जारी है। इस साल मई में ट्रंप ने फ्लोरिडा के द विलेजेज में भी सोमालिया पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, सोमालिया एक खूबसूरत जगह है। वहां न सरकार है, न सेना और न ही कुछ और। वहां सिर्फ एक चीज बहुत है- अपराध। वहां बहुत अपराध होता है। उनके पास पुलिस भी नहीं है। वे बस एक-दूसरे पर गोली चलाते रहते हैं। वह जगह गंदी, बेहद गंदी और घिनौनी है। वह एक भयानक जगह है।

**इल्हान उमर को ट्रंप ने क्या कहा?** ट्रंप ने शुक्रवार को डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर पर भी तीखा हमला किया। इल्हान उमर मिनेसोटा के पांचवें संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हैं। ट्रंप ने उन्हें ढोंगी बताया। अमेरिकी सांसद की आलोचना करते हुए ट्रंप ने कहा, इल्हान उमर... सोमालिया से यहां आती हैं और हमें बताती हैं कि अमेरिका को कैसे चलाना है। वह कहती हैं कि संविधान मुझे अधिकार देता है। मुझे ये अधिकार मिलने ही चाहिए। यहां से दफा हो जाओ। कैसी ढोंगी है! कांग्रेस सदस्य पर निजी हमला जारी रखते हुए ट्रंप ने कहा, मेरा मानना है कि उन्होंने अपने भाई से शादी की थी। यह पूरी तरह गैरकानूनी है। हालांकि, वह एक प्यारा जोड़ा हैं। लेकिन यह थोड़ा गैरकानूनी है। प्रिय, मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं। शुभ रात्रि, भाई। चलो सोने चलते हैं। क्या वह घिनौनी नहीं हैं? ट्रंप और इल्हान के बीच पहले भी हो चुका है टकराव दोनों नेताओं के बीच यह पहली बार टकराव नहीं हुआ है। इससे पहले सितंबर 2025 में इल्हान उमर ने ट्रंप पर तीखा हमला किया था। उन्होंने ट्रंप को झूठा और मसखरा कहा था। दरअसल, ट्रंप ने झूठा दावा किया था कि उन्होंने इल्हान उमर को अमेरिका से निर्वासित करने के बारे में सोमालिया के राष्ट्रपति से बात की है। मिनेसोटा की सांसद इल्हान उमर ट्रंप की आव्रजन नीतियों की मुखर आलोचक रही हैं।

# लुइसियाना में रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रक से टकराई यात्री ट्रेन, दो डिब्बे पटरी से उतरे; क्या थी वजह?

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के दक्षिणी लुइसियाना में रविवार शाम एक बड़ा रेल हादसा हुआ। करीब 100 लोगों को लेकर जा रही एमट्रैक यात्री ट्रेन एक ट्रक से टकरा गई। यह ट्रक बुलडोजर ले जा रहा था। अधिकारियों ने हादसे की जानकारी दी। यह दुर्घटना स्थानीय समय के अनुसार शाम करीब छह बजे हुई। यह हादसा अमेरिकी राजमार्ग 90 पर थ्रू-वे पार्क रोड के पास हुआ। यह रास्ता लाफायेट और ब्रूसार्ड को जोड़ता है। लाफायेट पुलिस विभाग के मुताबिक, रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन एक फ्लैटबेड ट्रक से टकरा गई। ट्रक पर भारी निर्माण उपकरण लदा था। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रेन के पहले दो यात्री डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के समय ट्रेन में कुल 96 यात्री और रेलवे कर्मचारी सवार थे। लाफायेट पैरिश के अलग-अलग इलाकों से आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं। उन्होंने यात्रियों की मदद की। साथ ही, घायलों की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों के मुताबिक, चार यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उन्हें ऐसी चोटें आई थीं, जिनसे जान को खतरा नहीं था। कई अन्य लोगों की भी मौके पर जांच की गई। इनमें ट्रेन के कर्मचारी भी शामिल थे। उन्हें मामूली चोटें आई थीं। पुलिस ने हादसे वाली जगह के पास अमेरिकी राजमार्ग 90 की पूर्व दिशा वाली दाईं लेन बंद कर दी। इस दौरान आपातकालीन टीमें और रेलवे कर्मचारी मौके से मलबा हटाने में जुट गए। लाफायेट पुलिस विभाग और रेलवे सुरक्षा अधिकारी हादसे की जांच कर रहे हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि टक्कर किन परिस्थितियों में हुई। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि ट्रेन के आने के समय ट्रक रेलवे क्रॉसिंग पर क्यों मौजूद था। घटनास्थल की तस्वीरों में ट्रेन के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा हुआ दिखाई दिया। ट्रक और उस पर लदे निर्माण उपकरण भी क्षतिग्रस्त हुए। अधिकारी रेलवे कर्मचारियों के साथ मिलकर पटरी से उतरे डिब्बों को सुरक्षित करने में जुटे हैं। साथ ही, रेलवे ट्रैक को साफ किया जा रहा है।

# ट्रंप ने एनवीडिया में हुआंग की वापसी का फिर किया समर्थन, चीनी जासूसी कनेक्शन के आरोपों से बढ़ा विवाद

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एनवीडिया के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग की कंपनी में वापसी का खुलकर समर्थन किया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि एनवीडिया का निदेशक मंडल जेनसन हुआंग को फिर से नियुक्त करेगा। उन्होंने इसे कंपनी और अमेरिका के लिए सबसे अच्छी बात बताया। राष्ट्रपति का यह समर्थन एक बड़े विवाद के बीच आया है।



**जासूसी के आरोप और खुफिया खुलासे :** एक अमेरिकी समाचार पत्र ने रिपोर्ट दी थी कि एलिस हुआंग नामक एक कथित चीनी जासूस का चीन की शीर्ष जासूसी एजेंसी के एक अधिकारी से संपर्क था। यह संपर्क एक साल से अधिक समय तक बना रहा। इसी दौरान वह जेनसन हुआंग के साथ गुप्त संबंध में थी। रिपोर्ट में अमेरिकी खुफिया रिपोर्टों के कई जानकार लोगों का हवाला दिया। इन रिपोर्टों में बताया गया है कि एलिस हुआंग 2025 के वसंत से इस साल के पतझड़ तक चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय के संपर्क में थी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने यह भी सबूत जुटाए हैं कि एलिस हुआंग का कारोबारी साझेदार, कांग वेई, भी उसी चीनी जासूसी एजेंसी के साथ काम करता था। कांग वेई को अक्सर एलिस हुआंग के पति के रूप में पेश किया जाता था।

**जांच और नियामक कार्रवाई :** अमेरिकी नेशनल इंटेलिजेंस के निदेशक जे क्लेटन ने पहले पुष्टि की थी कि एलिस हुआंग और उनकी कंपनी, मेगास्पीड, की जांच जारी है। क्लेटन ने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि एलिस हुआंग और मेगास्पीड दोनों की जांच नियामक कार्रवाई के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी जनता को इस मामले में जवाब मिलेंगे जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा। क्लेटन ने उम्मीद जताई कि एनवीडिया का निदेशक मंडल इस स्थिति की समीक्षा करेगा। उन्होंने ऐसी समीक्षा को चल रहे घटनाक्रम के बीच एक जिम्मेदार कदम बताया। क्लेटन के अनुसार, यह वही है जो अमेरिकी जनता उनसे सुनना चाहती है।

**कंपनी का रुख और जेनसन का भविष्य :** एनवीडिया के निदेशक मंडल और अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी कोलेट क्रेस दोनों ने जेनसन हुआंग की कंपनी में बहाली को खारिज कर दिया है। यूएस कांग्रेस द्वारा बढ़ते दबाव के बीच, राष्ट्रपति का समर्थन जेनसन हुआंग की वापसी के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है। जेनसन हुआंग से 1 दिसंबर को तीन हाउस समितियों के सामने गवाही देने की उम्मीद है। यह गवाही इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। कंपनी के शीर्ष व्यवस्था में उनकी वापसी की संभावनाएं अब काफी कम दिख रही हैं।

# ईरान पर हमले से फिर भड़क उठेगी जंग, आईडीएफ की नेतन्याहू को चेतावनी, लेबनान और सीरिया का क्यों किया जिक्र

**यरूशलम, एजेंसी।** इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को ईरान पर हमले की स्थिति में सामने आने वाले नतीजे से रूबरू कराया है। चेतावनी दी है कि ईरान पर हमले से एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष छिड़ सकता है। द टाइम्स ऑफ इस्राइल की एक रिपोर्ट में इसका जिक्र है। टेलीविजन नेटवर्क चैनल 12 की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि, पिछले हफ्ते नेतन्याहू और वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों के बीच एक बंद कमरे में हुई बैठक में इसके नतीजे पर बात किया। कथित तौर पर इस समय ईरान के खिलाफ अपने सैन्य विकल्पों पर इजरायल गंभीरता से विचार कर रहा है। सैन्य खुफिया विभाग ने चेतावनी दी है कि इस्राइल के हमले से



लेबनान, सीरिया और गाजा सहित कई मोर्चों पर संघर्ष छिड़ सकता है। यह नेतन्याहू और इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के उस अनुमान के विपरीत है, जिसमें कहा गया था कि यह अभियान तीन से पांच दिनों तक ही सीमित रह सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि विपक्षी नेता एविग्डोर लिबरमैन ने हाल ही में इस बात का संकेत दिया था कि नेतन्याहू अमेरिका की मंजूरी के बिना ही एकतरफा हमला कर सकते हैं। लिबरमैन ने पिछले हफ्ते कहा था कि इस समय इस्राइल का कोई भी हमला अनुचित होगा और यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित होगा। आईडीएफ ने बंद कमरे की बैठकों में की गई चर्चा पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

नेतन्याहू ने ट्रंप से क्या आग्रह किया? एक अज्ञात सूत्र के हवाले से (प्रसारक कान की रिपोर्ट) कहा गया है कि नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ईरान पर ÷जल्द से जल्द÷ हमला करने का आग्रह कर रहे थे। हालांकि, राष्ट्रपति ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है और बताया जा रहा है कि वे ऐसा करने के इच्छुक नहीं हैं। इस महीने की शुरुआत में, नेतन्याहू ने एक राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की अपनी मांग दोहराई थी। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से शुरू कर रहा है और केवल एक व्यापक गठबंधन ही इस्राइल के लिए मौजूद इस खतरे को खत्म कर सकता है। पहले से रिकॉर्ड किए गए एक संबोधन में, नेतन्याहू ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी गादी आइसेनकोट से आग्रह किया कि वे बिना किसी पूर्व शर्त के गठबंधन वार्ता में शामिल हों। नेतन्याहू ने कहा, ईरानी शासन, जो इस्राइल को नष्ट करना चाहता है, एक बार फिर अपने परमाणु कार्यक्रम को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहा है।

# ईरान-अमेरिका संघर्ष, गालिबाफ ने कहा- न जंग, न शांति की स्थिति खत्म करने के लिए ठोस कदम जरूरी; ट्रंप क्या बोले?



**तेहरान, एजेंसी।** ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने देश में न युद्ध, न शांति की स्थिति खत्म करने के लिए स्पष्ट और ठोस कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए देश में एकता जरूरी है। साथ ही, सैन्य ताकत के जरिये दुश्मनों को रोकने की क्षमता बनाए रखना भी जरूरी है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। गालिबाफ ने इस्लामी सलाहकार सभा की समन्वय परिषद की बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस स्थिति को राजनीतिक चर्चा या एक-दूसरे पर आरोप लगाने से खत्म नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, न युद्ध, न शांति की स्थिति को राजनीति के जरिये खत्म नहीं किया जा सकता। एक-दूसरे पर युद्ध भड़काने या समझौता करने का आरोप लगाना इस स्थिति को खत्म करने का तरीका नहीं है। देश को स्पष्ट और ठोस फैसले और कदम उठाने की जरूरत है।

सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने मौजूदा स्थिति खत्म करने पर जोर दिया है। इसका जिक्र करते हुए गालिबाफ ने कहा कि देश को पुरानी बातों और राजनीतिक चर्चाओं में नहीं उलझना चाहिए। उन्होंने कहा, एक-दूसरे पर युद्ध भड़काने या समझौता करने का आरोप लगाने से स्थिति का समाधान नहीं होगा। गालिबाफ ने कहा, ईरान अपने विरोधियों को सैन्य कार्रवाई से रोकने की ताकत हासिल कर चुका है। उन्होंने कहा, इसका श्रेय सशस्त्र बलों की बलिदान भावना, कमांडर-इन-चीफ की समझदारी, इच्छाशक्ति और विवेक को जाता है। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद अमेरिका ने अपनी प्राथमिकता बदल दी है। अब अमेरिका ईरान की आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करने पर ध्यान दे रहा है। वह आर्थिक दबाव बना रहा है। अमेरिका ईरान को अंदर से कमजोर कर उसे गिराने की कोशिश कर रहा है। गालिबाफ ने कहा, दुश्मन की इस योजना का मुकाबला करने के लिए देश में एकता और एकजुटता जरूरी है। साथ ही, दुश्मन को रोकने की सैन्य क्षमता भी लगातार बनाए रखनी होगी। उन्होंने कहा कि ऐसा करना सुप्रीम कमांडर-इन-चीफ के आदेश को पूरा करना भी होगा। उन्होंने कहा, अगर हम अपने प्यारे ईरान और उसके लोगों को दुश्मन के खतरे से बचाना चाहते हैं।

# कनाडा में ट्रंप का हमशक्ल, मीडिया डिनर में पीएम कार्नी से लेकर ट्रूडो पर कॉमेडियन ने ली चुटकी, देखें वीडियो

**टोरंटो, एजेंसी।** ओटावा में कनाडा के वार्षिक पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर में डोनाल्ड ट्रंप जैसा दिखने वाले एक व्यक्ति ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उसने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पर हल्के-फुल्के तंज कसे, उनकी लोकप्रियता को लेकर मजाक उड़ाया और यहां तक कि उनके रूप-रंग पर भी एक मजेदार टिप्पणी कर दी।

अमेरिकी राष्ट्रपति की तरह कपड़े पहने और उन्हीं के अंदाज में बोलने वाले इस व्यक्ति ने शनिवार, 21 नवंबर को आयोजित इस औपचारिक कार्यक्रम में मंच संभाला। उसने मार्क कार्नी और उनकी राजनीतिक स्थिति पर जिस तरह से अपनी बात रखी, उसे सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े।

**ट्रंप की नकल उतारते हुए क्या कहा :** ट्रंप की नकल उतारते हुए उस व्यक्ति ने कहा, फर्जी खबर। यहां हमारे पास दो कार्नी हैं। यह तो एक आपदा है। क्या यह अविश्वसनीय नहीं है? दो कार्नी! वह इतना लोकप्रिय है, लगभग मेरे जितना ही लोकप्रिय। इसके बाद उसने टेलीविजन सीरीज हीटेड राइवलरी का जिक्र किया और फिर कनाडाई प्रधानमंत्री के हुलिए पर बात की।

**कार्नी ने भी कसा तंज :** परफॉर्मर ने ट्रंप के जाने-पहचाने मजबूत हैंडशेक की भी नकल की, और मंच पर कार्नी तथा एक अन्य नकलची के साथ हाथ मिलाया।



इस नकलची का पूरा एक्ट ट्रंप के जाने-पहचाने अंदाज पर आधारित था, जिसमें उसने ट्रंप के बोलने के तरीके, हाव-भाव और उनके खास हैंडशेक स्टाइल की नकल की। कार्नी ने भी इस परफॉरमेंस में पूरा साथ दिया, जबकि ट्रंप जैसा दिखने वाला यह व्यक्ति उनकी लोकप्रियता और उनके रूप-रंग का मजाक उड़ा रहा था। जब उस नकलची ने पूछा कि किसे उनका प्रेस सेक्रेटरी बनना चाहिए, तो कनाडा के प्रधानमंत्री ने भी एक मजेदार टिप्पणी की। कार्नी ने इस मौके का फायदा उठाते हुए कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे पर तंज कसा।

**कनाडा का पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर क्या है :** कनाडा में हर साल होने वाला पार्लियामेंट्री प्रेस गैलरी डिनर पत्रकारों और राजनेताओं को एक साथ लाता है, जहां एक शाम हंसी-मजाक और राजनीतिक व्यंग्य का माहौल होता है। इस औपचारिक कार्यक्रम में अक्सर अलग-अलग पार्टियों के नेता मजेदार भाषण देते हैं, जिसमें वे खुद का, अपने राजनीतिक विरोधियों का और साल भर की घटनाओं का मजाक उड़ाते हैं। इस साल के डिनर में ट्रंप जैसे दिखने वाले व्यक्ति के आने से एक दिलचस्प मोड़ आ गया, और अमेरिकी राष्ट्रपति की शैली में कार्नी को मजाक का मुख्य केंद्र बनाया गया। इसक् साथ ही विपक्षी कंजर्वेटिव नेता पियरे पोइलिवरे ने पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और अमेरिकी पॉप स्टार केटी पेरी के संबंधों पर निशाना साधा। उन्होंने मजाक में कहा कि ट्रूडो ने एक फीकी पड़ चुकी पॉप राजकुमारी के साथ ठीक वैसा ही बर्ताव किया है, जैसा उन्होंने सत्ता में अपने दस वर्षों के दौरान कनाडा के साथ किया था। इस टिप्पणी की ऑनलाइन आलोचना हुई। लोगों ने इसे महिला-विरोधी और पेरी का अपमान करने वाला बताया। कनाडा में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय की प्रतिनिधि और सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज, गवर्नर जनरल लुईस आर्बर ने कार्नी की बहुत ज्यादा विदेश यात्राओं पर तंज कसा। उन्होंने कहा, क्या आप जानते हैं कि भगवान और मार्क कार्नी में क्या अंतर है? भगवान हर जगह मौजूद हैं, जबकि मार्क कार्नी ओटावा को छोड़कर हर जगह मौजूद रहते हैं, जबकि उन्हें ओटावा में ही होना चाहिए।




# लंबे लोगों में 'एट्रियल फिब्रिलेशन' का खतरा

एट्रियल फिब्रिलेशन जो कि हृदय की अतालता (Cardiac arrhythmias) का एक प्रकार है। एट्रियल फिब्रिलेशन एक हृदय स्थिति है, जहां व्यक्ति की दिल की धड़कन अनियमित हो जाती है। वैश्विक स्तर पर इस हृदय रोग से लगभग 33 मिलियन लोग प्रभावित हैं। यह स्थिति किसी भी दिल से जुड़ी बीमारी जैसे हाई बीपी या मोटापे, मधुमेह जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उत्पन्न हो सकती है। एट्रियल फिब्रिलेशन से स्ट्रोक और यहां तक कि दिल की विफलता (Heart Failure) हो सकती है।

एक अध्ययन से पता चलता है कि लंबे लोगों को एट्रियल फिब्रिलेशन का खतरा हो सकत है। शोधकर्ताओं के अनुसार, हर अतिरिक्त इंच के साथ, एट्रियल के कंपन का खतरा तीन प्रतिशत बढ़ जाता है। यह इंगित करता है कि ऊंचाई एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए एक जोखिम कारक हो सकती है।

शोधकर्ता माइकल लेविन, एमडी, कार्डियोवस्कुलर मेडिसिन, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय ने कहा कि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए जोखिम-पूर्वानुमान उपकरणों में ऊंचाई को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है,



उन्होंने कहा, वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार एट्रियल फिब्रिलेशन के लिए व्यापक स्क्रीनिंग के खिलाफ सलाह है, हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि मरीजों का एक निश्चित समूह, विशेष रूप से, बहुत लंबे रोगियों को स्क्रीनिंग से लाभ हो सकता है।

पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की टीम ने एंथ्रोपोमेट्रिक ट्रायल्स (GIANT) और एट्रियल फिब्रिलेशन जेनेटिक्स (AFGen) संगठनों की आनुवांशिक जांच से लगभग 700,000 लोगों का डेटा लिया, जो एट्रियल फिब्रिलेशन और ऊंचाई के बीच संबंध का अध्ययन करते हैं। शोधकर्ताओं ने उनके बीच एक कड़ी स्थापित करने के लिए एक सांख्यिकीय पद्धति का उपयोग किया, जहां उन्होंने पाया कि किसी व्यक्ति की ऊंचाई एट्रियल फिब्रिलेशन से निकटता से जुड़ी हुई है। वरिष्ठ शोधकर्ता स्कॉट डैमराउर ने बताया ये विश्लेषण दिखाते हैं कि कैसे हम मानव आनुवंशिकी का उपयोग कर सकते हैं, ताकि हमें आम बीमारी के लिए कारण जोखिम वाले कारकों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सके। वे यह भी बताते हैं कि हम संस्थागत बायोबैंक से व्यक्तिगत स्तर के डेटा के साथ बड़े स्तर के अध्ययन से सारांश-स्तर के आंकड़ों को कैसे जोड़ सकते हैं, ताकि मानव रोग की हमारी समझ को आगे बढ़ाया जा सके।



# सेहत के दुश्मन 12 बैक्टीरिया और फंगस की हुई पहचान

केजीएमयू ने मरीजों की जान ले रहे खतरनाक बैक्टीरिया और फंगस को पहचानने में कामयाबी हासिल की है। माइक्रो बायोलाजी विभाग ने मरीजों की सेहत बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार 12 बैक्टीरिया और वायरस की पहचान माल्डी-टॉफ एमएस मशीन के जरिए की है।

## इस तरह के घाव से सबसे ज्यादा फैलता है ये फंगस

इस जानकारी का लाभ न सिर्फ केजीएमयू, बल्कि देश के अन्य अस्पतालों को भी मिलेगा। केजीएमयू के डॉक्टर वेब कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विदेश के बड़े विशेषज्ञों से जुड़े हुए हैं। समय-समय पर सूचनाओं का भी लेन-देन होता है। इससे पहले तक कुछ ही खतरनाक बैक्टीरिया व वॉयरस की पहचान केजीएमयू में हो पाती थी।

### मरीजों की जान बचाना होगा आसान

केजीएमयू मेडिसिन विभाग के डॉ. डी हिमांशु के मुताबिक स्ट्रेप्टो कॉकस-ए गैल्कटी व स्ट्रेप्टोकॉकस पायोजीन अस्पताल के बाहर से आता है। बाकी बैक्टीरिया एवं फंगस भर्ती मरीजों को होने की संभावना होती है। उन्होंने बताया कि समय पर बैक्टीरिया एवं फंगस की पहचान से मरीज की जान बचाना आसान हो जाता है, क्योंकि बिना बैक्टीरिया और फंगस की पहचान सही एंटीबायोटिक दवा के चयन में अड़चन आती है।

कई तरह के एंटीबायोटिक दवा का इस्तेमाल मरीज की सेहत के लिए घातक है। एक समय के बाद एंटीबायोटिक मरीज पर काम नहीं करती है। एंटीबायोटिक दवाएं सीमित हैं। लिहाजा इन्हें बचाकर रखने में कामयाबी मिलेगी।

### इन मरीजों में खतरा अधिक

आईसीयू एवं वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों में रोगों से लड़ने की ताकत पहले से कम होती है। ऐसे में बैक्टीरिया एवं फंगस आसानी से उन्हें अपनी चपेट में ले लेते हैं।



### 146 मरीजों की जांच

माल्डी-टॉफ एमएस मशीन से कई तरह के घातक बैक्टीरिया और फंगस की पहचान आसान हो गई है। अब तक केजीएमयू में भर्ती 146 मरीजों की जांच इस मशीन से की गई।

### 30 से अधिक अस्पतालों में मशीन उपलब्ध

दिल्ली एम्स, पीजीआई लखनऊ समेत देश के 30 से अधिक बड़े अस्पतालों में माल्डी-टॉफ एमएस मशीन उपलब्ध है, लेकिन इन बैक्टीरिया और फंगस को पहली बार वृहद स्तर पर पहचाने का काम केजीएमयू ने किया है।

### केजीएमयू में इन बैक्टीरिया और फंगस की हुई पहचान

**एलीजाबेथकिंगी एनाफीलिज :** इस बैक्टीरिया से नवजात निमोनिया की जद में आ रहे हैं। यह बैक्टीरिया दिमागी बुखार का कारण भी है।

**स्ट्रेप्टो कॉकस-ए गैल्कटी :** यह बैक्टीरिया मां से जन्म लेने वाले शिशु को होता है। इसकी चपेट में शिशु को दिमागी बुखार हो जाता है।

**स्ट्रेप्टोकॉकस पायोजीन :** यह एक प्रकार का खतरनाक फंगस है, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। समय पर पहचान न होने से मरीज के हाथ-पैर में सड़न पैदा हो जाती है। मरीज का पूरा शरीर संक्रमण की जद में आ जाता है। मरीज की जान तक जा सकती है।

**कैडिडा यूटिलिस :** खुले घाव से यह फंगस फैलता है, जो खून में जाकर संक्रमण पैदा करता है। समय पर सटीक एंटीफंगल दवा न मिलने से जान जोखिम में पड़ सकती है।

**सियूडोमोनास स्टूडजेरी :** आईसीयू पर भर्ती मरीजों को यह बैक्टीरिया संक्रमण फैलाता है। यह बैक्टीरिया घाव के माध्यम से शरीर में दाखिल होता है।



# आंखों के पास जमा कोलेस्ट्रॉल हटाने अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आंखों के आसपास जमा पीले पपड़ी जैसे निशान दरअसल कोलेस्ट्रॉल होते हैं, जो आपके चेहरे की खूबसूरती खराब करते हैं। इनका निशान हटाने के लिए आप आर्टिकल में बताए गए चार घरेलू उपाय अपना सकते हैं, जिससे कुछ दिनों में ही ये निशान गायब हो जाएंगे।

क्या आपकी आंखों के ऊपर की त्वचा पपड़ीदार नजर आने लगी है? पलकों के आसपास दाग जैसी दिखने वाली ये त्वचा दरअसल कोलेस्ट्रॉल है, जो इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ गया है और आपको इसे कंट्रोल करने की जरूरत है। बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल आपको हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं दे सकता है। ये संकेत दिखने पर आपको कम से कम एक बार डॉक्टर से सलाह लेकर अपने कोलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए। आंखों के ऊपर जमा इस पपड़ी वाली त्वचा हटाने कोलेस्ट्रॉल घटाना जरूरी है, साथ ही आप कुछ घरेलू उपाय अपना सकते हैं, जिनसे धब्बे जैसे दिखने वाला ये निशान जल्दी गायब हो जाएगा। जानें इनके बारे में।

### लहसुन का करें प्रयोग

आंखों के पास जमा पपड़ी को हटाने लहसुन एक प्रभावी उपाय है। बस एक लहसुन की कली लीजिए और इसे छीलकर बीच से काट लीजिए। इसे आंखों के आसपास जहां त्वचा पर दाग या दाने दिख रहे हैं, वहां थोड़ी देर रगड़िए। आपको त्वचा पर थोड़ी जलन महसूस होगी, मगर उससे कोई समस्या नहीं है। दिन में 2-3 बार ऐसा करें, धीरे-धीरे ये दाग गायब हो जाएंगे।

### केले का छिलका

केले के छिलके का प्रयोग करके भी आप आंखों पर जमा कोलेस्ट्रॉल से छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और रात में सोने से पहले गीले वाले हिस्से को धब्बों वाली जगह पर लगाएं और टेप या बैंडेड की मदद से चिपका लें। रातभर ऐसे ही सोएं और सुबह टेप निकाल दें। 2-3 दिन ऐसा करने से दाग कम होने लगेंगे।

### प्याज का रस

प्याज का रस लगाने से भी आंखों के पास जमा कोलेस्ट्रॉल हटाया जा सकता है। इसके लिए एक छोटे प्याज काटें और इसे पीस लें। अब सूती कपड़े या छन्नी की मदद से प्याज का रस निचोड़ लें। रस में थोड़ा नमक मिलाएं और रात भर इसे छोड़ दें। सुबह उठने के बाद रस को आंखों के आसपास जमा दाग-धब्बों पर लगाएं। जल्द ही आपकी त्वचा स्मूथ होने लगेगी।

### कैस्टर ऑयल (अरंडी का तेल)

अगर आपकी आंखों पर कोलेस्ट्रॉल जमा होने के निशान या दाने आना अभी हाल में ही शुरू हुए हैं, तो अरंडी के तेल (कैस्टर ऑयल) का प्रयोग करके भी आप इससे छुटकारा पा सकते हैं। इसके प्रयोग के लिए थोड़े से अरंडी के तेल में रूई का फाहा (कॉटन बड) भिगोएं और पपड़ी वाली जगह पर लगाएं। दिन में 3-4 बार जब भी समय मिले इसे रूई की मदद से लगा लें। कुछ दिन में आपके दाग पूरी तरह साफ हो जाएंगे।

### एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर (सेब का सिरका) भी कोलेस्ट्रॉल डिपॉजिट को ठीक करने के लिए प्रयोग किया जा सकता है। इसके लिए रूई के एक फाहे को सेब के सिरके में भिगोएं और इसके फाहे को कोलेस्ट्रॉल जमा वाली जगह पर रखकर टेप से चिपका लें। 2 घंटे तक लगा रहने दें और फिर सादे पानी से मुंह धो लें। जल्द ही आपको इनसे छुटकारा मिल जाएगा।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

**वृष** — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

**मिथुन** — का की कू घ ड छ के को हा
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

**कर्क** — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। शुभांक-4-6-9

**सिंह** — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

**कन्या** — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

**तुला** — रा री रु रे रो ता ती तू ते
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

**वृश्चिक** — तो ना नी नू ने नो य यी यू
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

**धनु** — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

**मकर** — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

**कुंभ** — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

**मीन** — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 2657

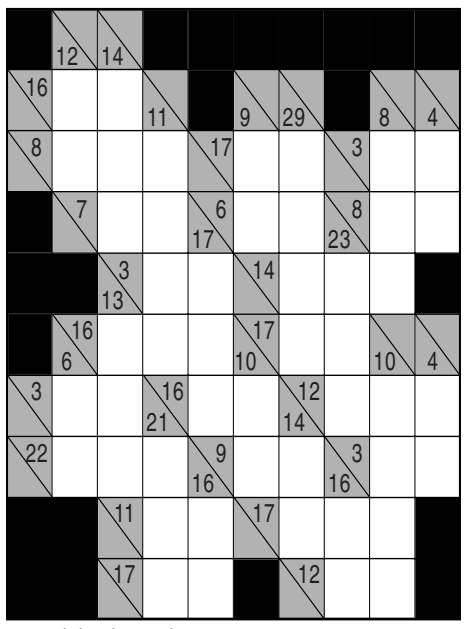

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

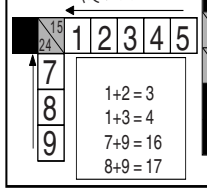


### काकुरो - 2656 का हल

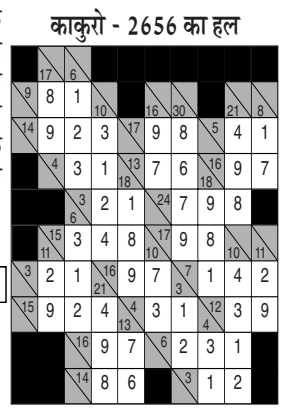

## हंसी के फूव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.

चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

□ □ □

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.

मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?

बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

□ □ □

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.

प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?

अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

□ □ □

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'

'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.

'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'

'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

## फिल्म वर्ग पहेली- 2657

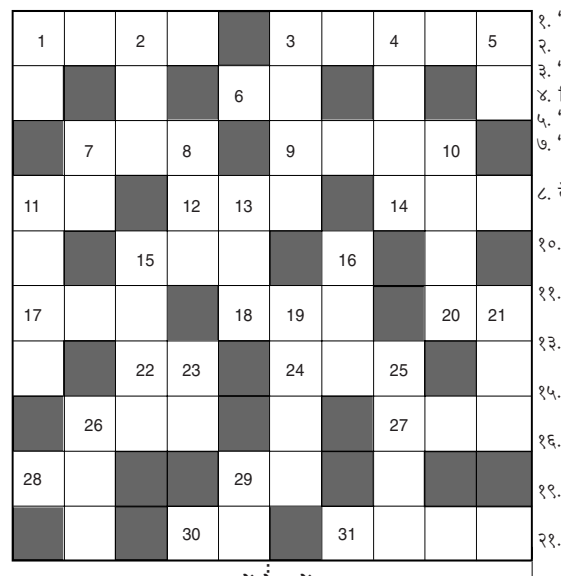

**बायें से दायें:-**

१. 'तू मिले दिल खिले और' गीत वाली नागार्जुन, रमैया, मनीषा की फिल्म-४
३. राजकपूर, माला की 'आँसू भरी हैं ये जीवन की राहें' गीत वाली फिल्म-५
६. 'केसरिया बालम' गीत वाली श्रेयस तलपदे, आयशा टाकिया की फिल्म-२
७. शाहरूख, माधुरी की 'अठरा बरस की कँवारी कली थी' गीत वाली फिल्म-३
९. 'वो चाँद जैसी' गीत वाली शाहरूख खान, माधुरी, ऐश्वर्या की फिल्म-४
११. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
१२. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
१४. संजय दत्त, फरहा की 'मेरा प्यार तेरे जीवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१५. विनोद मेहरा, बिंदिया की फिल्म-३
१७. हिमालय, भाग्यश्री की 'तेरा ही प्यार मेरे इस दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'कभी कभी' में ऋषि की नायिका कौन थी-३
२०. अनिल, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की 'इश्क बिना क्या' गीतवाली फिल्म-२
२२. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-२
२४. अमिताभ, रेखा की 'कोई गाता मैं सो जात' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'बागां मां जब मोर बोले' गीत वाली अक्षयकुमार, करीना की फिल्म-३
२७. विनोद खन्ना, हेमा की अरूणा राजे द्वारा निर्मित एवं निर्देशित फिल्म-३
२८. 'क्यूं मेरा दिल तुझको' गीत वाली करण नाथ, मनीषा की फिल्म-२
२९. नसीर, ओमपुरी, स्मिता की 'शमशीर बजे ना' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'बंधन' में सलमान का नाम ?-२
३१. फिल्म 'काफी हाउस' में शम्मी कपूर की नायिका ?-२,२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'दिल ना दिया' गीत वाली फिल्म-२
२. विनोद खन्ना, बिंदू की फिल्म-३
३. 'दो दिल मिल रहे' गीत वाली फिल्म-४
४. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-४
५. 'आप से प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
८. देव आनंद, आशा पारेख की 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'बड़ी दूर से आये हैं प्यार' गीत वाली अनिल घवन, योगिता की फिल्म-४
११. देव आनंद, मधुबाला की 'उन के खयाल आए तो' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'जब लिया हाथ में हाथ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, गीताबाली की फिल्म-३
१५. जयराज, निरूपा की 'ना किसी की आँख का नूर हूँ' गीत वाली फिल्म-२,२
१६. फिल्म 'शिवा' में नागार्जुन के साथ नायिका कौन थी-३
१९. 'लेके पहला पहला प्यार गीत वाली फिल्म-१,२,१
२१. मिथुन, आदित्य, डिम्पल, मंदाकिनी की फिल्म-३
२३. अनिल घवन, रश्मि वर्मा, सोनिका गिल की एक सस्पेंस फिल्म-२
२५. 'पियू बोले जिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. बिस्वजीत, माला की 'अजी हो ताश के बावन पत्ते' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'चालबाज' में श्रीदेवी के एक किरदार का नाम अंजू था दूसरे किरदार का नाम ?-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 2656



## सूडोकु -2657

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 6 | | 1 | | 8 | | 2 |
| | 5 | | 8 | | 7 | | | |
| 9 | | | | 6 | | | | |
| | 6 | | 7 | 9 | | 5 | | 3 |
| 5 | | | | 4 | | | | 1 |
| 3 | | 1 | | 8 | 2 | | 7 | |
| | | | | 5 | | | | 6 |
| | | | 4 | | 3 | | 9 | |
| 4 | | 3 | | 2 | | 1 | 5 | 7 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -2656 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 7 | 9 | 4 | 2 | 5 | 6 | 1 | 3 |
| 5 | 6 | 3 | 8 | 1 | 7 | 4 | 2 | 9 |
| 4 | 1 | 2 | 6 | 9 | 3 | 5 | 8 | 7 |
| 1 | 9 | 8 | 3 | 7 | 4 | 2 | 6 | 5 |
| 7 | 3 | 4 | 2 | 5 | 6 | 8 | 9 | 1 |
| 2 | 5 | 6 | 1 | 8 | 9 | 7 | 3 | 4 |
| 9 | 8 | 5 | 7 | 3 | 2 | 1 | 4 | 6 |
| 6 | 2 | 7 | 9 | 4 | 1 | 3 | 5 | 8 |
| 3 | 4 | 1 | 5 | 6 | 8 | 9 | 7 | 2 |

## शब्द पहेली -2657

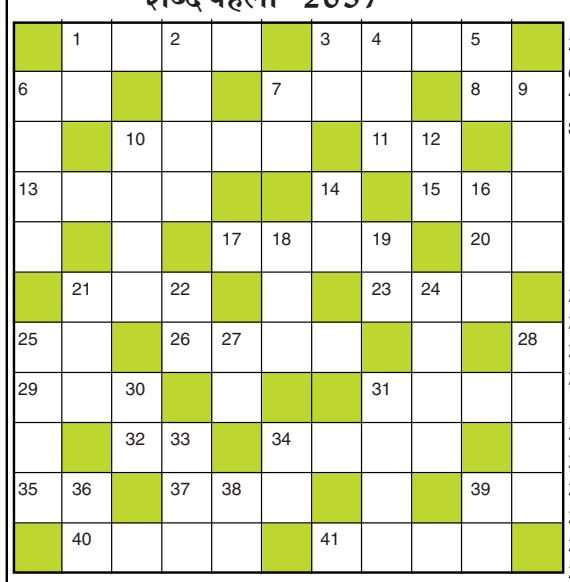

**बाएँ से दाएँ**

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

**ऊपर से नीचे**

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

### शब्द पहेली -2556 का हल



## बिहार : उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम में बगावत, 3 विधायकों ने मांगा अलग गुट

पटना, एजेंसी। बिहार में उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी के चार में से तीन विधायकों ने नेतृत्व के खिलाफ बगावत पर उतर आए है। सूत्रों के अनुसार, इन बागी विधायकों ने बिहार विधानसभा अध्यक्ष से संपर्क कर खुद को एक अलग गुट के रूप में मान्यता देने की मांग की है, जिससे पार्टी में आंतरिक संकट गहरा गया है।इस असंतोष की जड़ें तब से गहरी हुई हैं जब उपेंद्र कुशवाहा ने अपने बेटे दीपक प्रकाश को बिहार मंत्रिमंडल में शामिल कराया था। तब दीपक प्रकाश विधानमंडल के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे, जिस पर इन विधायकों ने सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर की थी। बागी विधायकों का आरोप है कि पार्टी का कामकाज अब काफी हद तक पारिवारिक हितों से प्रेरित है। उनका कहना है कि महत्वपूर्ण निर्णयों में उनसे कोई सलाह नहीं ली जाती और चुने हुए प्रतिनिधियों के बजाय परिवार के सदस्यों, खासकर दीपक प्रकाश को प्राथमिकता मिलती है। इन विधायकों ने पहले भी पार्टी के संगठनात्मक और राजनीतिक फैसलों पर असहमति व्यक्त की थी, जिसके कारण उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरियां बढ़ गईं। तीन विधायकों के अलग होने के बाद, अब उपेंद्र कुशवाहा के गुट में केवल उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा ही बची हैं।

## देश में बढ़ी ठंड, कश्मीर और पहाड़ों में जमाव बिंदु से नीचे पहुंचा पारा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि मध्य प्रदेश का भोपाल 12.4 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा शहर रहा। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में देश के कई हिस्सों में पारा 2 से 4 डिग्री तक और गिरने का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश के 15 शहरों में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जहां लखीमपुर में विजिबिलिटी 25 मीटर से कम रही। छत्तीसगढ़ में भी कोहरे के बीच अगले तीन दिनों तक ठंड बढ़ने के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों में ठंड और भी ज्यादा है। कश्मीर के छह शहरों में पारा शून्य से नीचे रहा, शोपियां में -3.9 डिग्री और श्रीनगर में -0.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश के चंबा में मणिमहेश झील 4 से 5 इंच मोटी बर्फ की परत के साथ जम गई है। उत्तराखंड के चारों धामों, बद्रीनाथ और गंगोत्री में तापमान क्रमश : -11 और -14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 25 और 26 नवंबर को उत्तराखंड, असम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में घने कोहरे का जबकि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरलम में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

## विश्व हिंदू परिषद का राष्ट्रव्यापी हित चिंतक अभियान शुरू, 5 करोड़ सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने पूरे भारत में अपने महत्वाकांक्षी हित चिंतक अभियान का शुभारंभ किया है। 6 दिसंबर तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत वीएचपी का लक्ष्य देश भर में 5 करोड़ से अधिक नए हित चिंतक (सदस्य) बनाना है। यह अभियान विभिन्न समुदायों तक पहुँच बनाकर संगठन की विचारधारा और कार्यों का प्रचार-प्रसार करेगा। अभियान के तहत, वीएचपी ने सिर्फ महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से 11 लाख हित चिंतक बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें नागपुर जिले और शहर से 1 लाख सदस्य शामिल हैं। विदर्भ प्रांत के 12,500 गांवों तक पहुंचने की योजना है, जहाँ हर जिले और बस्ती में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को सदस्यता दे रहे हैं। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री प्रशांत तितरे ने बताया कि प्रतिदिन सुबह और शाम 4-4 घंटे कार्यकर्ता इस कार्य में लगे हैं।
इस अभियान से 15 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति महिला, पुरुष या युवा जुड़ सकता है, बशर्ते वह विश्व हिंदू परिषद और सनातन धर्म को मानता हो। वीएचपी के विदर्भ महामंत्री तितरे ने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल, पंथ या विचारधारा से संबंध रखने वाला व्यक्ति, यदि वह सनातनी है, तब इस अभियान का हिस्सा बन सकता है। वीएचपी दुर्गम क्षेत्रों जैसे घाटी, मणिपुर और पूर्वी भारत के दूर-दराज के इलाकों तक भी पहुँचने के लिए विशेष रणनीति बना रहा है।

# रेवंत रेड्डी का आरोप: केसीआर ने कृष्णा जल बंटवारे पर किए तेलंगाना के मृत्यु वारंट पर दस्तखत

**हैदराबाद , एजेंसी।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में राव ने कृष्णा नदी के जल में से राज्य के लिए केवल 299 टीएमसी पानी के हिस्से पर सहमति जताकर तेलंगाना के जल अधिकारों के ''मृत्यु वारंट'' पर दस्तखत किए।
सीएम रेंवत का यह बयान बीआरएस के उन आरोपों के पलटवार के रूप में आया है, जिसमें बीआरएस ने दावा किया था कि कांग्रेस की रेंवत सरकार ने कृष्णा नदी के पानी में तेलंगाना के अधिकारों को पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के पास गिरवी रख दिया है। सीएम रेड्डी ने बीआरएस पर झूठ फैलाकर सरकार को बदनाम करने का सुनियोजित प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि केसीआर ने तेलंगाना को कृष्णा नदी के जल में से केवल 299 टीएमसी पानी देने और आंध्र प्रदेश को 512 टीएमसी पानी देने पर सहमति जाहिर की थी। मुख्यमंत्री रेंवत ने तुम्मिडीहेट्टी परियोजना से पीछे हटने के फैसले को केसीआर के उन विनाशकारी कदमों में से बताया, जिन्होंने तेलंगाना के लिए संकट खड़ा किया। सीएम रेड्डी ने कहा, इन दो फैसलों के साथ केसीआर ने तेलंगाना के जल अधिकारों के मृत्यु वारंट पर दस्तखत कर दिया। उन्होंने आगे जोड़ा कि पिछले



चुनाव (2023) में उन्हें मिली सजा पर्याप्त नहीं है, और उन्हें तभी पूरी सजा मिलेगी, जब उन्हें राजनीतिक रूप से हमेशा के लिए दफना दिया जाएगा।
बीआरएस के आरोप पर कि कांग्रेस की सरकार आंध्र प्रदेश की पलनाडु वाटर ग्रिड योजना को रोकने में नाकाम रही, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस योजना के लिए सरकारी आदेश (जीओ) 2022 में जारी किया गया था। उस समय के चंद्रशेखर राव और वाई एस जगन मोहन रेड्डी क्रमशः तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसका फैसला कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नहीं हुआ। उन्होंने बीआरएस को तेलंगाना के हितों की अनदेखी करने का जिम्मेदार ठहराया।

## काशी में देव दीपावली की भव्य छटा, 84 घाटों पर जले 11 लाख दीये

- करीब 15 लाख पर्यटकों ने देखा गंगा आरती, लेजर-ड्रोन शो और आतिशबाजी का नजारा

वाराणसी, एजेंसी। काशी में देव दीपावली के अवसर पर सोमवार शाम गंगा के 84 घाट करीब 11 लाख दीयों की रोशनी से जगमगा उठे। भव्य सजावट के साथ दीपों की जगमग ने श्रद्धालुओं समेत देश-विदेश के पर्यटकों का मन मोह लिया। देव दीपावली उत्सव को देखने करीब 40 देशों के मेहमान काशी पहुंचे। देव दीपावली के अवसर पर नमो घाट पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इसके साथ ही काशी के विभिन्न घाटों पर दीप प्रज्ज्वलित किए गए। घाटों की भव्य सजावट और दीपों की रोशनी देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंचे। देव दीपावली का उत्सव देखने के लिए करीब 40 देशों से मेहमान काशी पहुंचे थे। स्थानीय प्रशासन के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि करीब 15 लाख पर्यटकों के शहर में पहुंचने का अनुमान है। घाटों पर गंगा आरती के साथ लेजर शो, ड्रोन शो और आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहे। गंगा के दोनों किनारों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक मौजूद रहे। काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर नमो घाट और हरिश्चंद्र घाट तक विशेष सजावट की गई। मंदिरों और घाटों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। मणिकर्णिका और अन्य प्रमुख घाटों की सजावट भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। विदेशी पर्यटकों ने भी काशी की देव दीपावली और घाटों पर दीपों की भव्य सजावट की सराहना की। गंगा के उस पार आतिशबाजी का विशेष आयोजन किया गया। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी बिखरती रही और गंगा किनारे मौजूद लोगों ने आतिशबाजी का आनंद लिया। नदी के दोनों किनारों से दीपों से जगमगाते घाटों का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। लाखों दीयों की रोशनी, गंगा आरती और रंगीन आतिशबाजी के बीच काशी का पूरा घाट क्षेत्र उत्सव के रंग में डूबा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक देर रात तक घाटों पर मौजूद रहे और देव दीपावली के इस भव्य आयोजन को देखा।



## भाजपा-शिअद गठबंधन पर केजरीवाल का तंज, हमारा तालमेल जनता से

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सत्ता की लालच में भाजपा किसी भी दल से हाथ मिला सकती है, जबकि आप का सच्चा गठबंधन पंजाब की महिलाओं, अनुसूचित जाति समुदाय, किसानों और व्यापारियों के साथ है। आप नेता केजरीवाल ने गठबंधन को दोनों दलों के राजनीतिक हितों का परिणाम बताया, जो बार-बार साथ आते और फिर अलग होते रहे हैं। उन्होंने कहा, कभी ये साथ आते हैं, कभी अलग हो जाते हैं और फिर साथ आ जाते हैं। हमारा गठबंधन पंजाब की जनता के साथ है। आप नेता ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के विकास के लिए काम कर रही है और जनता ने पिछले पांच वर्षों में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार के कामकाज को देखा है। केजरीवाल ने दावा किया कि आप सरकार पंजाब को दशकों से प्रभावित कर रही समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की जनता तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन को नहीं भूली है, जिसमें 700 से अधिक किसानों की जान गई थी। उन्होंने शिअद सरकार के कार्यकाल में हुई बेअदबी की घटनाओं और राज्य में फैले नशे के दौर का भी उल्लेख किया। दिल्ली में आप विधायक जरनैल सिंह ने गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि दो शून्य को जोड़ने पर भी शून्य ही होता है, इसलिए इसका पंजाब में कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आप देश की एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो अपने काम के आधार पर वोट मांगती है। केजरीवाल ने सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की जयंती पर भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन व शिक्षाओं को कठिन समय में मार्गदर्शक बताया।



# शरद पवार के राजनीतिक भविष्य और एनसीपी विलय पर सुप्रिया का बयान, ये सब अफवाह

**मुंबई , एजेंसी ।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार के स्वास्थ्य संबंधी हालिया घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में उनके संन्यास और पार्टी के भविष्य को लेकर अटकलों का बाजार गर्म किया था। पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद, इन सभी कयासों पर उनकी बेटी और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने खुलकर जवाब देकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पवार के सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर सुप्रिया सुले ने इन्हें भ्रामक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शरद पवार का राज्यसभा कार्यकाल अभी पांच साल शेष है, और इसतरह के अनुभवी नेता के बारे में इस तरह की

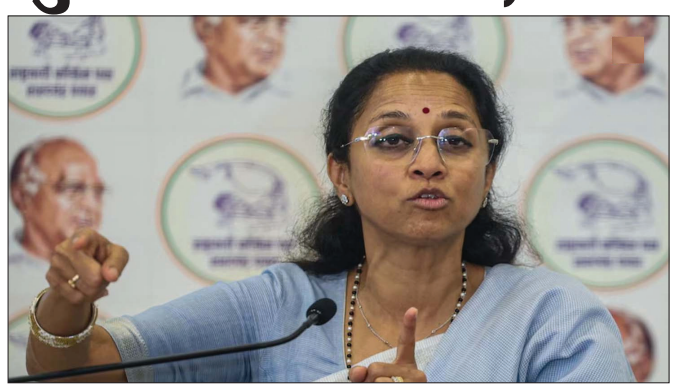

बातें बेहद चौंकाने वाली और गलत हैं। शरद पवार की बेटी सुले ने जोर देकर कहा कि राजनीति में कोई व्यक्ति कब तक सक्रिय रहेगा और कब रिटायर होगा, यह तय करने का अधिकार केवल जनता के पास है, न कि किसी रिपोर्ट या कयासों के आधार पर।
इसके साथ ही, महाराष्ट्र की राजनीति में एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एकजुट होने की अटकलों भी सुले ने विराम लगाया। ये चर्चाएँ तब तेज हुईं जब अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता प्रफुल पटेल ने अस्पताल में शरद पवार का हालचाल जानने पहुंचे थे। इसके अलावा, सुनील तटकरे ने दावा किया था कि अजित पवार ने दोनों गुटों के विलय को लेकर बातचीत की पहल की थी। इन दावों पर प्रतिक्रिया देकर सुप्रिया सुले ने स्वीकार किया कि विलय को लेकर बातचीत ज़रूर हुई थी, लेकिन वह केवल तब तक थी जब उनके भाई अजित पवार उनके साथ थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब एनसीपी के दोनों गुटों के फिर से एक होने की कोई गुंजाइश नहीं है। सुले के अनुसार, पार्टी के विभाजन के बाद, उनकी तरफ से वे सारी बातचीत हमेशा के लिए खत्म हो गईं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी के नेता अब इस विषय पर कोई टिप्पणी भी नहीं करते हैं, क्योंकि उनके लिए यह अध्याय पूरी तरह बंद हो चुका है।

## जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहा युवक गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस को निशाना बनाने के लिए कथित तौर पर फिदायीन हमले की तैयारी कर रहे युवक को मेरठ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक जुबैर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में था और जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की साजिश रच रहा था। इस मामले में पांच अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक जुबैर को सोमवार को गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए आईबी, एटीएस, इंटेलिजेंस और पुलिस की टीमों ने उससे कई घंटे तक पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ में जुबैर ने जम्मू-कश्मीर के सैन्य एयरबेस पर हमले की तैयारी करने और पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के संपर्क में रहने की बात बताई है। जांच में यह भी सामने आया है कि जुबैर जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आरोपी साजिद के ऑनलाइन संपर्क में था। पुलिस को दोनों के पाकिस्तानी मोबाइल नंबरों के जरिए बातचीत करने और वहां से निर्देश मिलने से जुड़े इनपुट भी मिले हैं।

# सफलता का मंत्र: वरिष्ठ वकील सिंघवी की सलाह, एआई से बचें शुरुआती 5 साल

**नई दिल्ली , एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता और पांच बार के राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने युवा वकीलों और लॉ छात्रों को वकालत के पेशे की कुछ बारीकियां साझा कीं। आज कल वकालत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती दखल और कानूनी परिवारों से आने वाले नेपोटिज्म के फायदों के बीच, उन्होंने एक नए वकील के लिए अपनी जगह बनाने का स्पष्ट रास्ता बताया। डॉ. सिंघवी ने शुरुआत में ही स्पष्ट किया कि वे युवाओं को उपदेश देने नहीं, बल्कि अपने अनुभव साझा करने आए हैं, क्योंकि सलाह युवाओं को पसंद नहीं आती। हालांकि, उन्होंने नई पीढ़ी की तकनीकी समझ और संसाधनों की सराहना की, जिनकी कल्पना पिछली पीढ़ियां नहीं कर सकती थीं।
कानून के क्षेत्र में सफलता का मूल मंत्र बताकर डॉ. सिंघवी ने कहा कि निरंतर परिश्रम और धैर्य का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, मेहनत, और ज्यादा मेहनत और उससे भी ज्यादा मेहनत, यही मेरी सफलता का मंत्र है। वकालत में 99 फीसदी मेहनत है और सिर्फ 1 फीसदी प्रेरणा का खेल होता है। कानूनी कामकाज में एआई के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने बेहद संतुलित और व्यावहारिक सलाह दी। उन्होंने खुद को तकनीक का दिल से समर्थक बताया, लेकिन साथ ही आगाह किया कि इस तकनीक को अपना मालिक नहीं बनने दे सकते। खासतौर पर युवा वकीलों को उन्होंने सलाह दी, मैं कानूनी दस्तावेजों की ड्राफ्टिंग के लिए एआई के इस्तेमाल का समर्थन नहीं करता, खासकर करियर के शुरुआती पांच साल आपको ड्राफ्टिंग खुद करनी चाहिए।
डॉ. सिंघवी ने बताया कि समय के साथ कानून के पेशे को लेकर समाज का नजरिया पूरी तरह बदल गया है। पहले जहां कानूनी करियर का आखिरी विकल्प माना जाता था, वहीं आज यह छात्रों की पहली पसंद बन चुका है। उन्होंने वकालत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को बताकर कहा कि वे अब शानदार काम कर रही हैं। कानूनी पृष्ठभूमि से आने वाले वकीलों को मिलने वाले शुरुआती लाभ पर उन्होंने बेबाक राय रखकर माना कि पारिवारिक पृष्ठभूमि से शुरुआती मंच जरूर मिल सकता है, लेकिन एक या दो केस के बाद सभी वकील एक ही स्तर पर खड़े होते हैं और असली पहचान काम और अनुभव से ही बनती है। उन्होंने जोड़ा कि अब पारिवारिक पृष्ठभूमि का यह फायदा धीरे-धीरे कम हो रहा है।
एक वकील की नैतिकता और भूमिका पर बात कर डॉ. सिंघवी ने कहा कि कानूनी पेशेवरों को अपने क्लाइंट के प्रति पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए, क्योंकि जीवन और कानून हमेशा ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होते, बल्कि ग्रे (मिश्रित परिस्थितियों वाले) होते हैं। उन्होंने कहा, एक वकील को न अपना मुवक्किल चुनना चाहिए और न ही उस जज करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कई इसतरह के केस लेने से इंकार किया है, जहां उन्हें लगा कि अदालत में वे दलीलें नहीं टिक पाएंगी। अपनी प्रेरणा के स्रोत के बारे में पूछने पर डॉ. सिंघवी ने अपने पिता को याद किया, जो स्वयं एक वकील और संस्कृत के विद्वान थे। उन्होंने युवाओं को महापुरुषों की जीवनियां पढ़ने की सलाह दी, क्योंकि उनसे जीवन की दिशा और प्रेरणा मिलती है। अपनी व्यस्त दिनचर्या के बारे में उन्होंने बताया कि वे वकालत, राजनीति, मीडिया संवाद और अपने अध्ययन के बीच लगातार संतुलन बनाते हैं, और वे हमेशा से शिक्षक बनना चाहते थे, जिसका प्रमाण उनके विश्वविद्यालयों में दिए जाने वाले व्याख्यान हैं।

# जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर को किया बर्बाद... नहीं बनेगा पवित्र अमरनाथ शिवलिंग

### बीआरओ की कार्रवाई को लेकर केंद्र पर बरसी महबूबा

**श्रीनगर , एजेंसी।** पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती को मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शेषनाग झील जाते समय पुलिस ने रोक दिया। वे वायरल वीडियो की जांच करने जा रही थीं, जिसमें अमरनाथ यात्रा मार्ग पर भारी मशीनों और खुदाई का काम दिखाया गया है। पूर्व सीएम महबूबा ने चेतावनी दी कि यदि हिमालय के नाजुक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया गया, तब अमरनाथ शिवलिंग का बनना असंभव होगा।
चंदनवाड़ी से शेषनाग तक पैदल जाने की कोशिश कर रहीं महबूबा ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शेषनाग में जो हो रहा है, वह बहुत डरावना है, जहां बड़ी मशीनों और बुलडोजरों का इस्तेमाल हो रहा है। उनके अनुसार, जंगल, पहाड़ और ग्लेशियर अमरनाथ शिवलिंग के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और उन्हें नष्ट करने से पवित्र परंपरा का अस्तित्व खतरे में पड़ेगा। पीडीपी नेता महबूबा ने शेषनाग को हिंदू परंपरा और कश्मीरियत का प्रतीक बताकर कहा कि यह



विकास के नाम पर परिदृश्य को बदलने का प्रयास है, जैसा कि उत्तराखंड में भी किया गया है।
यह खुदाई सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा अमरनाथ यात्रा कॉरिडोर के विस्तार से जुड़ी है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता को देखकर विरोध हो रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने क्षेत्र में भारी मशीनों के उपयोग पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने भूस्खलन की आशंका जाहिर की है, क्योंकि यह क्षेत्र अस्थिर भू-भाग और ढीले हिमनद मलबे से घिरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, खुदाई और कंपन से लिद्दर नदी के पानी की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है, जिसका शेषनाग झील प्रमुख स्रोत है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी की रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि अमरनाथ यात्रा मार्ग का 85 प्रतिशत हिस्सा भूस्खलन के लिए संवेदनशील है।
महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मामले में हस्तक्षेप करने और कश्मीर के नाजुक हिमालयी पर्यावरण से समझौता न करने की अपील की है। वहीं, बीआरओ ने वायरल वीडियो पर अपनी स्थिति साफ कर कहा है कि यात्रा के बाद ट्रैक चौड़ा करने का काम निर्धारित सुरक्षा और पर्यावरण नियमों के तहत हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह कार्य मौजूदा ट्रैक तक ही सीमित है और भीड़ में भगदड़ जैसी स्थितियों से बचने के लिए ट्रैक का चौड़ा होना आवश्यक है। बीआरओ ने आश्वस्त किया कि कमजोर हिस्सों को स्थिर किया जा रहा है, खुदाई की मिट्टी का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जा रहा है और प्राकृतिक जल निकासी की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

## दिलजीत दोसांझ के बेंगलुरु कॉन्सर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

**बेंगलुरु , एजेंसी ।** सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के आगामी बेंगलुरु कॉन्सर्ट से पहले सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी है। पुलिस को एक धमकी भरा ईमेल मिला है, जिसमें आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) से हमले की बात कही गई है। 29 नवंबर को होने वाले शो को लेकर दर्शकों में जहां भारी उत्साह था, वहीं इस धमकी ने लोगों में सतर्कता और सवाल दोनों पैदा कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, यह ईमेल धारवाड़ के पुलिस कमिश्नर को भेजा गया है। इसमें बेंगलुरु के मादावरा में एनआईसीई रोड ग्राउंड पर होने वाले कॉन्सर्ट को निशाना बनाने का जिक्र है। धमकी भरे संदेश में खालिस्तान जिंदाबाद का नारा लिखा गया है और शो के दौरान आईईडी धमाके की चेतावनी दी गई है। ईमेल में आम लोगों के लिए कई चेतावनियां भी थीं, जैसे बच्चों को कॉन्सर्ट में न लाने, आईफोन पर आने वाली कॉल का जवाब न देने और मेट्रो से सफर से बचने की अपील।

## जेवर एयरपोर्ट के नामकरण पर कांग्रेस का पीएम मोदी पर प्रहार... इतनी जल्दी में क्यों हैं

**नई दिल्ली, एजेंसी ।** कांग्रेस ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने के फैसले को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस पार्टी ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री मोदी को हर बड़ी परियोजना पर अपना नाम दर्ज कराने की इतनी जल्दी में क्यों हैं, और क्या उन्हें अपनी राजनीतिक विरासत को लेकर कोई बेचैनी महसूस हो रही है?
दरअसल कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पोस्ट के द्वारा आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने काम और फैसलों के जरिए एक मजबूत विरासत बनाने के बजाय, पद पर रहते हुए ही हर बड़ी परियोजना पर अपना नाम दर्ज कराने में लगे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का जिक्र कर कहा कि इसका उद्घाटन समारोह संपन्न हो चुका है, लेकिन अब तक एक भी तय अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू नहीं हुई है और यात्रियों की आवाजाही भी सुस्त है। इसके बावजूद, इसका नाम बदलकर 'नरेन्द्र मोदी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, नोएडा-जेवर' रख दिया गया है। उन्होंने अहमदाबाद के 'नरेन्द्र मोदी स्टेडियम' का हवाला देकर तंज कसते हुए पूछा कि अगला नंबर किसका होगा?
कांग्रेस नेता ने कहा कि सवाल केवल नामकरण का नहीं, बल्कि इस बात का है कि प्रधानमंत्री मोदी को अपनी विरासत बनाने के लिए अपने काम और फैसलों पर भरोसा करने के बजाय बड़ी परियोजनाओं पर अपना नाम दर्ज कराने की जल्दी में क्यों हैं। उन्होंने कटाक्ष कर पूछा कि कहीं यह इस बात की बेचैनी, नहीं कि कुर्सी छूटने के बाद कोई उनका नाम लेने वाला भी नहीं होगा।
कांग्रेस नेता रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का उदाहरण देकर बताया कि जनवरी 1949 में नेहरू ने हैदराबाद के फतेह मैदान का नाम अपने नाम पर रखने से इंकार किया था। इस तरह, दिसंबर 1956 में जम्मू-कश्मीर की बनिहाल सुरंग का नाम उनके सम्मान में रखने के प्रस्ताव को भी उन्होंने रोक दिया था। कांग्रेस महासचिव ने एम सी छागला की आत्मकथा 'रोजेज इन दिसंबर' का हवाला देकर बताया कि 1960 के दशक की शुरुआत में जब तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री छागला ने राजधानी में प्रस्तावित दूसरे विश्वविद्यालय का नाम नेहरू के नाम पर रखने का प्रस्ताव दिया, तब उन्होंने तत्काल इस बात को खारिज कर दिया था।

### झूलन गोस्वामी बर्थडेः मां को पसंद नहीं था क्रिकेट

# बेटी बन गई वनडे की सबसे सफल गेंदबाज

**नई दिल्ली ।** झूलन गोस्वामी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सबसे प्रभावशाली और लोकप्रिय तेज गेंदबाज रही हैं। भारतीय टीम के एक सामान्य टीम से मजबूत टीम बनने के सफर में झूलन का योगदान असाधारण रहा है। उनका नाम विश्व की श्रेष्ठ महिला तेज गेंदबाजों में शुमार किया जाता है। झूलन गोस्वामी का जन्म 25 नवंबर 1982 को पश्चिम बंगाल के चकदाह में हुआ था। उन्हें बचपन से ही क्रिकेट में रुचि थी। हालांकि, उस दौर में महिलाओं के लिए क्रिकेट खेलना असामान्य था। झूलन की मां को भी उनका लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना पसंद नहीं था, लेकिन बेटी ने इसी खेल में देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख लिया था। गोस्वामी ने एमआरएफ एकेडमी से ट्रेनिंग ली। दाएं हाथ की इस तेज गेंदबाज ने 15 साल की उम्र में चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्हें 2002 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू का मौका मिला। इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू वनडे में ही झूलन ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 7 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए और भारत को 8




रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।
शानदार डेब्यू के बाद झूलन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और 20 साल के अपने लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में विश्व में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 204 वनडे में 255 विकेट हासिल किए थे। वह वनडे क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाली एकमात्र महिला क्रिकेटर हैं। 2008 से 2011 तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान रही झूलन ने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेले हैं।
उनके नाम 12 टेस्ट में 44, 204 वनडे में 255 और 68 टी20 में 56 विकेट हैं। झूलन निचले क्रम की उपयोगी बल्लेबाज भी रही हैं। 12 टेस्ट में 2 अर्धशतक लगाते हुए 291 रन और वनडे में 1 अर्धशतक लगाते हुए 121 पारियों में 1,228 रन उनके नाम हैं। टी20 में भी उनके नाम 405 रन हैं।
झूलन गोस्वामी को 2010 में 'अर्जुन पुरस्कार' और 2012 में 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया था। 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाली झूलन कोचिंग के क्षेत्र में सक्रिय हैं। वह विमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस (एमआई) की गेंदबाजी कोच और मेंटर हैं। उनकी कोचिंग में मुंबई इंडियंस दो बार (2023 और 2025) चैंपियन रही है।



### आईएलटी20

## बाबर आजम की तूफानी पारी, डेजर्ट वाइपर्स को 6 विकेट से दिलाई जीत

**शारजाह ।** इंटरनेशनल लीग टी20 (आईएलटी20) के चौथे मैच में बाबर आजम की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर उनकी टीम डेजर्ट वाइपर्स ने शारजाह वॉरियर्स को 15 गेंद पहले 6 विकेट से हरा दिया। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार की रात हुए मुकाबले में डेजर्ट वाइपर्स के कप्तान



शादाब खान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी शारजाह वॉरियर्स ने 20 ओवर में सभी विकेट खोकर 166 रन बनाए।
शारजाह वॉरियर्स की तरफ से पॉल वॉल्टर ने 43 गेंदों पर 11 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 75 रन की पारी खेली। इसके अलावा, जेम्स विंस ने 23, टिम सिफर्ट ने 17, जॉर्ज लिंडे ने 14 और क्रेग ओवरटन ने 12 रन बनाए। डेजर्ट वाइपर्स की तरफ से कप्तान शादाब खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। के. तनवीर ने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। टॉम कुर्रन ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। नसीम शाह को 1 विकेट मिला। 167 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स के लिए फखर जमान और बाबर आजम पारी की शुरुआत करने उतरे। फखर 10 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन बाबर आजम पूरे रंग में दिखे। बाबर ने 51 गेंदों पर 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 86 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत डेजर्ट ने 17.3 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। बाबर के अलावा जोए क्लार्क ने 27 गेंदों पर 35 रन बनाए।

# प्रियांश आर्य ने रचा इतिहास

**181 रन**
**67 गेंदों पर**

**भारत की तरफ से टी20 में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने**



**इंदौर ।** दिल्ली के स्टार बल्लेबाज प्रियांश आर्य ने इतिहास रच दिया है। आर्य ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (स्मैट) में मंगलवार को डेली कॉलेज ग्राउंड में तमिलनाडु के खिलाफ दिल्ली के ग्रुप-बी के छठे मैच में 68 गेंदों में 181 रन की पारी खेली। टी20 फॉर्मेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की यह सबसे बड़ी पारी है। प्रियांश आर्य ने अपना शतक मात्र 36 गेंदों पर पूरा किया। बाएं हाथ के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ने अपनी पारी में 7 चौके और 19 छक्के लगाए। दिल्ली की कप्तानी कर रहे प्रियांश ने अपनी विस्फोटक पारी से केएल राहुल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब तक राहुल के नाम किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी टी20 पारी का रिकॉर्ड था। राहुल ने आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से खेलते हुए 67 गेंदों पर 152 रन की पारी खेली थी। राहुल की पारी में 16 चौके और 9 छक्के शामिल थे।
प्रियांश आर्य ने 19 छक्कों के साथ किसी एक टी20 मैच में सर्वाधिक छक्के लगाने के मामले में फिन एलन की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के इस विस्फोटक ओपनर ने 2025 में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स की तरफ से खेलते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 51 गेंदों पर 151 रन की पारी खेली थी। इस पारी में एलन ने 19 छक्के लगाए थे। अब एक टी20 में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से एलन के साथ प्रियांश के नाम भी दर्ज हो गया है। आर्य का 181 रन दुनिया के किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी है। यह अब तक के सबसे बड़े स्कोर 188* से सिर्फ सात रन कम है। दक्षिण अफ्रीका के लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने पिछले महीने सीएसए प्रो20 कप में टाइटन्स के लिए नाइट्स के खिलाफ नाबाद 188 रन की पारी खेली थी।
प्रियांश की पारी की बदौलत दिल्ली ने तमिलनाडु के खिलाफ 5 विकेट पर 275 रन बनाए।




## भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से ब्लेयर टिकनर बाहर

**न्यूजीलैंड टीम में मैट फिशर को मिली जगह**

**नई दिल्ली ।** न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शुक्रवार से भारत के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में मैट फिशर को शामिल किया गया है। ब्लेयर टिकनर भारत के खिलाफ ड्रॉ रहे पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं बना सके थे। वेलिंगटन में ट्रेनिंग के दौरान उन्हें चोट लगी थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि टिकनर के और परीक्षण होने वाले हैं, ताकि यह पता चल सके कि वह कितने समय तक बाहर रह सकते हैं। 33 साल के टिकनर ने अब तक छह टेस्ट मैच खेले हैं और 22 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड दौरे पर खेला था।
टिकनर की जगह टीम में शामिल किए गए 27 साल के फिशर ने अगस्त 2025 में टेस्ट में डेब्यू किया था, लेकिन उसके बाद से रेड-बॉल क्रिकेट नहीं खेला है। फिशर भारतीय टीम के इस मौजूदा दौरे पर पांच में से चार वनडे और पांच में से दो टी20 मैचों का हिस्सा रहे हैं। वेलिंगटन में भारत के साथ समाप्त हुए टेस्ट में गेंदबाजों पर ज्यादा वर्कलोड था। पहले और दूसरे टेस्ट के बीच महज तीन दिन का अंतर



है। ऐसे में इन गेंदबाजों के कवर के तौर पर फिशर को टीम में शामिल किया गया है।
न्यूजीलैंड के लिए आने वाली गर्मियां बड़ी हैं। वे 9 दिसंबर से शुरू होने वाले चार टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट के लिए घर लौटेंगे। न्यूजीलैंड अगले साल वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में है, लेकिन बेसिन रिजर्व में ड्रॉ के बाद उनके चांस कम हो गए हैं।

### आईपीएल

## पंजाब ने पारस म्हाम्ब्रे को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

***नई दिल्ली ।*** *पंजाब किंग्स ने पारस म्हाम्ब्रे को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। म्हाम्ब्रे फ्रेंचाइजी में जेम्स होप्स की जगह लेंगे। होप्स ने पिछले महीने अपना पद छोड़ दिया था। वहीं, फ्रेंचाइजी फील्डिंग कोच के रूप में राजीव कुमार को नियुक्त करने वाली है। वह पूर्व फील्डिंग कोच ब्रैड हैडिन की जगह लेंगे। राजीव चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कोचिंग टीम का हिस्सा रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे का गेंदबाजी कोच के रूप में लंबा अनुभव है। वह*



*भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। म्हाम्ब्रे 2021 से 2024 तक राहुल द्रविड़ वाली कोचिंग टीम में गेंदबाजी कोच थे। इसके अलावा, वह इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 के गेंदबाजी कोच के रूप में काम कर चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में वह बंगाल, महाराष्ट्र, बड़ौदा और विदर्भ के कोच रहे हैं। आईपीएल में पारस म्हाम्ब्रे लंबे समय तक मुंबई इंडियंस (एमआई) का हिस्सा रहे हैं। वह आईपीएल के पहले सीजन (2008) में एमआई के साथ सपोर्ट स्टाफ के तौर पर जुड़े थे। 2010 में फ्रेंचाइजी ने उन्हें सहायक कोच बनाया। 2017 में वह टीम से अलग हो गए। इसके बाद फिर से 2024 से 2026 तक एमआई के गेंदबाजी कोच रहे थे। पारस म्हाम्ब्रे के गेंदबाजी कोच के तौर पर हासिल लंबे अनुभव का लाभ पंजाब किंग्स को मिल सकता है, जो अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में है। म्हाम्ब्रे को हेड कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर पंजाब की गेंदबाजी पर मजबूती से काम करना होगा।*
*पंजाब किंग्स एक ऐसी फ्रेंचाइजी है, जो पहले सीजन से ही लीग का हिस्सा है, लेकिन एक भी खिताब जीतने में सफल नहीं रही है।*

### शुभमन गिल के फैसले पर माइकल वॉन ने ली चुटकी

# कहा- एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे

**नई दिल्ली ।** इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में ड्रॉ पर भारत के फैसले पर सवाल उठाया है। वॉन ने कप्तान शुभमन गिल पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया है कि उन्होंने समय रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला क्यों लिया। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में खेला गया पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारतीय टीम ने 15 ओवर शेष रहते मैच ड्रॉ करने का फैसला कर लिया था, जबकि न्यूजीलैंड के 5 विकेट शेष थे। मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान गिल ने कहा कि उनकी टीम मैनेजमेंट ने दूसरे टेस्ट से पहले पेस अटैक को शारीरिक रूप से फ्रेश रखने को प्राथमिकता दी थी। गिल ने बचे हुए ओवर कराने की स्थिति में भी मैच जीतने पर शंका जताई थी।



गिल ने बताया कि तीनों तेज गेंदबाजों ने मैच के दौरान पहले ही काफी मेहनत की थी, हर एक ने करीब 50 ओवर फेंके थे। टीम को अगले दिन ट्रैवल भी करना था, इसलिए उन्हें लगा कि बॉलिंग यूनिट पर और दबाव न डालना समझदारी वाला विकल्प है।
भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर विकेट में थोड़ी और जान होती, तो शायद, लेकिन तेज गेंदबाज थके हुए थे। उन्होंने मैच में लगभग 50 ओवर फेंके हैं, सभी ने। साथ ही, यह ध्यान में रखते हुए कि जल्दी बदलाव होता है, अगला मैच सिर्फ तीन दिन में है और कल ट्रैवल है, हम अपने सभी गेंदबाजों को फ्रेश रखना चाहते थे। और मुझे सच में नहीं लगा कि 5-10 अतिरिक्त ओवर डालने से इतनी मदद मिलती। '
इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन गिल के तर्क से सहमत नहीं थे। उनका मानना था कि खेल के बचे हुए एक घंटे में जरूरी पांच विकेट गिर सकते थे।
वॉन ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, 'यह अविश्वसनीय है, इसलिए पिछले एक घंटे में 5 विकेट पहले कभी नहीं गिरे। '
उनके मजाकिया जवाब ने गिल के इस अनुमान को सीधे तौर पर चुनौती दी कि कुछ और ओवरों से नतीजे पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। वॉन की इस बात ने भारत के फैसले के रणनीतिक पहलू को भी सामने ला दिया। जब मैच ड्रॉ हुआ, तब मेहमान टीम गणितीय रूप से जीत की दौड़ में थी।



**प्रो रेसलिंग लीग के छठे सीजन का आयोजन दिल्ली में 3 से 19 जनवरी तक होगा**

# नीलामी 30 नवंबर को होगी




**नई दिल्ली ।** प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) का छठा एडिशन 3 से 19 जनवरी, 2027 तक नई दिल्ली के केडी जाधव रेसलिंग एरिना में आयोजित होगा। इसमें छह फ्रेंचाइजी खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। आने वाले सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 30 नवंबर को मुंबई के ग्रैंड हयात में होगी। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कैलेंडर में बदलाव के बाद शनिवार को बदली हुई तारीखों की घोषणा की गई। रीशेड्यूलिंग का मकसद यह पक्का करना है कि लीग का इंटरनेशनल रेसलिंग शेड्यूल से टकराव न हो। इससे लीग में भारतीय और विदेशी रेसलर हिस्सा ले सकेंगे। सीजन 6 में 86 टॉप रेसलर होंगे, जिनमें 34 इंटरनेशनल मेडलिस्ट शामिल हैं। लीग में ओलंपिक, वर्ल्ड चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्टों के एक बड़े समूह के हिस्सा लेने की उम्मीद है।
इसमें हिस्सा लेने वाली छह फ्रेंचाइजी मुंबई दंगल, हरियाणा थंडर्स, दिल्ली दंगल वॉरियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रॉयल्स और यूपी डॉमिनेटर्स हैं।
आने वाले ऑक्शन में काफी ध्यान जाने की उम्मीद है, क्योंकि फ्रेंचाइजी इंटरनेशनल और इंडियन रेसलिंग के कुछ सबसे बड़े नामों को हासिल करके अपनी टीम को मजबूत करना चाहती हैं।
पिछले ऑक्शन में जापान के ओलंपिक चैंपियन यूई सुसाकी 60 लाख रुपये की विनिंग बिड हासिल करके पीडब्ल्यूएल के इतिहास में सबसे महंगे रेसलर बने थे। भारत के अमन सेहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल भी सबसे बड़ी एक्विजिशन में शामिल थे, जिनमें से हर एक के लिए 50 लाख रुपये से ज्यादा की बिड लगी थी।
पीडब्ल्यूएल के चेयरमैन दयान फारूकी ने कहा कि बदला हुआ शेड्यूल लीग को इंटरनेशनल रेसलिंग कैलेंडर के साथ अलाइन रहने में मदद करेगा और साथ ही टॉप एथलीट्स का पार्टिसिपेशन भी पक्का करेगा।
फारूकी ने कहा, 'यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग कैलेंडर में बदलाव के बाद, हमने सीजन 6 को 3 से 19 जनवरी, 2027 तक रीशेड्यूल किया है। 30 नवंबर को होने वाली प्लेयर ऑक्शन में दुनिया भर के कुछ बेहतरीन रेसलिंग टैलेंट एक साथ आएंगे, जिसमें बड़े इंटरनेशनल कॉम्पिटिटर और भारत के टॉप स्टार शामिल हैं। '



# अनन्या बिरला ने बताया कैसी होगी 'प्रलय'

**बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह पहले से ही अपनी फिल्म 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी की सफलता को लेकर चर्चा में हैं। इसके बाद अब एक्टर जल्द ही एक बिल्कुल अलग अंदाज में दर्शकों के सामने आने वाले हैं। दरअसल, रणवीर पहली बार जॉम्बी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' को लेकर फैंस के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। अब फिल्म की प्रोड्यूसर अनन्या बिड़ला ने इसे लेकर कुछ ऐसा कहा है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट और बढ़ सकती है। अनन्या ने फिल्म को एक बड़ा सिनेमैटिक अनुभव बताया है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई है कि दर्शकों को यह फिल्म पसंद आएगी।**

## 'प्रलय' को लेकर बोलीं अनन्या बिड़ला

अनन्या बिड़ला हाल ही में करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण 9' में पहुंची थीं। इस दौरान उनसे रणवीर सिंह की फिल्म 'प्रलय' को लेकर सवाल किया गया। इस पर अनन्या ने कहा, 'यह एक स्पेक्टेकल होने वाली है और मुझे उम्मीद और प्रार्थना है कि लोगों को यह पसंद आएगी। इसके अलावा सब कुछ भगवान और दर्शकों के हाथ में है।' हालांकि, फिल्म की कहानी और इससे जुड़ी दूसरी जानकारियों को अभी मेकर्स ने गुप्त रखा है। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल ज्यादा कुछ सामने नहीं आया है।

'प्रलय' एक बड़े स्तर पर बनाई जा रही एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे जय मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई और इसके आसपास की असली लोकेशन पर की जा रही है। कई महीनों की तकनीकी तैयारियों के बाद फिल्म की प्रिंसिपल फोटोग्राफी शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आएंगी। कल्याणी को फिल्म 'लोका' से काफी पहचान मिली है। खास बात यह है कि रणवीर इस फिल्म में सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे, बल्कि इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। 'धुरंधर' फ्रेंचाइजी की सफलता के बाद यह रणवीर की अगली बड़ी फिल्म मानी जा रही है।

## अनन्या ने अपने एक्स को किया फोन

करण के शो में अनन्या बिड़ला के साथ अभिनेत्री अनन्या पांडे भी नजर आई थीं। अनन्या पांडे ने मजाक में कहा कि उन्हें दुनिया की हर दूसरी अनन्या नापसंद है, लेकिन अनन्या बिड़ला को छोड़कर। वहीं, 'सिप इट इफ यू हैव डन इट' गेम के दौरान अनन्या बिड़ला ने खुलासा किया कि एक बार उन्होंने अपनी प्राइवेट डेट के लिए पूरा वेन्यू खाली करवा दिया था। इसके बाद अनन्या पांडे ने आदित्य रॉय कपूर, ईशान खट्टर और कार्तिक आर्यन को फोन किया। इस पर अनन्या बिड़ला ने मजाक करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सभी एक्स को फोन कर लिया है।

### 'कॉफी विद करण' का आखिरी सीजन

करण जौहर का मशहूर चैट शो 'कॉफी विद करण' इन दिनों अपने नौवें और आखिरी सीजन को लेकर चर्चा में है। शो के अक्टूबर में प्रीमियर के दौरान करण ने साफ कर दिया था कि वह इसका अगला सीजन नहीं लाएंगे। इस सीजन में पहले मेहमान सलमान खान बने थे। इसके बाद रश्मिका मंदाना-विजय देवरकोंडा, करीना कपूर-सैफ अली खान और कियारा आडवाणी-सिद्धार्थ मल्होत्रा जैसे सितारे शो का हिस्सा बने।





# रिश्ते पर्सनल होते हैं, पब्लिक एंटरटेनमेंट नहीं



अभिनेता अविनाश मिश्रा ने अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ ब्रेकअप की अफवाहों और धोखा देने के आरोपों के बीच अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स और मीडिया पेजों से प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की। अभिनेता अविनाश मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने सभी से न सिर्फ प्राइवेसी का सम्मान करने की अपील की बल्कि उनके निजी मामले में दखल न देने के लिए भी कहा। हालांकि, अभिनेता ने अपनी पोस्ट में ब्रेकअप और धोखे की खबर पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और न ही ईशा सिंह का सीधे तौर पर नाम लिया।

अविनाश मिश्रा ने शेयर किए गए नोट में लिखा, 'दोस्तों, चलो इसे यहीं खत्म करते हैं और आगे बढ़ते हैं। पिछले कुछ हफ्ते काफी लोगों के लिए मुश्किल रहे हैं। मीडिया पेजों से गुजारिश है कि सबकी प्राइवेसी का सम्मान करें। रिश्ते पर्सनल होते हैं, पब्लिक एंटरटेनमेंट नहीं। हर चीज व्यूज और इंगेजमेंट के लिए नहीं होती। चलो लोगों को शांति से जीने देते हैं। बता दें कि अविनाश मिश्रा का यह पोस्ट ऐसे समय आया है, जब ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा के ब्रेकअप की खबरें तेज हैं। गौरतलब है कि ईशा सिंह की मां रेखा सिंह के एक वायरल पोस्ट के बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरें तेज हो गई, जिसके बाद मीडिया ने नोटिस किया कि ईशा ने भी अविनाश को सोशल मीडिया से अनफॉलो कर दिया है। हालांकि, अविनाश अभी भी उनको फॉलो कर रहे हैं। वहीं, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट पर ऐसा दावा भी किया जा रहा है कि अविनाश ने ईशा को चीट किया है, जिसके बाद दोनों के ब्रेकअप की खबरें और तेज हो गईं। हालांकि दोनों की ओर से अभी तक ब्रेकअप की कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

अभिनेता अविनाश मिश्रा और अभिनेत्री ईशा सिंह बिग बॉस-18 में साथ नजर आए थे। शो के दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आए और अक्सर एक-दूसरे का समर्थन करते दिखे जिसके बाद बाहर भी दोनों को साथ देखा गया। हालिया समय तक दोनों को 'खतरों के खिलाड़ी 15' की सक्सेस पार्टी और 'पति पत्नी और पंगा 2' जैसे संदर्भों में साथ देखा गया था।

# कैमरे के सामने 100 प्रतिशत परफॉर्मेंस देती हैं आलिया



अभिनेत्री शरवरी वाघ ने आलिया भट्ट के साथ फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अपने अनुभव को याद किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्होंने आलिया को एक साथ कई जिम्मेदारियां संभालते हुए देखा। वह जहां कैमरे के सामने अपने किरदार पर पूरा ध्यान देती हैं, वहीं शॉट्स के बीच घर, बेटी और अपने दूसरे कामों की प्लानिंग भी करती रहती हैं। शरवरी ने आलिया को शानदार अभिनेत्री के साथ-साथ बेहतरीन मल्टीटास्कर भी बताया। दरअसल, शरवरी शो 'कोण होणार करोडपती' में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने शो की होस्ट माधुरी दीक्षित से बातचीत में आलिया के साथ काम करने और उनसे मिली सीख के बारे में बताया। शरवरी ने तारीफ करते हुए कहा, ''आलिया मेरी पसंदीदा अभिनेत्री हैं। वह मुझसे सीनियर हैं और उन्होंने जिस तरह की फिल्में की हैं, पर्दे पर जैसी कहानियां लाई हैं और अलग-अलग किरदार निभाए हैं। वे सभी मेरे लिए प्रेरणा रहे हैं। मैंने हमेशा सोचा है कि मुझे भी ऐसी फिल्में करनी हैं। आलिया हमेशा से मेरी प्रेरणा रही हैं। जब मुझे पता चला कि मुझे उनके साथ एक फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो मैं बहुत खुश हुई।'' शरवरी ने आगे बताया कि आलिया के साथ काम करना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने का मौका नहीं था, बल्कि उनसे बहुत कुछ सीखने का भी अवसर था। उन्होंने कहा, ''मैंने सोचा था कि मैं चुपचाप उनके आसपास रहूंगी और



जितना हो सकेगा, सीखूंगी। एक इंसान के तौर पर भी वह शानदार हैं। मुझे याद है कि वह खुद इतनी यंग दिखती हैं, लेकिन उनकी एक छोटी बेटी भी है। शूटिंग के बीच में भी वह लगातार चीजों की प्लानिंग करती रहती हैं। उन्हें पता होता है कि क्या चल रहा है। जब कैमरा चालू होता है, तो वह पूरी तरह अपने काम पर ध्यान देती हैं और अपना सौ प्रतिशत देती हैं। इसके साथ ही वह घर, अपने ब्रांड्स और बाकी चीजों को भी संभालती हैं। वह वाकई मल्टीटास्कर हैं।'' शरवरी की बात सुनकर माधुरी दीक्षित भी काफी प्रभावित हुईं। उन्होंने आलिया की तारीफ करते हुए कहा, ''वाह। यह बहुत अच्छी बात है। वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं हैं, बल्कि अपनी जिंदगी की हर चीज पर ध्यान देती हैं।'' बता दें कि शरवरी और आलिया ने फिल्म 'अल्फा' में साथ काम किया है। शिव रवैल के निर्देशन में बनी यह एक्शन-थ्रिलर यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियां अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए शरवरी भी यशराज फिल्म्स की स्पाई फ्रेंचाइजी से जुड़ी हैं।



# आगामी रोमांटिक थ्रिलर में राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी कोमल पावस्कर

बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही कोमल पावस्कर ने परफॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपनी एक मजबूत नींव तैयार कर ली है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग और फिल्ममेकिंग की औपचारिक शिक्षा हासिल करने से लेकर डांस के छह अलग-अलग फॉर्म्स में महारत हासिल करने और पारंपरिक परफॉर्मिंग आर्ट्स से आगे बढ़कर कई अन्य कौशल सीखने तक, कोमल का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। गौरतलब है कि थिएटर से उनका जुड़ाव काफी कम उम्र में ही हो गया था। इस अनुभव ने उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस की बारीकियों, अनुशासन और चुनौतियों को समझने का अवसर दिया। एक्टिंग के साथ-साथ कोमल ने छह अलग-अलग डांस फॉर्म्स में ट्रेनिंग ली है, जिनमें जैज़ फंक, कमर्शियल हिप-हॉप, बेली डांस, कथक, साल्सा और बॉलीवुड डांस शामिल हैं। डांस की इन विविध शैलियों में प्रशिक्षण ने उन्हें मूवमेंट, रिदम और एक्सप्रेशन की बेहतर समझ दी है, जिससे एक परफॉर्मर के तौर पर उनकी नींव और मजबूत हुई है। कोमल को खास बनाने वाली बात सिर्फ एक्टिंग और डांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसके अलावा भी कई दिलचस्प क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा है। वह राइफल शूटिंग और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित हैं। शूटिंग में जरूरी सटीकता से लेकर घुड़सवारी के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन तक, उनके ये हुनर अलग-अलग विधाओं को सीखने और खुद को लगातार चुनौती देने की उनकी इच्छा को दर्शाते हैं। जहां कई नए कलाकार अपनी डेब्यू फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने आते हैं, वहीं कोमल का सफर उस लंबे अभ्यास और तैयारी की झलक देता है, जो किसी बड़े मौके से पहले की जाती है। कोमल अब फिल्ममेकर विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर इकाई से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें वह राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी। हिंदी सिनेमा में अपनी पहली बड़ी शुरुआत की तैयारी कर रहीं कोमल का थिएटर से लेकर औपचारिक प्रशिक्षण और अब बड़े पर्दे तक का सफर एक ऐसे नए चेहरे की कहानी सामने लाता है, जिसकी शुरुआत उनके डेब्यू से काफी पहले हो चुकी थी। कोमल के लिए इकाई सिर्फ बॉलीवुड में उनकी एंट्री नहीं, बल्कि सालों की मेहनत, सीखने की लगन, अनुशासन और समर्पण से तैयार हुए एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है।



# मैं नेपोटिज्म को नहीं नकारती

## हमारी पीढ़ी बिना किसी वजह बदनाम

**बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपनी पीढ़ी यानी जेन-जी और नेपोटिज्म के सवालों पर खुल कर बात की है। अनन्या ने बताया की वे नेपोटिज्म को नहीं नकारती हैं। हालिया इंटरव्यू में अनन्या ने कहा कि युवा पीढ़ी को बिना किसी वजह के बदनाम किया जाता है, जबकि उनके लिए सफलता को देखने का नजरिया अलग है।**

### जेन-जी बिना किसी वजह के बदनाम है

युवा पीढ़ी को लेकर बनने वाली धारणाओं पर नाराजगी जताते हुए अनन्या पांडे ने कहा, 'मुझे ईमानदारी से लगता है कि जेन-जी बिना किसी वजह के बदनाम है। दरअसल, आज की पीढ़ी के लिए सफलता की परिभाषा ही अलग है।' उन्होंने पुरानी और नई पीढ़ी की सोच की तुलना करते हुए समझाया कि पहले के दौर में बड़े होते समय सफलता का केवल एक ही तय पैमाना होता था और उसे हासिल करने के लिए एक निश्चित रास्ते पर चलना पड़ता था, लेकिन जेन-जी इससे थोड़ा अलग है।

### मेरा काम करने का तरीका अलग

अनन्या ने अपने काम करने के अंदाज का उदाहरण देते हुए बताया कि वे व्यस्त और चुनौतीपूर्ण माहौल में बेहतर काम करती हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें ज्यादा से ज्यादा घंटे काम करना पसंद है, लेकिन हर किसी के लिए यह नियम लागू होना जरूरी नहीं है। अनन्या के मुताबिक, 'हो सकता है मेरी ही पीढ़ी का कोई दूसरा व्यक्ति बिना उतनी कड़ी मेहनत किए भी उतना ही सफल हो। यह काम करने और आगे बढ़ने का उनका अपना तरीका है।'

### लोग मेरे बारे में कुछ भी सोचें, मैं अपना सपना जी रही हूं

सोशल मीडिया पर होने वाली आलोचनाओं और लोगों की राय पर बात करते हुए अनन्या ने कहा कि वे इन बातों से प्रभावित हुए बिना अपने काम पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, 'लोग मेरे बारे में चाहे जो भी सोचें, मैं हर दिन सुबह उठती हूं और भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं कि मुझे अपना सपना जीने का मौका मिल रहा है।'



# काटरेग्राफर

## क्रिएटिविटी से जुड़ा भविष्य

**अगर आपकी सोच कुछ सृजनात्मक है, आप चीजों को नए ढंग से सोच सकते हैं तो आपके लिए काटरेग्राफर की दुनिया में करियर बनाना आसान है। डिमांड के अनुसार इस फील्ड में ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए स्कोप भी बढ़े हैं, लेकिन यह केवल उन्हीं के लिए है, जो अपने विषय के साथ-साथ इसमें प्रयोग होने वाली नई टेक्नोलॉजी में भी पूरी तरह से निपुण हैं**

**➔क्या है काटरेग्राफर**

काटरेग्राफर साइंटिफिकल, टेक्नोलॉजिकल और ज्योग्राफिकल इनफॉम्रेशन को डायग्राम, चार्ट, स्प्रेडशीट और मैप के रूप में पेश करता है।

**➔योग्यता**

काटरेग्राफर बनने के लिए बैचलर ऑफ काटरेग्राफी करनी होती है। उन्हें अपनी बीएससी या बीटेक में एक विषय काटरेग्राफी रखना चाहिए। अगर आप काटरेग्राफर बनना चाहते हैं तो आपको इससे संबंधित डिग्री या डिप्लोमा कोर्स जरूर करना चाहिए। काटरेग्राफी में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं, जिसके लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक है।

**➔व्यक्तिगत गुण**



इस फील्ड में करियर बनाने वाले को कम्प्यूटर का अच्छा ज्ञान होना जरूरी है। एक काटरेग्राफर को ज्योग्राफी और एनवायरनमेंट का बेसिक नॉलेज होना बहुत जरूरी है। जिन लोगों में डिजाइनिंग का सेंस होता है, वे किसी फोटोग्राफ और ड्राइंग को बारीकी से समझकर मैप आसानी से क्रिएट कर सकते हैं। काटरेग्राफी फील्ड में आगे बढ़ने के लिए मैथमेटिकल स्किल्स और रिसर्च वर्क भी आना चाहिए। उनमें विजुअलाइजे शन, पेशेंस, हार्डवर्क और काम को लेकर डेडिकेशन जैसी काबिलियत भी होनी चाहिए। काटरेग्राफर अपने क्लाइंट की डिमांड के हिसाब से मैप तैयार करता है। इसके अलावा, ये मैप्स डिजिटल और ग्राफिक, दोनों में बनाए जा सकते हैं। कम्प्यूटर स्किल्स के अलावा इस फील्ड में कार्य करने वाले को ज्योग्राफिकल इनफाम्रेशन सिस्टम और डिजिटल मैपिंग की तकनीकी जानकारी रखनी होती है।

**➔कार्य की प्रकृति**

काटरेग्राफर मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र की सरकारी एजेंसियों, रक्षा मंत्रालय, संरक्षण ट्रस्टों और कंपनियों, सव्रेयर और प्रकाशन कंपनियों के लिए काम करते हैं। इनका काम काफी जिम्मेदारियों से भरा होता है। काम के मुताबिक उन्हें अपना आउटपुट देना होता है। ये मिलिट्री, ज्योग्राफिकल, हिस्टोरिकल, एजुकेशनल, पॉलिटिकल या टूरिस्ट्स का रोड मैप तैयार करते हैं।

**➔कहां हैं नौकरियां**

मैप का इस्तेमाल एक इंडिविजुअल से लेकर इंडस्ट्रियल पर्पज तक के लिए किया जाने लगा है, इसलिए प्लानर्स, यूटिलिटी कंपनियों, स्टेट एजेंसीज, कंस्ट्रक्शन कंपनियों, सव्रेयर्स, आर्किटेक्ट्स- सभी को काटरेग्राफर की जरूरत पड़ती है। इस तरह वेदर फोरकास्टिंग, ट्रैवल एंड टूरिज्म, ज्योलॉजिकल, मिनरल एक्सप्लोरेशन, मिलिट्री डिपार्टमेंट, पब्लिशिंग हाउसेज में जबकि अच्छे मौके हैं, जहां पर मैपिंग तकनीशियन, मैप लाइब्रेरियन, भौगोलिक सूचना पग्राली अधिकारी, भूविज्ञानी, भूभौतिकीविद्, ग्राफिक डिजाइनर, जल सव्रेक्षण सव्रेयर, भूमापक सॉफ्टवेयर इंजीनियर आदि के पदों पर नौकरी की तलाश कर सकते हैं।

**➔वेतन**

शुरुआती दौर में इसमें 15 से 20 हजार रुपये महीने आसानी से कमाये जा सकते हैं। हालां कि यह संस्थान पर काफी निर्भर करता है। इस क्षेत्र में विदे श में भी अच्छी मांग है।

**➔संस्थान**

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
मद्रास विविद्यालय, चेन्नई
पंजाब विविद्यालय, चंडीगढ़
उस्मानिया विविद्यालय, हैदराबाद
नेशनल एटलस एंड थीमैटिक मैपिंग ऑर्गनाइजेशन, कोलकाता

# बनाइए फ्लावर मेकिंग में फ्यूचर

**फ्लावर मेकिंग का काम आप 25 से 30 हजार रूपए में शुरू कर सकते हैं। अगर आप बड़े स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते हैं, तो आपको उसी हिसाब से पैसे खर्च करने पड़ेगे। वैसे दो लाख रूपए में यह काम काफी बड़े स्तर पर खोला जा सकता है...**

*आज* हाथ से बने फूलों की डिमांड इसलिए और अधिक रहती है, योंकि वे अधिक दिनों तक ताजा दिखते हैं। ऐसे में जहां कई दिनों तक या लगातार सजावट की जरूरत होती है, वहां हाथ से बने फूलों की अहमियत बढ़ जाती है। इसके अलावा ये फूल झड़ते नहीं हैं, जिससे गंदगी नहीं फैलती। इन्हीं सब कारणों के चलते फ्लावर मेकिंग एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में उभरकर सामने आया है। डेकोरेशन की बढ़ती मांग और असली फूलों की कमी के चलते आर्टिफिशियल यानी मशीनों व हाथ से बने फूलों का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में फ्लावर मेकिंग को आप आजीविका का बेहतर साधन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इस फील्ड के बारे में-

**जानें फ्लावर मेकिंग को**

फ्लावर मेकिंग एक हस्तकला है, जिसमें कोई भी हाथों से तरह-तरह के फूल बना कर बाजार में सप्लाई कर सकता है। इन्हें बनाने के लिए मोती, टिशु पेपर, रिबन, ऑरगेंजा यानी कपड़ा और साटन का इस्तेमाल होता है। इनका उपयोग सजावट के अलावा गिफ्ट पैकिंग, एनवलप मेकिंग, बुके और गुलदस्ते बनाने में भी होता है।

**जगह का चुनाव**

फ्लावर मेकिंग का काम आप एक छोटे-से कमरे में भी कर सकते हैं, लेकिन अगर आप इस काम को बड़े स्तर पर करना चाहते हैं, तो आपको एक हॉल की जरूरत पड़ सकती है। अगर आप शोरूम बनाएंगे तो आपके काम में इजाफा होगा। हाउसहोल्ड काम होने के कारण आप इसे इंडस्ट्रियल या नॉन इंडस्ट्रियल एरिया में कहीं भी खोल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखें कि आपको कच्चा माल लाने और तैयार माल भेजने में कोई दिक्कत न हो।

**क्या है लागत**

फ्लावर मेकिंग का काम आप 25 से 30 हजार रुपए में शुरू कर सकते हैं। अगर आप बड़े स्तर पर यह काम शुरू करना चाहते हैं, तो आपको उसी हिसाब से पैसे खर्च करने पड़ेंगे। वैसे दो लाख रुपए में यह काम काफी बड़े स्तर पर खोला जा सकता है। काम की तरक्की के लिए अगर आप शोरूम खोलना चाहते हैं या फिर फ्लावर मेकिंग के साथ डेकोरेशन का काम भी शुरू करना चाहते हैं, तो आपको उसी हिसाब से खर्चा करना पड़ेगा। यानी स्तर के हिसाब से लागत बैठेगी।



**तैयार माल की बिक्री**

आप अपने द्वारा निर्मित फूलों को यूं तो फूलों के बाजारों में बेच सकते हैं, मगर अच्छी बिक्री के लिए आपको कुछ खास सेलिंग प्वाइंट्स पर कांटे ट करने कीजरूरत पड़ेगी। ये सेलिंग प्वाइंट होटल, डेकोरेटर, मॉल और रेस्तरां और बड़े-बड़े शोरूम हो सकते हैं।

**कैसी है आमदनी**

फ्लावर मेकिंग में आमदनी आपकी कार्यक्षमता और मार्केटिंग, दोनों पर निर्भर करती है। छोटे स्तर पर शुरू करते हैं, तो भी प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपए या इससे अधिक कमा सकते हैं। बड़े स्तर के काम और मार्केट में पकड़ है तो आप 25-30 हजार रुपए से साठ हजार रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। अगर आप डेकोरेशन का काम भी साथसाथ करते हैं, तब आपकी इन्कम और भी अधिक हो सकती है।

**प्रशिक्षण अवधि**

अधिकतर संस्थानों में एक सप्ताह से एक महीने का कोर्स होता है। किसी में तीन महीने का भी कोर्स मौजूद है, जबकि कुछ संस्थान इसी में डेकोरेशन और फ्लावर मेकिंग से संबंधित हस्तकला शिल्प के हुनर सिखाते हैं। यह कोर्स एक साल का होता है। खादी ग्रामोद्योग द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान क्राफ्ट एंड सोशल डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन में एक सप्ताह से एक माह तक के कोर्स कराए जाते हैं।

**जरूरी योग्यता**

वैसे तो आपका साक्षर होना पर्याप्त है, लेकिन कुछ संस्थान 10वीं और कुछ संस्थान 12वीं पास होना अनिवार्य मानते हैं। आप अपनी क्वालिफिकेशन, फीस देने की कैपेसिटी और जरूरत के हिसाब से प्रवेश ले सकते हैं।

**कैसे लें प्रशिक्षण**

खादी ग्रामोद्योग से मान्यता प्राप्त केंद्र से प्रशिक्षण लेने के लिए आपको प्रॉस्पे टस खरीदना होगा। इसके अतिरिक्त आप किसी स्थापित फर्म में नौकरी करके भी अनुभव बटोर सकते हैं।



# नये मौकों की राह है फिजिकल साइंस

**'बीएससी इन फिजिकल साइंस' नाम से जाना जाने वाला कोर्स छात्रों को एमएससी स्तर पर साइंस की विभिन्न शाखाओं में जाने की राह तो दिखाता ही है, उन्हें स्नातक करने के बाद करियर की अलग-अलग दिशाओं में जाने की भी राह दिखाता है। अगर साइंस ग्रेजुएट बनकर नौकरी करने की इच्छा है तो यह कोर्स ऐसे छात्रों के लिए अच्छा विकल्प है, हालांकि इस कोर्स को करने के बाद एमएससी में भी एडमिशन लिया जा सकता है**

*अगर* स्नातक स्तर पर साइंस की विभिन्न शाखाओं के बीच विचरण करना चाहते हैं, फिजिक्स के साथ-साथ रसायनशास्त्र और गणित जैसे विषयों को पढ़ने की तमन्ना है तो ऐसे छात्रों के लिए दिल्ली विविद्यालय का 'बीएससी इन फिजिकल साइंस' एक बेहतर विकल्प है। जनरल साइंस के रूप में लंबे अरसे तक चलने वाला यह कोर्स अब नाम बदलकर फिजिकल साइंस में तब्दील हो गया है। चार वर्षीय कोर्स में इसे खत्म कर दिया गया था लेकिन तीन वर्षीय कोर्स में यह फिर से बहाल हो गया है । अब इसे बीएससी इन फिजिकल साइंस के नाम से जाना जाता है । यह कोर्स छात्रों को एमएससी स्तर पर साइंस की विभिन्न शाखाओं में जाने की राह तो दिखाता ही है, उन्हें स्नातक करने के बाद भी करियर की अलग-अलग दिशाओं में जाने की राह भी दिखाता है। अगर साइंस ग्रेजुएट बनकर नौकरी करने की इच्छा है तो यह कोर्स ऐसे छात्रों के लिए अच्छा विकल्प है।

**कैसा है कोर्स**

यह कोर्स साइंस का मिला-जुला कोर्स है, जो बारहवीं तक भौतिकी, गणित, रसायनशास्त्र और कंप्यूटर साइंस जैसे विषय पढ़ने वाले छात्रों को आगे भी विभिन्न विषयों को पढ़ने की छूट देता है। इसमें छात्र भौतिकी और गणित को मुख्य पेपर के रूप में तीनों साल तो पढ़ते ही हैं। इसके अलावा, विकल्प के रूप में एक और पेपर को भी तीनों साल पढ़ना होता है। इसमें छात्रों को कई च्वाइस



दी जाती है। मसलन, कोई चाहे तो तीन सालों तक भौतिकी और गणित के साथ-साथ रसायनशास्त्र को मुख्य पेपर के रूप चुन सकता है। जो छात्र रसायनशास्त्र नहीं रखना चाहता उसे इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर साइंस में से किसी एक को मुख्य पेपर के रूप में चुनने की छूट मिलती है। तीन साल में तीन विषयों के अलावा कई और पेपर भी पढ़ने होते हैं। छात्रों को अब टेक्नीकल राइटिंग एंड कम्युनिकेशन यानी अंग्रेजी का एक पेपर पहले साल पढ़ना होता है। इसके अलावा, कंप्यूटेशनल स्किल का एक पेपर और दूसरे साल में इंट्रोडक्शन टू बायोलॉजी और फिर सोलहवें पेपर के रूप में बायोलॉजी पढ़ना होता है। तीन सालों में कुल 24 पेपर पास करना होता है। छात्रों को कंकरेंट कोर्स के तहत भी दो पेपर चुनने होते हैं। अगर किसी ने फिजिकल साइंस में भौतिकी और गणित के अलावा रसायनशास्त्र के छह पेपर चुने हैं तो उसे कंप्यूटर साइंस से या इलेक्ट्रॉनिक्स से दो कंकरेंट पेपर का चुनाव करना होता है। इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक या कंप्यूटर साइंस से छह पेपर चुनने वालों को दो कंकरेंट पेपर का चुनाव करना होता है। दिल्ली विविद्यालय में पहले इस कोर्स की पढ़ाई करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा यानी एमएससी करने में खासी दिक्कत आती थी। उन्हें ऑनर्स कोर्स के मुकाबले काफी नीचे रखा जाता था लेकिन अब एमएससी में प्रवेश परीक्षा होने के कारण इस कोर्स के छात्र वहां एडमिशन पा लेते हैं। यह कोर्स छात्रों को तीन विषयों को पढ़ने का व्यापक नजरिया प्रदान करता है। यहां किसी एक विषय के इर्द-गिर्द ही चक्कर काटना नहीं होता। इसमें तीन पेपर पर ज्यादा जोर देने से छात्रों को एमबीए और आईएएस परीक्षा की तैयारी में काफी मदद मिलती है।

**शाखाएं**

इसमें मुख्य रूप से बीएससी इन फिजिकल साइंस तो है ही। इसके अलावा, स्पेशलाइज्ड पेपर चुनने पर फिजिकल साइंस विद् कंप्यूटर साइंस और फिजिकल साइंस विद् इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी चीजें भी आकर जुड़ जाती हैं।

**दाखिला कैसे**

डीयू के कॉलेजों में इस कोर्स में दाखिला बारहवीं की मेरिट के आधार पर दिया जाता है। साइंस के छात्रों के लिए बारहवीं में भौतिकी, गणित और रसायनशास्त्र पढ़ा होना जरूरी है तभी उसे दाखिला दिया जाता है। दाखिले का कट ऑफ ऑनर्स कोर्स के मुकाबले नीचे होता है। चार लिस्ट के बाद दिल्ली विविद्यालय में अब गिने-चुने कॉलेजों में ही इस कोर्स में दाखिले के मौके बचे हैं।

**अवसर कहां**

स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद छात्रों को आगे की शिक्षा के लिए किसी न किसी क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड होना पड़ता है। यह कोर्स जनरल साइंस है, इसलिए आगे बढ़ने का विकल्प थोड़ा कठिन होता है। लेकिन बहुत सारे छात्र इन बाधाओं को पारकर मौका पाते हैं। सामान्य तौर पर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होकर बैंक व अन्य निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में नौकरी कर सकते हैं। सरकारी क्षेत्र की ओर देखें तो यूपीएससी की सिविल सेवा की परीक्षा में सफल होकर आईएएस, आईपीएस बन सकते हैं। बैंकिंग सेक्टर में भी जा सकते हैं। एमबीए या एमसीए कर सकते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में लैब असिस्टेंट के रूप में कार्य कर सकते हैं। स्कूलों में साइंस के शिक्षक बन सकते हैं।

**संस्थान**

इस कोर्स की पढ़ाई दिल्ली विविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों में होती है। करीब 25 ऐसे कॉलेज हैं जहां अलग-अलग रूपों में फिजिकल साइंस चल रहा है। इसके अलावा, दूसरे विविद्यालय भी जनरल सांइस के छात्रों को अपने यहां साइंस ग्रेजुएट बनाने के लिए यह कोर्स चला रहे हैं-

- दिल्ली विविद्यालय, दिल्ली
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विविद्यालय, नई दिल्ली
- आगरा विविद्यालय, आगरा
- महर्षि दयानंद विविद्यालय, रोहतक
- चौधरी चरण सिंह विविद्यालय, मेरठ

**वेतन**

सामान्य रूप से स्नातक की डिग्री लेकर नौकरी की तलाश करने पर किसी संस्थान में शुरुआती तौर पर 25 से 30 हजार रुपये की नौकरी मिल जाती है। उच्च शिक्षा यानी एमएससी के बाद कॉलेज शिक्षण और रिसर्च एसोसिएट के रूप में वेतनमान शुरुआती तौर पर 40 से 45 हजार रुपये हैं। साइंस शिक्षक के रूप में कोचिंग संस्थान खोलकर स्वरोजगार भी कर सकते हैं।